SATURDAY

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

वर्ष 18, अंक 321 पृष्ठ 12 + 8 ●कोलकाता, शनिवार, 9 मई 2026 ● ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, सप्तमी, वि.सं. 2083 मूल्य: ₹ 3

www.yuvashaktinews.com

पश्चिम बंगाल में नए युग का शुभारंभ

मुगलों का कहर...

अंग्रेजों का शोषण...

वामपंथियों का लंबा कुशासन...

और तुणमूल कांग्रेस की लूट के बाद...

अंततः पश्चिम बंगाल नागरिको द्वारा रामराज्य की प्रतिष्ठा

- अब होगा – संपूर्ण विकास
- सुरक्षित समाज
- उद्योग और रोजगार का विस्तार
- कानून व्यवस्था की बहाली
- गरीब, पीड़ित और शोषित को न्याय
- सभी समाजों के साथ सद्भावपूर्ण व्यवहार
- महिलाओं को सुनिश्चित होगी सुरक्षा और भागीदारी

बंद होगा घुसपैठियों का अत्याचार

सबका साथ • सबका विश्वास • सबका विकास • सबका प्रयास

● नया बंगाल ● उज्ज्वल बंगाल ● समृद्ध बंगाल ● आत्मनिर्भर बंगाल

❁ विकास • संस्कार • सुशासन ❁

"बदलता बंगाल – बढ़ता बंगाल"

Adhunik®

TMT BARS

BHAROSA HAMESHA

महेश कुमार अग्रवाल, आधुनिक ग्रुप

SAMPANN
VISKY RAJ SIHARIA

पश्चिम बंगाल में
परिवर्तन की विजय
विकास की नई शुरुआत
आरतीय जनता पार्टी को प्रेतिहासिक जनादेश

समृद्ध भारत के निर्माण की नई पहल

समृद्ध भारत के निर्माण की नई पहल

आधुनिक इंफ्रारद्रक्चर, विकसित बंगाल
और बेहतर अविष्य की ओर

SAMPANN GROUP

- आधुनिक रिचल एस्टेट एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास
- विश्वरतरीय आवासीय एवं वाणिज्यिक परियोजनाएं
- रमार्ट और टिकाऊ शहरी विकास
- निषेस एवं विकास के नए अवसट
- गुणवता, विश्वास और समयवद्ध निर्माण

नई सोच • नया विकास • नया भारत
विकसित भारत और समुद्ध पश्चिम वंगाल के साथ भविष्य का निर्माण

SAMPANN GROUP
www.sampangroup.com | admin@sampangroup.com | Sikario Tower, 4C Chaiton Sett Street Burrobazoar, Koikata 700007
Real Estate Sector
Infrastructure Sector

जय भाजपा • जय बंगाल • विकास ही हमारा संक्ल्प

SATURDAY

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

वर्ष 18, अंक 321 पृष्ठ 12 + 8 ●कोलकाता, शनिवार, 9 मई 2026 ● ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, सप्तमी, वि.सं. 2083 मूल्य: ₹ 3

www.yuvashaktinews.com

S M GROUP

OCL IRON & STEELS LIMITED

GreenPro

IS:1786 5800044508

ISO 9001:2015 14001:2015 45001:2018

SR-CR FOR SECURE HOME

GOVVINDA®

TMT

Hamesha Aapke Saath

#GoWin

with Best Quality TMT Rebars

QUALITY PRODUCT FROM JAMSHEDPUR

FE 550SD TMT REBAR

TOLL-FREE: 1800 123 4500

E-MAIL: marketing@nilachal.co.in

GOVVINDA 550 SD GOVVINDA 550 SD

BENGAL ENERGY

समृद्ध पश्चिम बंगाल की और एक नया अध्याय

सदियों की उपेक्षा, भ्रष्टाचार और राजनीतिक लूट के विरुद्ध
पश्चिम बंगाल की जनता ने दिया ऐतिहासिक जनादेश।

भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय

बन रही है परिवर्तन, सुशासन और विकास की नई पहचान।

OM JALAN

अब लक्ष्य स्पष्ट है –

- सुरक्षित एवं निवेश-अनुकूल वातावरण
- उद्योग, व्यापार और रोजगार का विस्तार
- आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण
- युवाओं के लिए नए अवसर
- "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का संकल्प

अब होगा समृद्ध पश्चिम बंगाल

जहाँ विकास होगा हर क्षेत्र में, विश्वास होगा हर समाज में और अवसर होंगे हर नागरिक के लिए।

नया नेतृत्व • नई सोच • नया बंगाल

"जनता के विश्वास से बनेगा आत्मनिर्भर और विकसित पश्चिम बंगाल।"

◆ Foundry Coke ◆ Blast Furnace Coke ◆ Nut Coke ◆ Coke Breeze

BENGAL ENERGY LIMITED

OM TOWER, 32, J. L. NEHRU ROAD, 3RD FLOOR, KOLKATA-700 071, W.B.
Phone : 33 2288 3355/56/57 | Fax : 33 2288 3354
E-mail: omjalan@bengalenergy.in | omjalan2014@gmail.com

Work: Mouza : Dauha, P.O.-Tentulmuri,
P.S. Narayangarh, Dist- Midnapore West-721347,
Tel: 0322 2236692-98 Fax: 0322 2236697 | Web: www.bengalenergy.in

SATURDAY

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

वर्ष 18, अंक 321 पृष्ठ 12 + 8 ●कोलकाता, शनिवार, 9 मई 2026 ● ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, सप्तमी, वि.सं. 2083 मूल्य: ₹ 3

www.yuvashaktinews.com

सर्वसम्मति से बंगाल भाजपा विधायक दल के नेता का चयन

शुभेंदु अधिकारी आज लेंगे सीएम पद की शपथ

मौजूद रहे गृह मंत्री अमित शाह व ओडिशा के सीएम मोहन माझी ● बिग्रेड परेड मैंदान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, तैनात होंगे सुरक्षा बल

कोलकाताः बीजेपी नेता शुभेन्दु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे. शुक्रवार को कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन माझी को मौजूदगी में उनके नाम का ऐलान किया है. बैठक के बाद अमित शाह ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि विधायक दल के नेता के चुनाव की प्रक्रिया पूरी लोकतांत्रिक रही. आठ प्रस्ताव आए और सभी में केवल शुभेंदु अधिकारी का ही नाम था. हमने दूसरे नाम के लिए पर्याप्त समय दिया, लेकिन कोई अन्य दावेदार सामने नहीं आया. शनिवार को कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भव्य समारोह के बीच नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे. नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु व पार्टी के अन्य नेता लोकभवन जाकर राज्यपाल आर. एन. रवि से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया.

न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई इस निर्णायक बैठक के लिए अमित शाह को मुख्य पर्यवेक्षक बनाया गया था, जबकि उनके साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे. शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर से जीते हैं. उन्होंने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया है. पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेन्दु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा. जिसे विधायकों ने आम सहमति से मुहर लगाई. शुभेंदु अधिकारी की उम्र 55 साल है. वह पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले से आते हैं. इस जिले में करकुली गांव उनका जन्म स्थान है. पश्चिम बंगाल चुनावों में बीजेपी को 293 सीटों में 207 पर जीत मिली हैं. शुभेन्दु अधिकारी बंगाल में बीजेपी के पहले सीएम होंगे.

शुभेन्दु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को हुआ था. शुभेन्द अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं. शुभेन्दु अधिकारी को राजनीति विरासत में मिली है. उन्होंने पंचयत से लेकर पार्लियामेंट तक सफर तय किया. वह 2005 में पहली बार विधायक बने थे. इसके बाद 2009 और फिर 2014 में तामलुक से लोकसभा के सदस्य चुने गए. नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका ने उन्हें बंगाल की राजनीति में 'मेदिनीपुर का बादशाह' बना दिया. दिसंबर 2020 में वह तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए. 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से हराकर सबको चौंका दिया. इसके बाद वह मई 2021 से 2026 तक वे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे. अब वह पश्चिम बंगाल में शीर्ष पद को संभालेंगे.

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने कहा

पीएम मोदी जी की गारंटियों को पूरा करेंगे

कोलकाताः विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमित शाह जी ने जो संकल्प पत्र जारी किया था और प्रधानमंत्री ने लोगों से जो वादे किए थे, उसे पूरा किया जायेगा. उन्होंने कहा, मैं वचन देता हूं कि आने वाला मंत्रिमंडल, विधायक दल और पूरी भाजपा इस संकल्प पत्र के एक-एक वादे को तय समय के अंदर पूरा करेगी. मोदी जी का मंत्र है, सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास. यही हमारी सरकार का भी मंत्र होगा. शुभेंदु ने कहा अमित शाह जी ने बहुत स्पष्ट कहा है कि हम लोग डर भगाने आए हैं. मोदी जी ने लोगों को भरोसा दिया है और लोगों को सपने दिखाए हैं और *पेज 8 पर जारी*

स्वागतम्! भाजपा सरकार

पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव आया है. भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीतकर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाने की दहलीज पर है. 15 साल पुराने तृणमूल कांग्रेस के शासन का अंत हुआ है. अब उम्मीद की जाती है कि बंगाल की संस्कृति और अपना खोया हुआ गौरव हासिल करेगी. 'सोनार बांग्ला' के पुनरुद्धार और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को फिर से स्थापित करने का वादे सहित एजेंडे में रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों के आदर्शों को शासन का आधार बनाकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मजबूत करेगा.

सुधांशु शेखर

भाजपा के आने से धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का विकास होगा और राज्य के प्रमुख मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर सरकार जोर देगी. अब तुष्टीकरण की राजनीति का अंत होगा. भाजपा का तर्क रहा है कि पिछली सरकारों की नीतियों से बंगाल की मूल संस्कृति प्रभावित हुई है, जिसे वे सुधारना चाहते हैं.

नयी सरकार से लोगों को बंगाल को फिर से एक औद्योगिक केंद्र बनाने की उम्मीद है. निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसे सुधारों की प्रतीक्षा रहेगी. राज्य से होने वाले प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए आईटी, मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमई क्षेत्रों में नए रोजगार सृजित करना एक बड़ी प्राथमिकता होगी. भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना सरकार की पहली प्राथमिकता होगी. चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार और नियुक्तियों में धांधली बड़े मुद्दे रहे थे. ऐसे में नयी सरकार से पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और स्वच्छ प्रशासन की उम्मीद की जा रही है.चुनाव के बाद होने वाली राजनीतिक हिंसा को रोकना और कानून-व्यवस्था को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त करना नयी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती और उम्मीद है. सरकार को इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को भी आगे बढ़ाना होगा. केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार (डबल इंजन) होने के तर्क के साथ, कोलकाता और अन्य शहरों में मेट्रो विस्तार, बेहतर सड़कों और जल निकासी जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान की उम्मीद है. हल्दिया और कोलकाता पोर्ट के आधुनिकीकरण के जरिए बंगाल को पूर्वी भारत के व्यापारिक प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने की योजना पर काम हो सकता है. जनता में यह जिज्ञासा और उम्मीद भी है कि 'लक्ष्मी भंडार' जैसी मौजूदा लोकप्रिय कल्याणकारी योजनाओं का स्वरूप क्या होगा. क्या इन्हें केंद्र की योजनाओं के साथ जोड़कर और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा? विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार और उच्च शिक्षा के स्तर को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाना भी एक प्रमुख अपेक्षा है. भाजपा ने सोनार बांग्ला गढ़ने का संकल्प लिया है. इस वादे के तहत बंगाली संस्कृति, साहित्य और विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास के आधुनिक मॉडल को संतुलित करने की उम्मीद है. ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी अब विपक्ष की भूमिका में होगी, जिससे विधानसभा में सशक्त बहस और सरकार पर जवाबदेही का दबाव बने रहने की संभावना है. दूसरी ओर, आलोचकों और अन्य राजनीतिक दलों का मानना है कि बंगाल की संस्कृति हमेशा से समावेशी और बहुलतावादी रही है. उनके अनुसार बंगाल की असली पहचान उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द्र में है. संस्कृति केवल प्रतीकों से नहीं, बल्कि कला, साहित्य और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से समृद्ध होती है. किसी भी नई सरकार के आने से लोगों में नई उम्मीदें और बदलाव की आकांक्षाएं होती हैं. आने वाले समय में सरकार की नीतियां, शिक्षा में बदलाव और सांस्कृतिक संस्थानों को मिलने वाला प्रोत्साहन ही यह तय करेगा कि बंगाल अपनी सांस्कृतिक विरासत को किस दिशा में आगे ले जाता है. यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार अपने वादों को धरातल पर कैसे उतारती है और बंगाल के गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए कौन से ठोस कदम उठाती है.

बंगाल के अगले मुख्य सचिव बन सकते हैं मनोज कुमार अग्रवाल

कोलकाताः बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का अगला मुख्य सचिव नियुक्त किया जा सकता है. प्रशासनिक सूत्रों से यह जानकारी मिली है. अग्रवाल वेस्ट बंगाल कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. बंगाल में स्वतंत्र व शांतिपूर्ण तरीके से गत विधानसभा चुनाव कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है. इससे पहले वे कार्मिक व प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रधान सचिव, वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ आपदा प्रबंधन व नागरिक सुरक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार और वेस्ट बंगाल हाइवे कार्पोरेशन के अध्यक्ष का दायित्व बखूबी संभाल चुके हैं.अग्रवाल 2001 में अविभक्त बर्धमान के जिलाधिकारी भी रहे हैं. वे वर्तमान में राज्य के आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं. आईआईटी खडग़पुर के पूर्व छात्र अग्रवाल के लंबे प्रशासनिक अनुभव व दक्षता को देखते हुए मुख्य सचिव के पद के लिए उनके नाम पर विचार किया जा रहा है.

सोनार बांग्ला का सपना पूरा करेंगे– अमित शाह

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान शुक्रवार को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी के नाम पर मुहर लगी. इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे. इस दौरान अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ उनकी पार्टी पर जमकर निशाना साधा. अमित शाह ने कहा केंद्र सरकार की ओर से 'सोनार बांग्ला' का सपना लंबे समय से देखा जा रहा है और इसके लिए भारत सरकार लगातार पश्चिम बंगाल के विकास में कई प्रयास करती रही है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए राज्य सरकार ने कई विकास कार्यों में रुकावटें डाली. उन्होंने आगे कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है, अब ऊपर भी ऊपर भी भाजपा है, नीचे भी भाजपा हैं. शाह ने कहा कि भाजपा के शासन में न तो प्रशासन का राजनीतीकरण होगा, न राजनीति का अपराधीकरण होगा. यह मैं बंगाल की जनता को विश्वास दिलाता हूं. कला, साहित्य, संस्कृति और शिक्षा में बंगाल पूरे देश का नेतृत्व करे. रंगमंच के लिए यहां एक प्रशिक्षण केंद्र बनाएंगे.

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''हम तो 2014 में सत्ता में आए. तमिलनाडु में 1967 से अब तक कांग्रेस का कोई सीएम नहीं बन पाया. ये वोट चोरी था क्या? पश्चिम बंगाल में 49 साल से आपका सीएम नहीं बना. सिक्किम में 42 साल से आपका सीएम नहीं बना. बिहार में 36 साल से, गुजरात में 30 साल से, ओडिशा में 26 साल, नागालैंड में 23 साल और महाराष्ट्र में 12 साल से आपका सीएम नहीं है.'' उन्होंने आगे कहा, ''अगर ये सभी वोट चोरी है तो वोट चोरी करने वाले तो आपके साथ बैठे हैं. ये सभी इंडी गठबंधन के सदस्य बने बैठे हैं. मैं मानता हूं कि कांग्रेस पार्टी को अपनी हार के लिए आत्मचिंतन करने की जरूरत है.

पेज 8 पर जारी

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

तमिलनाडु में भी आज विजय लेंगे सीएम पद की शपथ

राज्यपाल को सौंपा समर्थन पत्र

चेन्नैः कल तमिलनाडु में विजय के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी है. सुबह 11 बजे शपथ समारोह होगा. तमिनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है. हालांकि, टीवीके बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के जादुई आंकड़े से 10 सीटें पीछे रह गई. टीवीके पास 107 सीटें हैं. इसलिए सरकार गठन में देरी हुई. टीवीके नेता विजय ने आखिरकार बहुमत का दावा करने के लिए जरूरी सीटों का आंकड़ा पा लिया है. इसमें कांग्रेस की पांच और वीसीके, सीपीएम और सीपीआई की दो-दो सीटें शामिल हैं. इन दलों के समर्थन से विजय ने बहुमत के लिए 118 सीटों के जादुई आंकड़े को छू लिया है.

राज्यपाल आरवी आर्लेकर के साथ विजय की ये तीसरी मुलाकात होगी. इससे पहले दोनों की मुलाकात बुधवार और गुरुवार को भी हुई थी. दोनों बार आर्लेकर ने विजय के सरकार बनाने के दावे को खारिज करते हुए तर्क दिया कि टीवीके नेता को सदन में बहुमत के लिए जरूरी समर्थन प्राप्त नहीं है. विजय ने शुक्रवार की शाम को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की. इस दौरान विजय ने राज्यपाल को कांग्रेस समेत अन्य दलों की ओर से मिले समर्थन पत्र सौंपे. इसके बाद राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने के लिए सहमति दी. विजय कल यानी शनिवार को सुबह 11 बजे राज्य के सीएम के तौर पर शपथ लेंगे.

चीन का बड़ा कबूलनामा

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को मदद दी

नई दिल्ली. चीन ने पहली बार स्वीकार किया है कि उसने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को सीधे तकनीकी सहयोग दिया था. यह खुलासा साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट में किया गया है. भारत में इस सैन्य कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाम से जाना गया था. 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था.इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों पर हमला किया था. भारत के मुताबिक इस कार्रवाई में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए थे. रिपोर्ट के अनुसार चीन के सरकारी चैनल सीसीटीवी को दिए इंटरव्यू में एविएशन इंडस्ट्री कॉरपोरेशन ऑफ चाइना के इंजीनियरों ने माना कि उन्होंने संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को मौके पर तकनीकी सहायता दी थी. इसे पहली बार चीन की ओर से आधिकारिक स्वीकारोक्ति माना जा रहा है.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शनिवार | 9 मई, 2026

एक नए अध्याय की शुरुआत

शनिवार का दिन पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में दर्ज होने जा रहा है. कोलकाता में आयोजित होने वाला नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह केवल एक सत्ता परिवर्तन मात्र नहीं है, बल्कि यह राज्य की जनता द्वारा दिए गए उस जनादेश की परिणति है, जिसने दशकों पुरानी राजनीतिक जड़ता को झकझोर दिया है. पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से वैचारिक और संघर्षपूर्ण रही है. ऐसे में भाजपा का सत्ता तक पहुँचना यह दर्शाता है कि राज्य के मतदाताओं ने 'विकास' और 'विकल्प' की तलाश में एक नया मार्ग चुना है. 'सोनार बांग्ला' के जिस संकल्प को चुनावी रैलियों में दोहराया गया था, अब उसे धरातल पर उतारने का समय आ गया है. जनता ने अपनी उम्मीदों का बोझ नई सरकार के कंधों पर डाला है, और इन उम्मीदों में सबसे ऊपर है–स्थिरता और आर्थिक प्रगति. नई सरकार के सामने चुनौतियों की सूची लंबी है. वर्षों से बंद पड़े कारखानों को पुनर्जीवित करना, पलायन कर रहे युवाओं को राज्य में ही रोजगार के अवसर प्रदान करना और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए. बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास चिंताजनक रहा है. नई सरकार की पहली और सबसे बड़ी परीक्षा यह होगी कि वह प्रतिशोध की राजनीति से ऊपर उठकर एक निष्पक्ष शासन प्रदान करे. टाटा–नैनो विवाद के बाद से बंगाल की छवि 'उद्योग–विरोधी' बन गई थी. नई सरकार को वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए एक व्यापार–अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा. विविध संस्कृतियों वाले इस राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक ताने–बाने को सुरक्षित रखना मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के लिए अनिवार्य होगा. एक ही दल की सरकार केंद्र और राज्य में होने से (जिसे अक्सर 'डबल इंजन' कहा जाता है) विकास परियोजनाओं में गति आने की संभावना बढ़ जाती है. केंद्रीय योजनाओं का लाभ सीधे बंगाल के गरीबों तक पहुँचना अब अधिक सुगम होगा. आयुष्मान भारत से लेकर किसान सम्मान निधि तक, ऐसी कई योजनाएं जो अब तक राजनीतिक मतभेदों की भेंट चढ़ती रही थीं, अब राज्य के विकास में सहायक सिद्ध हो सकती हैं. इस चुनाव में भाजपा की सफलता का एक कारण एसआईआर रहा. पश्चिम बंगाल में 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) का दायरा बेहद बड़ा था. मतदाता सूची से कुल 91 लाख नाम हटाए गए. इसमें ड्राफ्ट पुनरीक्षण के दौरान एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट) श्रेणियों के तहत हटाए गए 58 लाख नाम शामिल थे, जबकि 27 लाख मतदाताओं को 'अंडर एडजुडिकेशन' (यूए) मामलों की न्यायिक समीक्षा के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया. जब 28 फरवरी 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में जोड़े गए 1.88 लाख नए मतदाताओं के आंकड़े को इसके साथ देखा जाए, तो यह साफ संकेत मिलता है कि इस पुनरीक्षण प्रक्रिया ने चुनावी नतीजों पर गणितीय रूप से निर्णायक असर डाला है. यह व्यापक बदलाव केवल ग्रामीण या सीमांत इलाकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी इसका असर साफ दिखाई दिया. पश्चिम बर्धमान में भाजपा ने अत्यधिक प्रभावित सभी 8 सीटों पर जीत दर्ज की, जिनमें से 5 सीटें पहले तृणमूल कांग्रेस के पास थीं. कोलकाता उत्तर और दक्षिण जैसे राजधानी क्षेत्रों में भी भाजपा ने 11 प्रभावित सीटों में से 6 सीटें तृणमूल कांग्रेस से छीन लीं. इनमें भवानीपुर भी शामिल है, जहां निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुभेंदु अधिकारी से हार गईं. 2021 में इन सीटों पर तृणमूल कांग्रेस का लगभग पूर्ण वर्चस्व था. यह संकेत देता है कि मतदाता सूची में कटौती बेतरतीब ढंग से नहीं हुई थी. इसका सबसे अधिक असर उन इलाकों पर पड़ा, जो पिछली बार तृणमूल कांग्रेस के मजबूत गढ़ माने जाते थे. भाजपा ने ऐसे 150 अत्यधिक प्रभावित चुनावी क्षेत्रों में से 100 पर कब्जा कर लिया. सतगछिया सीट इसका एक उदाहरण है, जहां भाजपा उम्मीदवार महज 401 वोटों से जीता. लेकिन यहां कुल हटाए गए मतदाताओं की संख्या 26 हजार से अधिक थी, जिसमें 17,669 एएसडीडी और 8,785 यूए मतदाता शामिल थे. इसी तरह राजारहाट-न्यू टाउन में जीत का अंतर केवल 316 वोट था, जबकि कुल हटाए गए मतदाता 63 हजार से ज्यादा थे. रैना सीट पर भाजपा 834 वोटों से आगे रही, जबकि हटाए गए मतदाताओं की संख्या 23 हजार से ऊपर है. लोकतंत्र में चुनाव जीतना एक पड़ाव है, लेकिन जनता का विश्वास जीतना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है.

उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

– प्रो. डॉ. भरत

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है. इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है. यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है. इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है. तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग–अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं. कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं. इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है–तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग–अलग पहलुओं को संभालेंगी. इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी. दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी. तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा. इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग–अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास. विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है. इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम–आधारित और छात्र–केंद्रित बनाना है. इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है–वित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण. पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था. नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है. पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है. दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है. तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके. लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है. एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है. इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है. यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है. विधेयक के संदर्भ में बड़ी चिंता संघीय ढांचे पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर है. यद्यपि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ-सूची की प्रविष्टि 66 में उच्चतर शिक्षा या अनुसंधान संस्थानों तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में समन्वय एवं मानकों के निर्धारण का प्रावधान है. निःसंदेह, इतने व्यापक बदलाव को लागू करना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है. संस्थागत संस्कृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों में समन्वय स्थापित करना दीर्घकालिक और जटिल प्रक्रिया होगी. यदि इसे सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं किया गया, तो यह सुधार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा. अंततः विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 एक ऐसा प्रयास है, जो भारत की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की क्षमता रखता है. *(लेखक पंजाब विवि. में कानून के प्राध्यापक हैं)*

विध्वंस से सृजन तक की यात्रा का जीवंत होना

– नरेन्द्र मोदी

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता. आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है.

जय सोमनाथ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला. यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत व अविनाशी होने का पर्व था. अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है. यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है. मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था. उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी. छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है. सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है. इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है. इसकी लहरें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस-आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है. तट से टकराती लहरें सदियों से उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना लंबे समय तक दबायी नहीं जा सकती. हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है-प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम् अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन हेतु आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी. कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा. यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे. लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया. चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया. समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता को ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी. मान्यता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था. कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक-सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई. भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना-ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया. विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की. महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया. पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा. बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की. साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है. उनका साहस-बलिदान स्मरणीय है. 1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैली. सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी. एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा. 13 नवंबर, 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, 'इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा. सौराष्ट्र के लोगों को हर तरह से अपना योगदान देना होगा. यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी.' उनके आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भरा. दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित किया था. इससे पहले कि जीर्णोद्धार उपरांत सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया. इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस होता रहा है. उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला. 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया. तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया. मुझे अक्तूबर, 2001 का समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था. 31 अक्तूबर, 2001 को, सरदार पटेल की जयंती पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया. इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी. इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया. 11 मई, 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता. उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा. उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है. उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी. इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं. पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं. 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है. इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है. आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं. इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है. सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते. भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया. उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी. वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता. आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है. सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है. इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी. यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं. सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता. आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है. यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है. ***(लेखक श्री सोमनाथ ट्रस्ट के चेयरमैन भी हैं)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 9 मई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 9 मई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह मंगल है. इस माह का अधिपति ग्रह शुक्र है. आप शुक्र व मंगल ग्रह से आजीवन प्रभावी रहेंगे. आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली तथा दृढ़ता व साहस का प्रतीक होगा. आपका जीवन कठिनाइयों से परिपूर्ण रहेगा. आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा. आप में सूक्ष्मदर्शिता का विशेष गुण होगा. जोखिम भरे कार्यों को करना आप अधिक पसन्द करेंगे. आपके साथ जो भी घटना घटित होगी वह आकस्मिक रूप से होगी. चाहे अनुकूल हो या प्रतिकूल. आप समस्याओं के दौर से गुजर कर ही सफलता प्राप्त कर सकेंगे. मार्ग-निर्देशन के क्षेत्र में आप अग्रणी रहेंगे. आप अनुशासन प्रिय होंगे. वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा. आप स्पष्टवादी व्यक्ति होंगे. कला-संगीत तथा रचनात्मक कृत्यों में आप अधिक रूचि लेंगे. अत्यधिक उतावलापन आपकी प्रमुख कमजोरी रहेगी. जीवन में अनुकूलता के लिए अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना नियमित रूप से करें. लाल रंग का प्रयोग अधिकतम करें. मंगलवार का व्रत रखें. सदाचार का पालन करें. मान-मर्यादा का ख्याल रखें. लाल रंग से सम्बन्धित वस्तुओं का इस्तेमाल करें. शुद्ध शाकाहारी जीवन व्यतीत करें. सुख-सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ अं अंगारकाय नम:	मास	:	फरवरी, जून एवं नवम्बर
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	:	लाल एवं नारंगी
दिनांक	:	9, 18, 27	जन्मरत्न	:	मूंगा
उपरत्न	:	लाल अकीक	अंक	:	1, 3, 6
जड़ी	:	अनन्त मूल की जड़			

यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 15 मार्च से 14 अप्रैल, 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : आर्थिक प्रगति हेतु मित्रों से विचार-विमर्श, आशाएँ फलीभूत, मित्रों-परिजनों से विचार विमर्श, जीवन साथी से सानिध्य, बकाए धन की वसूली, विवाद का समापन.

वृषभ : पराक्रम में वृद्धि, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, उत्साह में वृद्धि, बुद्धि का विकास, खुशी भी.

मिथुन : आरोप प्रत्यारोप की स्थिति उपस्थित, किसी से विश्वासघात की आशंका, वाद-विवाद से कष्ट, जोखिम से हानि, धन की क्षति, स्वजनों से मनमुटाव, एकाग्रता भंग.

कर्क : सामयिक सिद्धि का प्रयास सार्थक, परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, कुछेक समस्याएं हल, मनोविनोद के सुअवसर प्राप्त, योजना को मूर्तरूप में परिणित.

सिंह : वाक्पटुता से संकल्प सिद्धि, परिवार में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, कार्य-व्यवसाय अर्थ पक्ष में उन्नति, संत समागम.

कन्या : स्वास्थ्य सुधार पर, किसी योजना की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील, आत्मसंयम से प्रगति का सिलसिला, दाम्पत्य जीवन सुखमय, मनो-विनोद के सुअवसर प्राप्त, लाभ भी.

तुला : पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति में व्यवधान, कार्य क्षमता में व्यतिक्रम, व्यवहार में लापरवाही नुकसानदायक, आय की तुलना में व्यय अधिक, विवाद से अशांति.

वृश्चिक : आर्थिक उन्नति का सुयोग, आशानुकूल घटनाएँ घटित, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, मित्रों-स्वजनों से अपेक्षित सहयोग, अध्यावसाय की ओर रुझान.

धनु : कार्य-व्यवसाय में विस्तार, आत्मसंयम से कार्य सिद्धि, परिश्रम के अनुरूप सफलता, रचनात्मक कार्यों में वृद्धि, पारिवारिक सम्बन्धों में सुधार, मान-प्रतिष्ठा.

मकर : वांछित प्रगति का प्रयास सार्थक, अपनी प्रतिभा का सदुपयोग, आमोद-प्रमोद के साधन उपलब्ध, परीक्षा प्रति-योगिता में महत्वपूर्ण सफलता, स्थान-परिवर्तन.

कुम्भ: उन्नति का मार्ग अवरुद्ध, राजकीय पक्ष से असहयोग, प्रेम सम्बन्धों में प्रतिकूलता, वाद-विवाद की आशंका, शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में, आलस्य की अधिकता.

मीन: वाक्पटुता से संकल्प सिद्धि, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, सामाजिक गतिविधियों में अभिरुचि, आहार-विहार में नवीनता, सोचे हुए कार्य पूर्णता की ओर.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

तमिलनाडु : हिंदू बहुसंख्यक राज्य में भी द्रविड़ राजनीति क्यों पड़ती है भारी?

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की राजनीति को अक्सर सरल समीकरण में समझने की कोशिश की जाती है- जहाँ हिंदू आबादी अधिक होगी, वहाँ भारतीय जनता पार्टी स्वतः मजबूत होगी. लेकिन तमिलनाडु इस धारणा को चुनौती देता है. तमिलनाडु में हिंदू आबादी लगभग 85 प्रतिशत से अधिक है. राज्य मंदिरों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, फिर भी भाजपा यहाँ अब तक वैसी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं कर पाई जो उसे उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में मिली. सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या तमिलनाडु की राजनीति धर्म से अलग किसी और आधार पर चलती है? या भाजपा राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को अब तक पूरी तरह समझ नहीं पाई? तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है. यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है. बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ. इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत ऊँच-नीच और उत्तर भारतीय प्रभुत्व का विरोध था. पेरियार ने तर्कवाद, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को राजनीति का केंद्र बनाया. बाद में इसी विचारधारा से डीएमके और एआईएडीएमके जैसी शक्तिशाली पार्टियाँ उभरीं. यही वह बिंदु है जहाँ तमिलनाडु की राजनीति बाकी भारत से अलग हो जाती है. उत्तर भारत में जहाँ धार्मिक पहचान अक्सर चुनावी राजनीति का बड़ा आधार बनती है, वहीं तमिलनाडु में तमिल पहचान अधिक महत्वपूर्ण रही. यहाँ भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय गर्व को राजनीति के केंद्र में रखा गया. लोगों के भीतर यह भावना गहरी रही कि दिल्ली की राजनीति तमिल समाज की विशिष्टता को पूरी तरह नहीं समझती. भाजपा को कई बार इसी कारण उत्तर भारतीय पार्टी के रूप में देखा गया. तमिलनाडु में हिंदी विरोध का इतिहास भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना. 1960 के दशक में जब हिंदी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की कोशिश हुई, तब तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए. लोगों को लगा कि उनकी भाषा और संस्कृति पर खतरा है. यही आंदोलन द्रविड़ दलों को मजबूत बनाने का कारण बना. आज भी तमिल पहचान और भाषा का मुद्दा यहाँ बेहद संवेदनशील है. भाजपा भले हिंदी थोपने से इनकार करे लेकिन उसके राष्ट्रीय विमर्श को कई लोग हिंदी और उत्तर भारतीय संस्कृति के प्रभाव से जोड़कर देखते हैं. यह कहना गलत होगा कि तमिलनाडु में हिंदू धर्म का प्रभाव नहीं है. राज्य में प्रसिद्ध मंदिरों की लंबी परंपरा है- मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि तमिल संस्कृति और गौरव का हिस्सा भी हैं. लेकिन तमिलनाडु में धार्मिक आस्था का अर्थ हमेशा राजनीतिक हिंदुत्व नहीं रहा. यहाँ लोग मंदिरों में गहरी श्रद्धा रखते हैं लेकिन वोट देते समय क्षेत्रीय हित, सामाजिक न्याय और स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं. भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह लंबे समय तक तमिलनाडु में मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं कर पाई. उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर भाजपा की क्षेत्रीय ताकत का चेहरा बने. लेकिन तमिलनाडु में दशकों तक पार्टी के पास ऐसा कोई जनाधार वाला नेता नहीं था जो आम तमिल मतदाता से भावनात्मक जुड़ाव बना सके. हाल के वर्षों में के. अन्नामलाई ने भाजपा को नई ऊर्जा दी है लेकिन अभी भी पार्टी का संगठन राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में उतना मजबूत नहीं जितना द्रविड़ दलों का है. तमिलनाडु की राजनीति में सामाजिक न्याय और आरक्षण का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है. द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों और गैर-ब्राह्मण समुदायों को राजनीतिक शक्ति दी. यही कारण है कि राज्य में सामाजिक न्याय की राजनीति बहुत गहराई से स्थापित हो चुकी है. भाजपा की छवि लंबे समय तक अलग रही है. हालांकि भाजपा ने अब पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश की है लेकिन तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की सामाजिक पकड़ अब भी ज्यादा मजबूत है. इसके अलावा तमिलनाडु में कल्याणकारी राजनीति का मॉडल भी दूसरे दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है. मुफ्त राशन, महिला सहायता योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य सेवाएँ और सब्सिडी जैसी योजनाओं ने द्रविड़ दलों को जनता से गहराई से जोड़े रखा. यहाँ मतदाता केवल वैचारिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुविधाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के आधार पर भी वोट करते हैं. भाजपा का राष्ट्रीय विकास मॉडल लोगों को आकर्षित करता है लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कल्याणकारी राजनीति की पकड़ बहुत मजबूत है. एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में राजनीति का भावनात्मक केंद्र क्षेत्रीय स्वाभिमान रहा है. यहाँ लोग खुद को पहले तमिल मानते हैं- हालाँकि इसका अर्थ अलगाववाद नहीं बल्कि सांस्कृतिक गर्व है. भाजपा का राष्ट्रवादी विमर्श कई बार इस क्षेत्रीय अस्मिता से टकराता दिखाई देता है. द्रविड़ दल इस भावना को लगातार मजबूत करते रहे हैं कि वे तमिल हितों के असली रक्षक हैं. यह भी सच है कि भाजपा पूरी तरह कमजोर नहीं है. पिछले कुछ वर्षों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ा है. शहरी क्षेत्रों, शिक्षित युवाओं और कुछ मध्यमवर्गीय समूहों में पार्टी ने अपनी उपस्थिति मजबूत की है. सोशल मीडिया और राष्ट्रवादी मुद्दों के माध्यम से भाजपा ने राज्य में नई राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की है. लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ना और सत्ता तक पहुँचना दोनों अलग बातें हैं. तमिलनाडु में द्रविड़ दलों का संगठनात्मक नेटवर्क, बूथ स्तर की पकड़ और दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति भाजपा के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है. इसके साथ ही गठबंधन की राजनीति भी एक महत्वपूर्ण कारण है. तमिलनाडु में चुनाव अक्सर बड़े गठबंधनों के आधार पर लड़े जाते हैं. द्रविड़ दलों ने समय-समय पर राष्ट्रीय पार्टियों को अपने साथ जोड़कर चुनावी समीकरण मजबूत किए. भाजपा कभी एआईएडीएमके के साथ रही लेकिन यह गठबंधन उसे व्यापक जनसमर्थन में तब्दील नहीं करा पाया. कई मतदाता भाजपा को सहयोगी पार्टी के रूप में स्वीकार करते हैं लेकिन मुख्य शक्ति के रूप में नहीं. तमिलनाडु की राजनीति यह भी दिखाती है कि भारत केवल धार्मिक पहचान से नहीं चलता. यहाँ भाषा, संस्कृति, जातीय संरचना, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय भावनाएँ मिलकर राजनीति को आकार देती हैं. यही कारण है कि हिंदू बहुसंख्यक होने के बावजूद राज्य में भाजपा को वैसी सफलता नहीं मिली जैसी उत्तर भारत के कई राज्यों में मिली. दरअसल, तमिलनाडु भारतीय लोकतंत्र का अलग अध्याय है. यहाँ मंदिर भी हैं, आस्था भी है, धार्मिक परंपराएँ भी हैं लेकिन राजनीति का केंद्र केवल धर्म नहीं है. यहाँ मतदाता अपनी क्षेत्रीय पहचान, सामाजिक अधिकारों और स्थानीय मुद्दों को भी उतनी ही गंभीरता से देखते हैं. भाजपा यदि तमिलनाडु में मजबूत होना चाहती है तो उसे केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर तमिल समाज की सांस्कृतिक संवेदनाओं, भाषा, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को गहराई से समझना होगा. ***(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)***

OmDayal Group: Building an Integrated Learning Ecosystem for India's Future

EDUCATION AT THE INTERSECTION OF VISION AND TRANSFORMATION

OmDayal group of institutions

Natasha Agarwal and Sagar Agarwal

OmDayal Group

DPS Durgapur

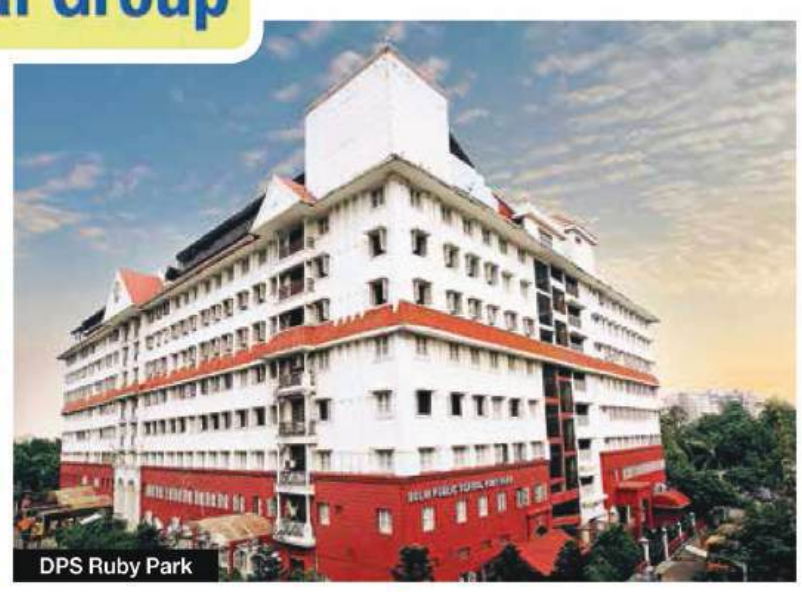
DPS Ruby Park

In an era where education is undergoing rapid transformation, institutions are no longer evaluated solely on academic outcomes but on their ability to create future-ready individuals. Against this evolving backdrop, the OmDayal Group has emerged as a pioneering force in Eastern India, building an integrated ecosystem that seamlessly connects school education, higher education, and competitive excellence.

Founded in 2002, the Group began with a clear and forward-looking vision: to create a technology-enabled educational ecosystem that prepares students not just for examinations, but for life in a dynamic, globalised world. Over two decades, this vision has translated into a multi-layered institutional framework that combines academic rigour, innovation, and real-world relevance.

Today, OmDayal Group stands as a testament to how education can evolve with changing societal needs—balancing tradition with modernity, discipline with creativity, and knowledge with application.

FROM VISION TO INSTITUTION: THE EARLY YEARS

The Group's journey began with a deep understanding that education must evolve alongside economic and technological change. This philosophy led to the establishment of Delhi Public School, Ruby Park, Kolkata, in 2003—an institution that quickly became a benchmark for CBSE education in Eastern India.

Designed to combine strong academic foundations with progressive pedagogical practices, DPS Ruby Park set new standards in teaching methodologies, co-curricular integration, and student development. It was not merely a school, but a model for what future-ready education could look like.

This early success laid the foundation for the Group's expansion into a broader educational continuum—one that would eventually span multiple cities and academic levels.

EXPANDING THE EDUCATION CONTINUUM

A defining characteristic of OmDayal Group is its belief that education must be continuous, cohesive, and aligned with long-term outcomes. This philosophy drove its expansion into higher education and beyond.

In 2010, the Group established OmDayal Group of Institutions in Uluberia—a NAAC-accredited undergraduate college offering engineering and architecture programmes approved by AICTE and COA, and affiliated with MAKAUT. This marked a significant step in bridging the gap between school education and professional readiness.

The expansion continued in 2011 with the launch of DPS Durgapur, extending high-quality CBSE education beyond metropolitan Kolkata. Built on a 2.5 lakh square foot campus, the school was designed as a modern learning environment that supports holistic development through infrastructure, pedagogy, and co-curricular engagement.

Further strengthening its ecosystem, the Group partnered in 2015 with Vidyamandir Classes Kolkata, bringing structured preparation for IIT-JEE and medical entrance examinations into its academic framework. This collaboration completed the Group's vision of an end-to-end education pathway—from foundational learning to competitive excellence.

Sagar Agarwal

ADAPTING TO A CHANGING INDIA

OmDayal Group's growth has closely mirrored India's broader economic and social transformation. Rising aspirations, demographic shifts, and increasing emphasis on skill-based education have shaped its institutional strategies.

Both DPS Ruby Park and DPS Durgapur have continuously evolved their teaching approaches to align with modern pedagogical expectations. Meanwhile, OmDayal Group of Institutions has intensified its focus on industry alignment, experiential learning, and employability—ensuring that graduates are equipped with both knowledge and practical skills.

Periods of disruption, particularly in recent years, accelerated digital adoption across the Group. Blended learning models, technology-enabled classrooms, and adaptive teaching strategies have become integral to its operations, reinforcing resilience and agility within the system.

AN INTEGRATED LEARNING ECOSYSTEM

What distinguishes OmDayal Group is not just the number of institutions it operates, but the interconnected ecosystem it has built.

This ecosystem is designed to nurture learners at every stage:

- School Education: Strong academic foundations combined with holistic development
- Higher Education: Industry-aligned programmes focused on employability
- Competitive Preparation: Structured pathways for IIT-JEE and medical entrance success
- Leadership Exposure: Platforms that encourage critical thinking, communication, and decision-making

The Group emphasises conceptual clarity, interdisciplinary learning, and real-world application—ensuring that students are not just academically competent, but also adaptable and innovative.

This integrated model reflects a deeper understanding of modern education: that success is not defined by isolated achievements, but by continuous growth across multiple dimensions.

PHILOSOPHY: BEYOND CLASSROOMS

OmDayal Group's philosophy extends beyond conventional academic frameworks. Its vision is to empower future generations with life skills through a technology-oriented educational ecosystem.

The mission focuses on:

- Integrating knowledge with technology
- Fostering innovation in teaching methodologies
- Building industry readiness
- Developing socially responsible leaders

Central to this philosophy is the belief that education must create value—not just for individuals, but for society as a whole.

By nurturing creativity, encouraging diversity of thought, and promoting value-driven education, the Group has created an environment where students are prepared to navigate complexity and contribute meaningfully to the world.

OPERATIONAL EXCELLENCE AND INSTITUTIONAL DISCIPLINE

One of the less visible but critical aspects of OmDayal Group's success is its emphasis on operational excellence.

From governance frameworks to academic delivery systems, the Group has implemented structured processes that ensure consistency and accountability. This enterprise-level approach to education management allows institutions to scale without compromising on quality.

It also aligns with broader trends in the education sector, where sustainability increasingly depends on strong systems, data-driven decision-making, and disciplined execution.

IMPACT: SHAPING FUTURE GENERATIONS

Over the years, OmDayal Group has impacted thousands of students across West Bengal and beyond. Its institutions have produced not only high academic achievers but also individuals who excel in diverse fields.

The focus on experiential learning, leadership exposure, and industry engagement ensures that students graduate with a well-rounded skill set—ready to take on challenges in higher education, professional careers, and entrepreneurship.

Equally important is the Group's role in expanding access to quality education beyond metropolitan centres, contributing to regional development and social mobility.

LOOKING AHEAD: THE ROAD TO 2026 AND BEYOND

As it looks toward the future, OmDayal Group is focused on consolidating its position as a trusted education leader with strong academic credibility and social impact.

Key priorities include:

- Deeper integration of technology in learning environments
- Continuous curriculum innovation
- Faculty development and training
- Strengthening industry-academia collaboration
- Enhancing student outcomes and employability

At the school level, DPS Ruby Park and DPS Durgapur will continue to refine holistic education models, while OmDayal Group of Institutions will expand its focus on research, innovation, and industry partnerships.

Sustainability and governance excellence will also play a central role in shaping the Group's next phase of growth.

CONCLUSION: EDUCATION AS A CATALYST FOR TRANSFORMATION

OmDayal Group's journey reflects a larger narrative—the transformation of education in India from a system of instruction to a platform for empowerment.

By building an integrated learning ecosystem, the Group has demonstrated that education can be both scalable and meaningful, structured yet flexible, traditional yet innovative.

Under the leadership of Sagar Agarwal and the broader leadership team, OmDayal Group is not just building institutions—it is shaping ecosystems, influencing leadership, and preparing the next generation to navigate an increasingly complex world.

In doing so, it reinforces a powerful idea: that the true measure of education lies not in what students learn, but in what they become.

For more details, contact:
OmDayal Group

SAGAR AGARWAL: LEADERSHIP THAT SHAPES ECOSYSTEMS

Building Institutions, Influencing Leaders, and Shaping India's Next Generation

In an era where education is being reimagined, Sagar Agarwal stands at the intersection of institution-building and influence, driving change not just within classrooms but across leadership ecosystems. As Managing Director of the OmDayal Group, he oversees a network of educational institutions across West Bengal, including Delhi Public School, Ruby Park, Kolkata, and Delhi Public School, Durgapur.

Under his leadership, these institutions have evolved into future-ready environments that blend academic excellence with experiential learning, leadership exposure, and real-world engagement—aligned with India's rapidly evolving education landscape.

Agarwal's leadership philosophy is rooted in enterprise-level precision. He believes that education, while deeply social in purpose, must be managed with strong systems, disciplined execution, and operational clarity to achieve scale and sustainability.

His early career exposure in the United States across sectors such as cybersecurity and renewable energy instilled a data-driven, performance-oriented mindset—one that he has successfully translated into the Indian education ecosystem.

Beyond institutional leadership, Agarwal has emerged as a key voice in broader leadership circles. As Joint Chair of the Young Leaders Forum (YLF) 2025 under the Indian Chamber of Commerce, he led high-impact initiatives including large-scale forums and the flagship "Big Pitch," facilitating investments exceeding ₹20 crore in a single evening.

He is also recognised for moderating conversations with influential figures across governance, business, sports, and media—demonstrating a rare ability to bridge diverse domains and curate meaningful dialogue.

At his core, Sagar Agarwal is building more than institutions—he is building ecosystems that foster ambition, collaboration, and forward-looking leadership.

NATASHA AGARWAL: STRENGTHENING CULTURE, CONTINUITY, AND INSTITUTIONAL EXCELLENCE

Alongside this strategic vision, Natasha Agarwal plays a pivotal role in shaping the internal strength and cultural foundation of the OmDayal Group.

Her contribution lies in areas that are critical yet often understated—institutional culture, stakeholder engagement, and operational cohesion. Through her work, she ensures that the Group's rapid growth is supported by consistency in values, clarity in communication, and alignment across institutions.

Natasha Agarwal has been instrumental in fostering a student-centric environment that balances academic excellence with emotional well-being and holistic development. Her approach reflects a deep understanding that education is not just about performance metrics, but about nurturing confident, resilient, and value-driven individuals.

Working across the Group's diverse institutions, she has helped create a cohesive ecosystem where educators, students, and parents operate within a shared framework of trust and collaboration. This has strengthened both academic delivery and community engagement.

A strong advocate of structured processes with a human touch, she brings together efficiency and empathy—ensuring that systems are robust while remaining responsive to individual needs. Her involvement in academic culture, student initiatives, and internal coordination has significantly contributed to the Group's reputation for stability and quality.

She also emphasises inclusivity and adaptability, ensuring that institutions remain aligned with evolving educational needs while staying rooted in their core philosophy.

Together, the leadership of Sagar Agarwal and Natasha Agarwal reflects a balanced and forward-looking approach—where strategy is complemented by culture, and growth is sustained through people-centric values.

Assembly

IPAD Lab

Science Lab

Library

चंद्रनाथ के हत्यारों के राज्य से भागने की आशंका, बंगाल के सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाई गई

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या में पड़ोसी राज्यों के पेशेवर शूटर की संलिप्तता का संदेह होने के मद्देनजर पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों के पुलिस थानों ने निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा कि पुलिस उन स्थानीय अपराधियों की भूमिका की भी जांच कर रही है जिन्होंने हमलावरों को संभवत: साजो-सामान और अन्य सहायता उपलब्ध कराई. उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारियों द्वारा अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या किए जाने के 36 घंटे से अधिक समय बाद भी पुलिस अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है.

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विस्तृत जांच जारी है. जिस तरीके से हमला किया गया, उससे व्यापक 'रेकी' किए जाने और राज्य के बाहर से भाड़े के पेशेवर शूटर की संभावित संलिप्तता का संकेत मिलता है. उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों के सभी थानों को सतर्क कर दिया गया है. एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कई स्थानों पर जांच की जा रही है और जेसोर रोड के आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज को बारीकी से खंगाला जा रहा है.

जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार, बंदूकधारियों ने हमला करने से पहले रथ के वाहन का कथित तौर पर पीछा किया था. अधिकारी ने कहा, बंदूकधारियों के भागने के रास्ते से संकेत मिलता है कि वे इलाके से परिचित थे या स्थानीय अपराधियों ने उनकी मदद की होगी. स्थानीय सहायता के बिना गलियों से इतनी जल्दी भागना मुश्किल होता. हालांकि, पुलिस अभी तक हत्या का मकसद पता नहीं लगा पाई है.

पुलिस और खुफिया विभाग के अधिकारियों ने कोलकाता के पास मध्यमग्राम और उसके आसपास व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है. बुधवार रात हत्या के बाद से इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है.एक अन्य अधिकारी ने कहा, अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल 2012 में आसनसोल के बर्नपुर निवासी एक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत थी. हालांकि, पुलिस ने पाया कि वाहन पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान दिए गए पते पर फिलहाल उस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता.

तृणमूल का पार्टी कार्यालय लौटाकर भाजपा जिलाध्यक्ष ने दिया शांति का संदेश

कोलकाताः राजनीतिक तनाव के माहौल के बीच उत्तर 24 परगना जिलान्तर्गत बारासात नगर पालिका के 16 नंबर वार्ड स्थित विधान मार्केट इलाके में तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद में शुक्रवार को नया मोड़ आ गया. भाजपा नेतृत्व ने तृणमूल कांग्रेस की पार्षद नीलिमा मंडल को पार्टी कार्यालय वापस सौंप दिया. सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बारासात भाजपा के जिलाध्यक्ष स्वयं मौके पर पहुंचे और पार्टी कार्यालय तृणमूल के प्रतिनिधियों को वापस सौंप दिया. इस दौरान उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि बारासात शहर में किसी भी तृणमूल पार्टी कार्यालय पर जबरन कब्जा नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक माहौल बनाए रखने के पक्ष में है.भाजपा जिलाध्यक्ष ने ऐसे मामलों में शामिल कार्यकर्ताओं और समर्थकों को चेतावनी भी दी. स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इस कदम के बाद इलाके में राजनीतिक तनाव कुछ हद तक कम हुआ है. चुनाव परिणाम आने के बाद कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर तृणमूल के पार्टी कार्यालय पर कब्जा कर वहां भाजपा के झंडे और फेस्टून लगा दिए थे. इस घटना को लेकर इलाके में राजनीतिक तनाव और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था.

बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन के बीच यादवपुर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक स्थगित

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन के बीच जहां नौ मई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का शपथ ग्रहण होना है, वहीं यादवपुर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शुक्रवार को होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक स्थगित कर दी है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि बैठक में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और 50 लाख रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी सहित शैक्षणिक मामलों पर चर्चा होने की उम्मीद थी. विश्वविद्यालय के अधिकारी के अनुसार, राज्यपाल के कार्यालय ने छह मई को कुलपति चिरंजीब भट्टाचार्य से संपर्क किया और उन्हें सलाह दी कि ऐसे समय में बैठक नहीं की जाए जब पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार शपथ ग्रहण करने वाली हो. राज्यपाल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं.कुलपति ने एक नोटिस जारी कर कहा कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण कार्यकारी परिषद की बैठक स्थगित कर दी गई है. भट्टाचार्य ने कहा, हमने इस परिवर्तन की अवधि में बैठक न करने का निर्णय लिया है.

यादवपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जूटा) के सदस्यों ने बैठक स्थगित किए जाने की आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि राज्य में राजनीतिक परिवर्तन के कारण शैक्षणिक मामलों को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई. जूटा के महासचिव और कार्यकारी परिषद के सदस्य पार्थप्रतिम रॉय ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्वविद्यालय की सर्वोच्च निर्णायक इकाई की बैठक नहीं हो सकी.

तृणमूल ने पांच प्रवक्ताओं को भेजा शोकॉज नोटिस

कोलकाताः विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों और सार्वजनिक रूप से अनुशासनहीन टिप्पणी करने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस ने अपने पांच प्रवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, जिन नेताओं को नोटिस भेजा गया है उनमें ऋजु दत्ता, कृष्णेंदु चौधरी, कोहिनूर मजूमदार, पापिया घोष और कार्तिक घोष शामिल हैं. इन सभी को 24 घंटे के भीतर लिखित जवाब देने को कहा गया है. तृणमूल की अनुशासन समिति द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि इन नेताओं के हालिया बयान पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले हैं और पार्टी अनुशासन के विपरीत हैं. साथ ही यह भी कहा गया है कि ऐसे बयान संगठन की एकता और कार्यप्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पार्टी संविधान के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. साथ ही जांच प्रक्रिया पूरी होने तक संबंधित नेताओं को इस मुद्दे पर सार्वजनिक टिप्पणी से भी दूर रहने का निर्देश दिया गया है. राजनीतिक हलकों में इस कदम को चुनावी हार के बाद पार्टी के भीतर बढ़ती असंतोष की स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है. इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है.

शुभेंदु के सहयोगी पर हमले के दौरान घायल ड्राइवर के परिवार ने दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की

कोलकाताः भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ पर हमले के दौरान घायल हुए ड्राइवर बुद्धदेव बेरा के परिवार ने दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है और नयी सरकार से आग्रह किया है कि पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों. रथ की बुधवार रात कोलकाता के समीप मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे राज्य में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया. हमले के समय वाहन चला रहे बेरा को भी गोली लगी और उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी टेलीविजन से मिली, जिसके बाद वे तुरंत कोलकाता के लिए रवाना हो गए.

बुद्धदेव के चाचा बिस्वजीत बेरा ने कहा, हमें टीवी पर आयी खबरों से पता चला कि मेरे भतीजे को गोली मार दी गई है. अभी तक हमें यह नहीं पता कि हमला किसने किया और क्यों किया. उन्होंने कहा, हमारी अब केवल यही इच्छा है कि वह स्वस्थ होकर सुरक्षित घर लौट आए. बुद्धदेव (25) पूर्व मेदिनीपुर जिले में चांदीपुर पुलिस थाना क्षेत्र के मजनाबेरिया गांव का रहने वाला है. परिजनों के अनुसार, वह काम के सिलसिले में अधिकतर समय कोलकाता में रहता है और सप्ताहांत पर कभी-कभार घर आता है. घटना के बाद उनके माता-पिता के अलावा छोटा भाई और कई रिश्तेदार भी कोलकाता पहुंच गए हैं.दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए उनके चाचा ने कहा, ''हम चाहते हैं कि सरकार इस मामले की सही जांच करे और अपराध में सीधे तौर पर शामिल लोगों की पहचान करे. उन्हें ऐसी कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि पश्चिम बंगाल में दोबारा ऐसी घटनाएं न हों और किसी अन्य परिवार को इस दुख से न गुजरना पड़े. उनकी एक पड़ोसी रंजना घोराई ने भी हमले के जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देने की मांग की. उन्होंने कहा, हमारे मोहल्ले में हम उसे सोना कहकर बुलाते हैं. हम चाहते हैं कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों को मिसाल कायम करने वाली सजा मिले.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

विधायक दल का नेता चुने...

अमित शाह जी के नेतृत्व में हम डर खत्म करेंगे. नितिन नवीन की अगुआई में इस चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिली है. सिर्फ पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ता ही नहीं, पूरे देश में जिस तरह हम लोगों के विचारों का समर्थन करने वाले लोगों ने अपना समर्थन दिया, मैं उन सभी लोगों को प्रणाम करता हूं. उन्होंने कहा कि मां-बहनों को सुरक्षित करना है. राष्ट्रवाद को मजबूत करना है. भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता और इस पश्चिम बंगाल की भूमि को हम लोगों सोनार बांग्ला के बदलना होगा. जो दायित्व आप लोगों ने दिया है उसे निभाना है. मैं नहीं, हम सब मिलकर ऐसा करेंगे. संगठन सर्वोपरि है.

शुभेंदु ने कहा हमारे नेता नरेंद्र मोदी जी ने जो गारंटी दी है, उसे पूरा करने का काम भाजपा की सरकार करेगी. मैं नहीं, भाजपा की सरकार ये काम मिलकर करेगी. भाजपा की सरकार बात कम, काम ज्यादा करेगी. संदेशखाली से लेकर आरजीकर में महिलाओं पर जो अत्याचार हुआ, उसे लेकर कमिशन का गठन किया जाएगा. जो लोग इसके दोषी हैं, उन्हें दंड देने का काम किया जाएगा. जो लोग इसके दोषी हैं, उन्हें दंड देने का काम किया जाएगा. उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने चार्जशीट जारी करते हुए कहा था कि पश्चिम बंगाल के अंदर इंस्टीट्यूशनल करप्शन जिन्होंने किया है, उनके खिलाफ सेवानिवृत जज की अगुआई में समिति गठित की जाएगी. इतना ही नहीं जिन्होंने अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है उनके खिलाफ भी हम कार्रवाई करेंगे.

321 भाजपा कार्यकर्ताओं का भी किया स्मरण

शुभेंदु ने इस दौरान उन कार्यकर्ताओं का भी जिक्र किया जिनकी हत्या कर दी गई थी. उन्होंने कहा, मैं इस उपलक्ष्य पर उन 321 भाजपा कार्यकर्ताओं का भी स्मरण करता हूं जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया. इतना ही नहीं भाजपा के हजारों कार्यकर्ता जिन्हें उत्पीड़न झेलना पड़ा या राजीनितक कारणों से घर छोड़ना पड़ा, उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले दिनों में हमारी सरकार आपके सपनों को पूरा करने का काम करेगी. उन्होंने आगे कहा मैं साथ ही श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी प्रणाम करता हूं और उनका स्मरण करता हूं. मैं उन लोगों का भी स्मरण करता हूं जिन्होंने बंगाल में भाजपा को यहां तक पहुंचाने में अपने जीवन त्याग दिए. उन्होंने कहा मैं विष्णुकांत शास्त्री, सुकुमार बनर्जी, असीम घोष, दिलीप घोष, राहुल सिन्हा, तथागत राय, सुकांत मजूमदार और प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य दादा के योगदान की भी सराहना करता हूं.

शुभेंदु अधिकारी ने कहा मैं विशेष रूप से विश्व के सर्वश्रेष्ठ नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अलीपुरद्वार में पहली रैली के दौरान पश्चिम बंगाल के लोगों को भरोसा दिलाया. उन्होंने दमदम में पश्चिम बंगाल के लोगों के हित की गारंटी दी थी. उन्होंने ब्रिगेड मैदान में रैली के दौरान पश्चिम बंगाल में 'भय आउट और भरोसा इन' का नारा दिया और उन्हें देखकर ही लोगों ने भाजपा को वोट दिया. मैं मोदी जी को अपनी ओर से कोटि-कोटि प्रणाम करता हूं.शुभेंदु ने सुनील बंसल की तारीफ में कहा मैं सुनील बंसल, भूपेंद्र यादव व मंगल पांडेय का भी धन्यवाद किया.

सोनार बांग्ला का सपना...

देश की जनता राहुल गांधी के नेता बनने के बाद शनैः-शनैः हर जगह कांग्रेस के खिलाफ बहुमत दे रही है. राहुल गांधी के नेतृत्व में ही इंडी गठबंधन के फिर से टूटने की शुरुआत हो चुकी है.'' अमित शाह ने इस दौरान शुभेंदु अधिकारी की तारीफ भी की. उन्होंने कहा कि भवानीपुर की जनता का मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं. शुभेंदु दा ने गत चुनाव में दीदी को नंदीग्राम में हराया था. मैंने दीदी का एक इंटरव्यू देखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं उनके गढ़ में लड़ने चली गई. दीदी, इस बार शुभेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर बड़ा अभियान छेड़ दिया है. पिछले महज दो दिनों के भीतर राज्य के अलग-अलग जिलों में 35 पुलिस मुठभेड़ हुई हैं. इस ताबड़तोड़ कार्रवाई में 3 इनामी बदमाश ढेर हो गए हैं, जबकि 36 घायल हुए हैं. पुलिस ने कुल 60 से ज्यादा संदिग्धों को गिरफ्तार किया है.

डीजीपी राजीव कृष्ण ने साफ कर दिया है कि यह कार्रवाई राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का हिस्सा है और संगठित अपराध के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा. अपराधियों के खिलाफ यह सघन अभियान ऐसे समय में चलाया गया है, जब राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने अपनी 'क्राइम इन इंडिया 2024' रिपोर्ट जारी की है. इस रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में अपराध दर प्रति एक लाख आबादी पर 180.2 दर्ज की गई है, जो कि राष्ट्रीय औसत 252.3 से कम है.

www.thejunctiongroup.com
Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —
Customised Workplace Solutions
1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.
Flexible Options
• Private Cabins
• Enterprise Solutions
• Meeting Rooms
• Dedicated & Coworking
FOR MORE DETAILS, CONTACT US!
98744 14000/5, 98745 28385
itsupport@thejunctiongroup.com

नयी सरकार को हार्दिक शुभकामनाएं
अब सत्त में बनेगा सोनार बांग्ला
भय नहीं अब भरोसे की सरकार
नये सीएम को हार्दिक बधाई
तुष्टीकरण की राजनीति का अंत
सबका साथ, सबका विकास करने वाली सरकार को बधाई।
आइए, राष्ट्र प्रथम के मंत्र का अनुगमन करें
ऐतिहासिक भाजपा सरकार को हार्दिक बधाई
कविगुरु जयंती पर गठित नयी सरकार का स्वागत
पुनर्स्थापित हो बंगाल का गौरव
आतंक नहीं, सद्भावना का मंत्र
नयी सरकार को हार्दिक शुभकामनाएं
लूट और लाठीतंत्र से मुक्त हो बंगाल
नयी सरकार का हार्दिक स्वागत
रमेश पारस बसन्त पटावरी

UTKARSH®
Life demands. We deliver.

बंगाल के सपनों का
नया
UTKARSH

बंगाल के निर्माण को
शुभकामनाएँ

हर निर्माण के लिए सम्पूर्ण समाधान

पीवीसी पाइप्स एवं फिटिंग्स

स्टील ट्यूब्स एवं पाइप्स

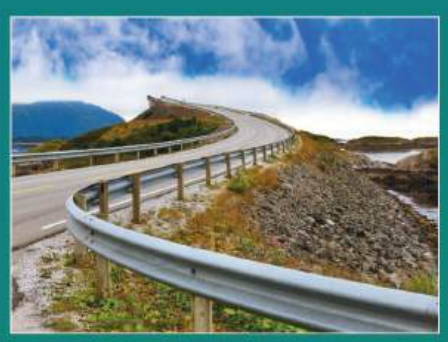
क्रैश बैरियर

हाई मास्ट लाइटिंग सिस्टम्स

स्टील ट्यूब्युलर पोल्स

रेलवे विद्युतीकरण संरचनाएँ

ट्रांसमिशन टावर्स

प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग्स

वॉटर टैंक्स

सोलर माउंटिंग स्ट्रक्चर्स

Arrjavv Square, 95A, Elliot Road, 4th Floor, Kolkata - 700 016, India | **Website: www.utkarshindia.in** | **Call For Enquiry: 033 4190 0001**

ब्रिगेड परेड ग्राउंड में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां पूरी

कोलकाताः कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं. शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता देवजीत सरकार समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया. वहीं सुबह से ही राज्य पुलिस और कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मैदान में पहुंचे और सुरक्षा व व्यवस्थाओं की समीक्षा की. जानकारी के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह नौ मई को सुबह 10 बजे शुरू होगा. इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे. भव्य समारोह को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं. लगभग 900 एकड़ में फैले ब्रिगेड परेड ग्राउंड को सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए 30 अलग-अलग सेक्टरों में बांटा गया है. प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी डीसीपी या असिस्टेंट कमिश्नर स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है. करीब चार हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र बलों की अतिरिक्त कंपनियां भी मोर्चा संभालेंगी. कार्यक्रम में लाखों लोगों की संभावित भीड़ और वीवीआईपी सुरक्षा को देखते हुए हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था की गई है. सभी प्रवेश द्वारों पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाए जाएंगे. हैंडहेल्ड स्कैनर जांच और शारीरिक तलाशी के बाद किसी को भी मैदान में प्रवेश की अनुमति होगी. पूरे कार्यक्रम स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए की जाएगी. आसपास की ऊंची इमारतों पर पुलिस बल और स्नाइपर भी तैनात रहेंगे. मैदान के आसपास कई मार्गों पर विशेष यातायात व्यवस्था किया जाएगा और कुछ रास्तों को डायवर्ट किया जाएगा. लालबाजार मुख्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद वीवीआईपी मूवमेंट के लिए अलग ग्रीन कॉरिडोर और आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष निकासी योजना भी तैयार की गई है. शपथ ग्रहण समारोह की तारीख का सांस्कृतिक महत्व भी खास माना जा रहा है. बंगाली पंचांग के अनुसार यह दिन वैशाख की 25 तारीख यानी रवींद्र जयंती का दिन है. इस अवसर पर पूरे राज्य में रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई जाती है और विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. भाजपा इस समारोह को बंगाल की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की कोशिश कर रही है.

नई सरकार की पहली मंत्रिमंडल बैठक के लिए बंगाल विधानसभा भवन में तैयारियां तेज

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में शनिवार को नयी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बाद मंत्रिमंडल की संभावित बैठक के लिए विधानसभा भवन में तैयारियां तेजी से चल रही हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि किसी भी आधिकारिक सूचना के अभाव में, विधानसभा सचिवालय इस संभावना को देखते हुए तैयारी कर रहा है कि शपथ ग्रहण के बाद नए मंत्रिमंडल के सदस्य वहां आ सकते हैं और नए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में अपनी पहली बैठक कर सकते हैं. 'राइटर्स बिल्डिंग' का नवीनीकरण और मरम्मत कार्य किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और कई महत्वपूर्ण विभाग होंगे. वर्ष 2013 में ममता बनर्जी द्वारा सचिवालय को 'नबान्न' स्थानांतरित करने के बाद इस भवन ने राज्य सचिवालय के रूप में कार्य करना बंद कर दिया था. जब उनसे पूछा गया कि क्या 'राइटर्स बिल्डिंग' में जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय अस्थायी रूप से विधानसभा भवन से कार्य करेगा, तो अधिकारी ने कहा, हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है. मुझे लगता है कि अंतिम निर्णय कल सुबह तक भाजपा नेतृत्व द्वारा घोषित कर दिया जाएगा. इस बीच, विधानसभा में सभी मंत्रियों के कमरों के बाहर लगी नामपट्टियों को हटा दिया गया और सफाई व रखरखाव कार्य तेज कर दिया गया. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा, ''हमने 2021 में कहा था कि हमारी सरकार सत्ता में आते ही हम 'राइटर्स बिल्डिंग' से सरकार चलाएंगे. नयी सरकार के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद क्या होगा, इसकी आधिकारिक घोषणा उचित समय पर की जाएगी.''

ममता बनर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल से 'मुख्यमंत्री' शब्द हटाने को तैयार नहीं, चर्चा तेज

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई हैं. इस समय वह मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अब भी उनकी पहचान मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज है. इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है. विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्यपाल के निर्देश और विधानसभा भंग होने के बाद भी ममता बनर्जी का सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पद का उल्लेख बनाए रखना संवैधानिक मर्यादाओं पर सवाल खड़ा करता है. इसे लेकर विभिन्न राजनीतिक वर्गों में चर्चा तेज हो गई है. ममता बनर्जी पहले ही चुनाव परिणामों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं. उन्होंने कहा था कि यह जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश का परिणाम है और वह चुनाव नहीं हारी हैं. इसी कारण उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से भी इनकार किया था. हालांकि संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्यकाल समाप्त होने के बाद गुरुवार को राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश जारी किया. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में ममता बनर्जी के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर मुख्यमंत्री शब्द बने रहना केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी माना जा सकता है. हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. गौरतलब है कि, वर्ष 2011 में ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के वाम शासन को समाप्त कर पश्चिम बंगाल की सत्ता संभाली थी. उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए बिना किसी विवाद के राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था. बाद में उन्होंने सार्वजनिक रूप से माना था कि जनता ने मतदान के जरिए अपना फैसला सुना दिया है. अब 2026 में एक बार फिर पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन की चर्चा तेज है और राज्य की राजनीति नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है. आने वाले दिनों में राजनीतिक घटनाक्रम किस दिशा में जाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं.

पश्चिम बंगाल माध्यमिक परीक्षा परिणाम घोषित

99.71 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तर दिनाजपुर के छात्र अभिरूप भद्र बने टॉपर

कोलकाताः पश्चिम बंगाल माध्यमिक परीक्षा 2026 का परिणाम शुक्रवार को पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा जारी कर दिया गया. इस वर्ष छात्रों की सफलता का प्रतिशत 86.83 फीसदी दर्ज किया गया है. इस वर्ष उत्तर दिनाजपुर जिले के छात्र अभिरूप भद्र ने 700 में 698 अंक हासिल कर पूरे राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया. उन्होंने 99.71 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य में टॉप किया. माध्यमिक परीक्षा की मेरिट सूची में इस बार कुल 131 छात्र-छात्राओं ने टॉप 10 में जगह बनाई है. राज्य के टॉप रैंकर्स में अभिरूप भद्र 698 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे. अरित्र दास ने 697 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया. सौम्य पाल 696 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे. इशानी चक्रवर्ती को 695 अंक मिले, जबकि सुप्रतिक मन्ना ने 694 अंक हासिल किए. मोहम्मद सलीम को 693 अंक प्राप्त हुए. अन्वेषा सेन ने 692 अंक हासिल किए. ऋत्विक घोष 691 अंक के साथ आगे रहे, जबकि शुभदीप कर ने 690 अंक प्राप्त किए. वहीं आसनसोल के रामकृष्ण मिशन स्कूल आसनसोल के छात्र अभिषेक दास ने 688 अंक हासिल कर राज्य की टॉप टेन सूची में संयुक्त रूप से दसवां स्थान प्राप्त किया. अभिषेक दास ने गणित, लाइफ साइंस और बंगाली विषय में 100 में 100 अंक हासिल किए हैं. वहीं फिजिकल साइंस और भूगोल में 99-99, इतिहास में 98 तथा अंग्रेजी में 92 अंक प्राप्त हुए. उनकी इस उपलब्धि के बाद स्कूल परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला. शिक्षकों और सहपाठियों ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी. रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र आधिकारिक वेबसाइट माध्यमिक शिक्षा परिषद के ऑफिसियल वेबसाइट तथा रिजल्ट पोर्टल पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं. बोर्ड की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार नियमित, कंटिन्यूइंग और कंपार्टमेंट श्रेणी मिलाकर कुल 9,59,753 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी. परीक्षा राज्यभर के 2600 से अधिक केंद्रों पर आयोजित की गई थी.

तृणमूल के पूर्व विधायक राज चक्रवर्ती ने की राजनीति से सन्यास की घोषणा

कोलकाताः विधानसभा चुनाव में उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर सीट से हारने के बाद तृणमूल के पूर्व विधायक एवं फ़िल्म निर्माता राज चक्रवर्ती ने राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा की है. गुरुवार रात उन्होंने इस बारे में सोशल मीडिया पर तीन अलग-अलग पोस्ट किया है. फ़िल्म निर्माता से नेता बने राज चक्रवर्ती ने पहले पोस्ट में लिखा, ज़िंदगी में जब भी मुझे कोई ज़िम्मेदारी मिली है, मैंने उसे पूरी ईमानदारी और लगन से निभाने की कोशिश की है. एक फ़िल्म निर्माता के तौर पर, मैंने हमेशा अपनी फ़िल्मों के ज़रिए लोगों का मनोरंजन करने की कोशिश की है. अपने दूसरे पोस्ट में उन्होंने कहा कि 2021 में, मैंने राजनीति में आने की और विधायक के तौर पर लोगों की सेवा करने का मौका मिला. पिछले पांच सालों से, मैंने उसी रोल में अपनी ड्यूटी पूरी करने की कोशिश की है. 2026 में, वह चैप्टर खत्म हो जाएगा और उसके साथ, मेरा राजनीति सफर भी खत्म हो जाएगा. तीसरे पोस्ट में, उन्होंने उम्मीद जताते हुए लिखा कि भाजपा सरकार के तहत पश्चिम बंगाल विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा. बंगाल के लोगों ने अपना फैसला दे दिया है और नौ मई को एक नई सरकार शपथ लेगी. मुझे उम्मीद है कि राज्य विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा. वह विधानसभा चुनाव में बैरकपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर भाजपा के कौस्तब बागची से हार गए थे. उस दिन काउंटिंग सेंटर से निकलते समय उन्हें जनता के गुस्से का सामना करना पड़ा था. उन पर कीचड़ भी फेंका गया था.

दृष्टिहीन शिक्षकों को शो-कॉज नोटिस पर हाई कोर्ट ने की चुनाव आयोग की आलोचना

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान चुनावी ड्यूटी में शामिल नहीं होने पर दृष्टिहीन शिक्षकों को निर्वाचन आयोग ने शो-कॉज नोटिस जारी किया है. इस मामले पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है. मुख्य न्यायाधीश सुझॉय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन पीठ ने चुनाव आयोग से इस मामले को मानवीय दृष्टिकोण से विचार करने को कहा है. शुक्रवार को 'ऑल बंगाल ब्लाइंड टीचर्स एसोसिएशन' की ओर से उच्च न्यायालय में बताया गया कि चुनावी नियमों के अनुसार दृष्टिहीन शिक्षक कभी भी प्रिसाइडिंग ऑफिसर की जिम्मेदारी नहीं निभा सकते. इसके बावजूद हाल में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उन्हें चुनावी ड्यूटी में लगाया गया. ड्यूटी जॉइन नहीं करने पर चुनाव आयोग ने उन्हें शो-कॉज नोटिस जारी किया. इस पर न्यायालय ने निर्देश दिया कि एसोसिएशन चुनाव आयोग के समक्ष विस्तृत आवेदन प्रस्तुत करे. आवेदन मिलने के 90 दिनों के भीतर आयोग को इस मामले में निर्णय लेना होगा और एसोसिएशन को इसकी जानकारी देनी होगी. उच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आयोग के फैसले से शिक्षक संतुष्ट नहीं होते हैं, तो वे दोबारा न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं. पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में करीब दो हजार दृष्टिहीन शिक्षकों को पोलिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया था. ड्यूटी में शामिल नहीं होने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की गई थी. इसी के खिलाफ शिक्षकों ने अदालत का रुख किया. उल्लेखनीय है कि, इससे पहले कॉलेज के प्रोफेसरों को प्रिसाइडिंग ऑफिसर बनाए जाने के मामले में भी कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की आलोचना की थी. हालांकि, बाद में डिवीजन बेंच ने उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसके बाद प्रोफेसरों को चुनावी ड्यूटी निभाने का निर्देश दिया गया था. राज्य में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 व 29 अप्रैल को और मतगणना चार मई को हुई थी. चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद भी दृष्टिहीन शिक्षकों के खिलाफ आयोग का रुख नहीं बदलने पर शिक्षकों ने एक बार फिर उच्च न्यायालय की शरण ली.

संघ के प्रति समर्पित चन्द्रशेखर बासोतिया

कोलकाता: वर्ष 1994 से मैं चन्द्रशेखर बासोतिया संघ से बीजेपी में एक पन्ना प्रमुख बनकर आया और उसके बाद से कभी पीछे मुड़कर नही देखा.पहले वामपंथियों का शासन देखा,उनसे लड़ाई हुई, फिर तृणमूल से लेकर अब तक कई चुनाव लड़वाया और पार्टी की शाख़ को बनाये रखा. इस बीच कई समर्पित और निष्ठावान सहयोगी को खोया भी,पर जब लक्ष्य बड़ा हो तो त्याग देना ही पड़ता है यही वजह है कि संघ की राष्ट्रवादी विचारो से ओतप्रोत रहने की चलते अविवाहित रहा ताकि राष्ट्र और पार्टी को पूर्ण समय दे सकूं.खैर आज बहुत प्रसन्न हैं कि हमलोग बंगाल मैं सनातन की सरकार बना रहे हैं और दुख भी की ऐसे समय जिन्होंने सब कुछ समर्पित किया वो आज नहीं हैं. किसी एक का उल्लेख करके दूसरे की समर्पण को कम नहीं कर सकता फिर ये सब आदरणीय मोदी जी अमित शाह जी और एक कुशल संघटक श्री समिक जी के चलते हुआ. धन्यवाद आदरणीय सुनील बंसल जी को भी. आज बंगाल में भाजपा की जीत हुई है लेकिन इस जीत को अंजाम देने में लाखों कार्यकर्ताओं ने निस्वार्थ भाव से निरंतर एक विचार धारा में काम किया उनमें से मैं भी एक हूं.

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नतीजे के बाद कामगारों पर हमले को लेकर प्रदर्शन करेगा वाममोर्चा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में हाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा की निर्णायक जीत के बाद विजयोत्सव की आड़ में कई जिलों में कामगारों पर कथित हमलों के विरोध में वाम मोर्चा शुक्रवार शाम को यहां एक विरोध रैली निकालेगा. वाममोर्चा के एक पदाधिकारी ने बताया कि मोर्चा के घटक दल यहां मध्य जिले के एस्प्लेनेड क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करेंगे. उन्होंने कहा, यह रैली बंगाल भर में विजयोत्सव के नाम पर श्रमिक वर्गों पर हुए हमलों के विरोध में आयोजित होगी.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे
निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-03-26, दिनांक 06.05.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-03-26 के प्रतिपक्ष ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: कार्य का नाम एवं स्थान : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के अधीन आरपीएच में डाउन मेन लाइन के पास पिट लाइन एवं पैसेंजर स्टैबलिंग लाइन का डाउन लूप-1 एवं डाउन लूप-2 में रूपांतरण के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य । कार्य की अनुमानित लागत : रु. 2,13,71,155.50, बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है: रु. 4,27,400/-, निविदा प्रपत्र की लागत : शून्य। कार्य समाप्ति की अवधि : एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। निविदा समापन तिथि और समय: दिनांक 29.05.2026 को 15.00 बजे। निविदा का खुलना: निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/ वर्णन/ विनिर्देश के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।
HWH-54/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

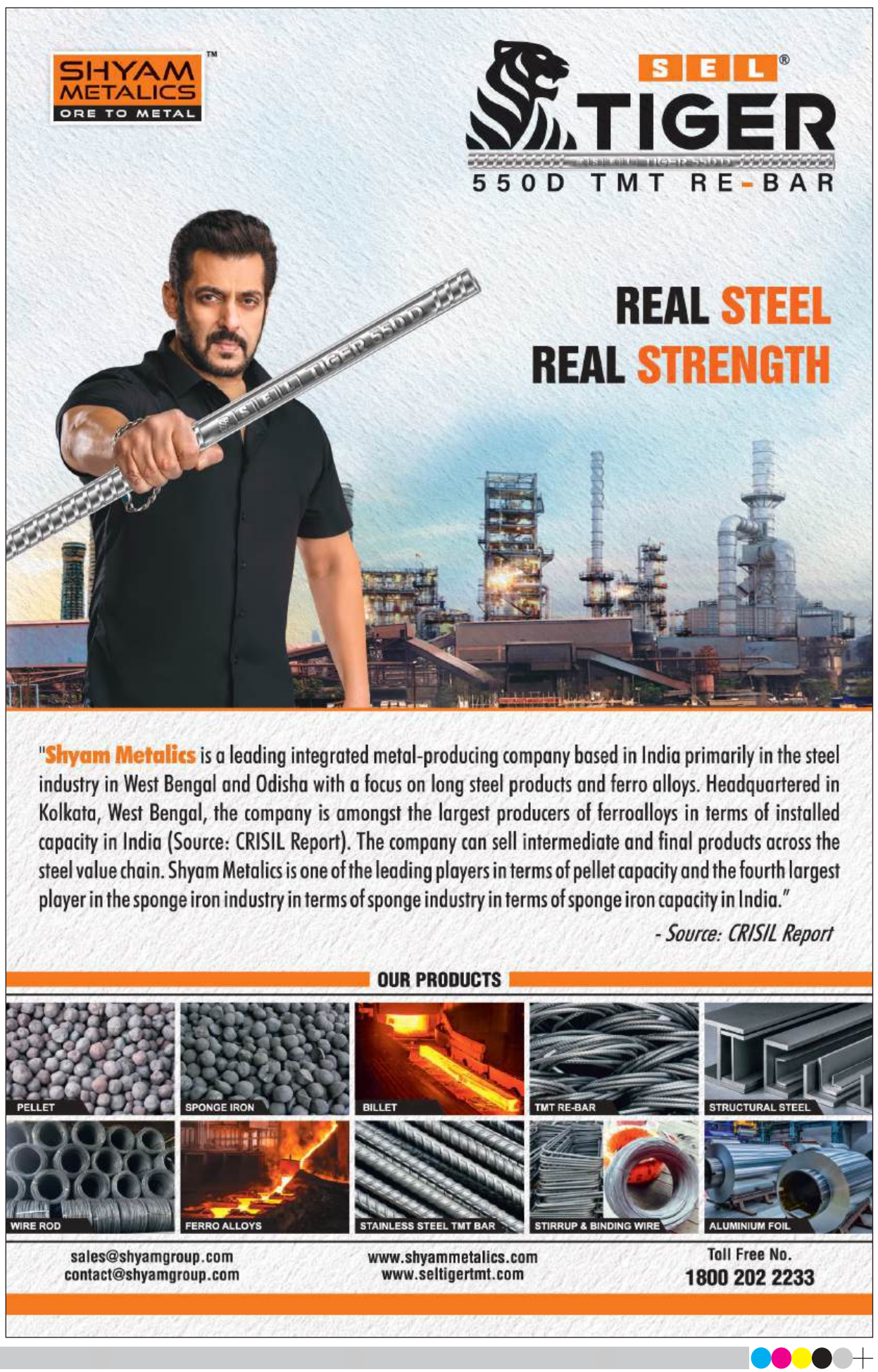

बंगाल अब देश में टॉप विकसित राज्यों में शामिल होगा : धर्मेंद्र जैन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर लगातार उद्योगपतियों व बिजनेस से जुड़े प्रमुख लोगों की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और चौतरफा उल्लास व उम्मीद का माहौल है. इसी कड़ी में जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) के अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन ने कहा कि पिछले 50 सालों में यह पहली बार होगा कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होगी और वह भी पूर्ण बहुमत के साथ. किसी राज्य के विकास के लिए चार चीजों पर ध्यान देना जरूरी होता है. वे हैं बुनियादी सुविधाएं, पर्यटन, कानून व व्यवस्था व उद्योग. पूरे विश्व में पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य है, जिसके उत्तर में 500 किलोमीटर लंबा हिमालय है और दक्षिण में सुंदरबन के मैंग्रोव और दीघा का समुद्र तट है. यह एक ऐसा राज्य है, जहां एक साथ जीरो और 35 डिग्री तापमान रहता है. जब दार्जिलिंग में जीरो डिग्री तापमान होता है, तब दीघा में 35 डिग्री की गर्मी होती है. यहां समुद्र तट है, सुंदरबन और मायापुर जैसे पर्यटन स्थल हैं. इसलिए अगर सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास करे तो पर्यटन में हमारा राज्य नंबर वन बन जाएगा. यह स्टेट ऐसा है, जहां पानी/ जल परिवहन, इलेक्ट्रिसिटी, दक्ष श्रमिक और जमीन चारों चीजें उपलब्ध हैं, जो इंडस्ट्री के लिए सबसे जरूरी है. अगर गवर्नमेंट अच्छी नीतियां बनाती है, तो वापस बंगाल उद्योग के क्षेत्र में नंबर वन बन जायेगा. लॉ एंड ऑर्डर पर सबसे ज्यादा ध्यान देना जरूरी है. राज्य में कानून का शासन होगा, तभी उद्योगपति आकर्षित होंगे. हमारा कारोबार छतत्तीसगढ़ में है और वहां भाजपा सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत ध्यान दिया है. भारतीय जनता पार्टी शासित हर स्टेट में सुशासन होता है और यहां पर भी ऐसा होगा, हम लोगों को पूर्ण विश्वास है . इस तरह अगर उपरोक्त चार चीजों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाये तो हमारा बंगाल भी वापस इंडिया के विकसित राज्यों में शामिल हो जाएगा. बुनियादी सुविधाओं की बहुत जरूरत है. यहां गंगा पर दो पुल हैं, जबकि कम 5 से 6 ब्रिज होने चाहिए ताकि जाम की समस्या न हो. मेरा विश्वास है कि बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की नयी सरकार ऐसे काम करेगी, जिससे यह एक दिन देश के विकसित राज्यों में गिना जायेगा.

नयी सरकार बंगाल का गौरव लौटायेगी

– जयदेव राठी

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव आया है. भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीतकर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ाए हैं, जिससे 15 साल पुराने तृणमूल कांग्रेस के शासन का अंत हुआ है. अब उम्मीद की जाती है कि बंगाल की संस्कृति और अपना खोया हुआ गौरव हासिल करेगी. भाजपा ने अपने चुनाव अभियान के दौरान लगातार 'सोनार बांग्ला' के पुनरुद्धार और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को फिर से स्थापित करने का वादा किया है. उनके एजेंडे में प्रमुख बिंदुओं में से एक रहा है सांस्कृतिक राष्ट्रवाद. रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों के आदर्शों को शासन का आधार बनाना सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है. भाजपा के आने से धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का विकास होगा और राज्य के प्रमुख मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर सरकार जोर देगी. अब तुष्टीकरण की राजनीति का अंत होगा. भाजपा का तर्क रहा है कि पिछली सरकारों की नीतियों से बंगाल की मूल संस्कृति प्रभावित हुई है, जिसे वे सुधारना चाहते हैं. दूसरी ओर, आलोचकों और अन्य राजनीतिक दलों का मानना है कि बंगाल की संस्कृति हमेशा से समावेशी और बहुलतावादी रही है. उनके अनुसार बंगाल की असली पहचान उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द्र में है. संस्कृति केवल प्रतीकों से नहीं, बल्कि कला, साहित्य और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से समृद्ध होती है. किसी भी नई सरकार के आने से लोगों में नई उम्मीदें और बदलाव की आकांक्षाएं होती हैं. आने वाले समय में सरकार की नीतियां, शिक्षा में बदलाव और सांस्कृतिक संस्थानों को मिलने वाला प्रोत्साहन ही यह तय करेगा कि बंगाल अपनी सांस्कृतिक विरासत को किस दिशा में आगे ले जाता है. यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार अपने वादों को धरातल पर कैसे उतारती है और बंगाल के गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए कौन से ठोस कदम उठाती है.

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख पार

केदारनाथ: केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है. देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए धाम पहुंच रहे हैं. यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 4,01,748 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं. जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई 2026 को सायं 5 बजे तक एक ही दिन में 19,466 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए. लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन यात्रा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने में जुटा है. जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग तथा आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं लगातार सुदृढ़ की गई हैं. जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव मिल सके. जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मौसम की जानकारी प्राप्त करने के बाद ही यात्रा करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें.

नई सरकार, नई उम्मीद : सोनार बांग्ला की ओर?

– सीए विकाश पारख

पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ व्यापारिक जगत में एक सच्ची उम्मीद जागी है- और यह स्वाभाविक भी है. बंगाल के पास प्रतिभा है, भौगोलिक लाभ है, और उद्यमशीलता की गहरी जड़ें हैं. कमी रही है तो बस एक ऐसी व्यवस्था की, जो व्यापारियों के साथ खड़ी हो, न कि उनके विरुद्ध. एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में मैं प्रतिदिन व्यापारियों और उद्यमियों की तकलीफें देखता हूँ- यह संघर्ष महत्वाकांक्षा की कमी से नहीं, बल्कि लालफीताशाही, जटिल नियमों और पारदर्शिता की कमी से है. नई सरकार को पाँच बातों पर ध्यान केंद्रित करना होगा: व्यापार सुगमता के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस और त्वरित अनुमोदन; MSMEs को सरल अनुपालन और सुलभ ऋण के माध्यम से ठोस समर्थन; प्रशासन में पारदर्शिता व जवाबदेही की संस्कृति का निर्माण; बड़े औद्योगिक घरानों तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बंगाल में निवेश के लिए आकर्षित करना; और बेरोजगारी की गंभीर समस्या का समाधान. बंगाल का युवा प्रतिभाशाली है- उसे अवसर चाहिए, पलायन नहीं. व्यापारिक समुदाय आशावादी है और तैयार है. हमें पूरी उम्मीद है कि नई सरकार इस अवसर को पहचानेगी और सोनार बांग्ला के सपने को साकार करेगी.

श्री जैन विद्यालय हावड़ा का परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा

युवा शक्ति न्यूज

हावड़ा: श्री जैन विद्यालय, फॉर बॉयज़, हावड़ा का इस वर्ष भी माध्यमिक परीक्षा का नतीजा शत प्रतिशत रहा है. इस वर्ष कुल परीक्षार्थियों की संख्या 174 थी, जिनमें से 113 प्रथम श्रेणी से और बाकी सभी परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं. विद्यालय में प्रथम स्थान देव साव (648), द्वितीय स्थान अंकुर रूपदा (644) और तृतीय स्थान उज्जन दत्ता (636) प्राप्त किया है. विद्यालय की प्रिन्सिपल श्रीमती इंदु जोसफ चौधरी जी ने सभी छात्रों सहित शिक्षकों को बधाई और धन्यवाद दिया. विद्यालय के सचिव श्री ललित जी कांकरिया ने विद्यालय के शत प्रतिशत परीक्षा फल के लिए सभी शिक्षकों एवं छात्रों को बधाई दिया. श्री जैन विद्यालय फॉर गर्ल्स, हावड़ा का इस वर्ष माध्यमिक परीक्षा का नतीजा शत प्रतिशत रहा है. इस वर्ष परीक्षार्थियों की कुल संख्या 187 थीं, जिनमें से 87 प्रथम श्रेणी से और 100 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुई हैं. विद्यालय में प्रथम स्थान सपना कुमारी (653), द्वितीय स्थान सृष्टि कुमारी (644) और सौम्यश्री चक्रवर्ती (620) प्राप्त की हैं. विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मौसमी घोषाल जी ने अपने सभी छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को बधाई और धन्यवाद दिया. विद्यालय के सचिव श्री ललित जी कांकरिया ने विद्यालय के शत-प्रतिशत परीक्षा फल के लिए सभी को धन्यवाद एवं बधाई दिया.

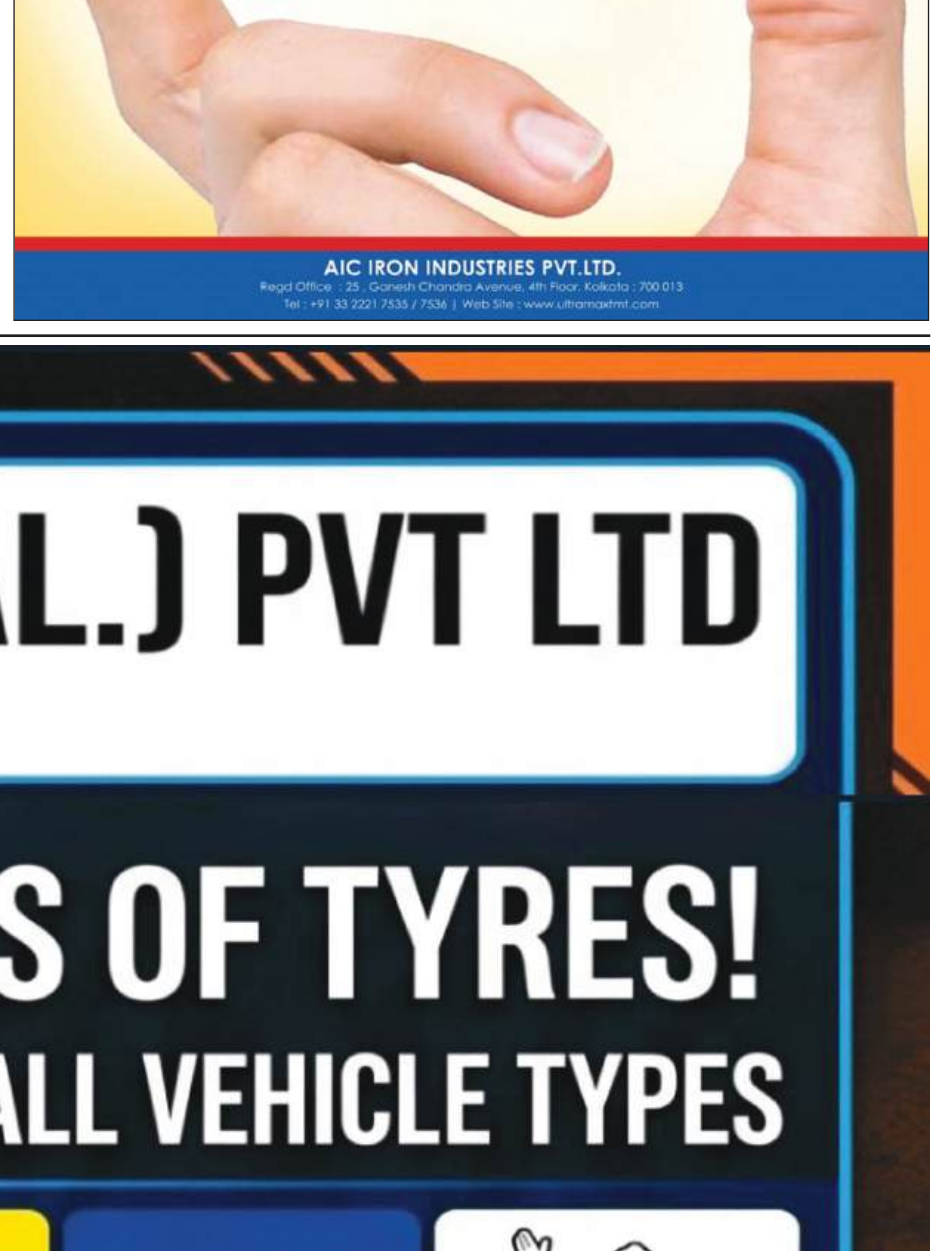

GREENPANEL®
MDF KA DOOSRA NAAM

Boil BLACK™
India's

Strongest, Toughest, Heaviest BWP HDF

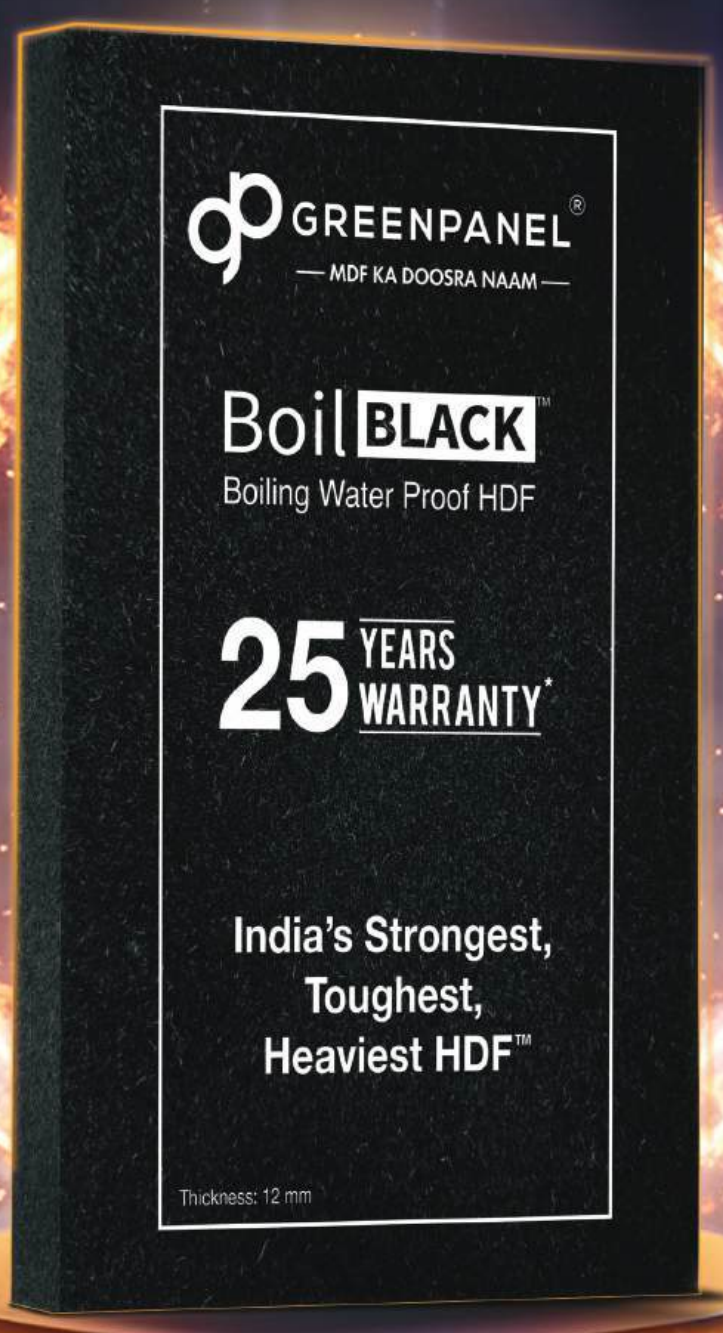

Boiling Water Proof* | Ultra-High Density | Low Emission | Borer & Termite Proof* | High-Dimensional Stability | FR Variant*

INDIA'S NO. 1 MDF COMPANY®

MDF | HDF | PRE-LAMINATED MDF | WOODEN FLOORING | PLYWOOD

www.greenpanel.com | Toll Free No.: 1800 102 2999

*T&C Apply

Heartiest congratulations on a vision for a stronger and brighter India.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

PRAVYA
TRUE HOMES FOR THE TRUE YOU

soham

"नए विश्वास, नई सोच के साथ, पश्चिम बंगाल को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने का संकल्प।"

Bharatiya Janata Party

को हार्दिक बधाई

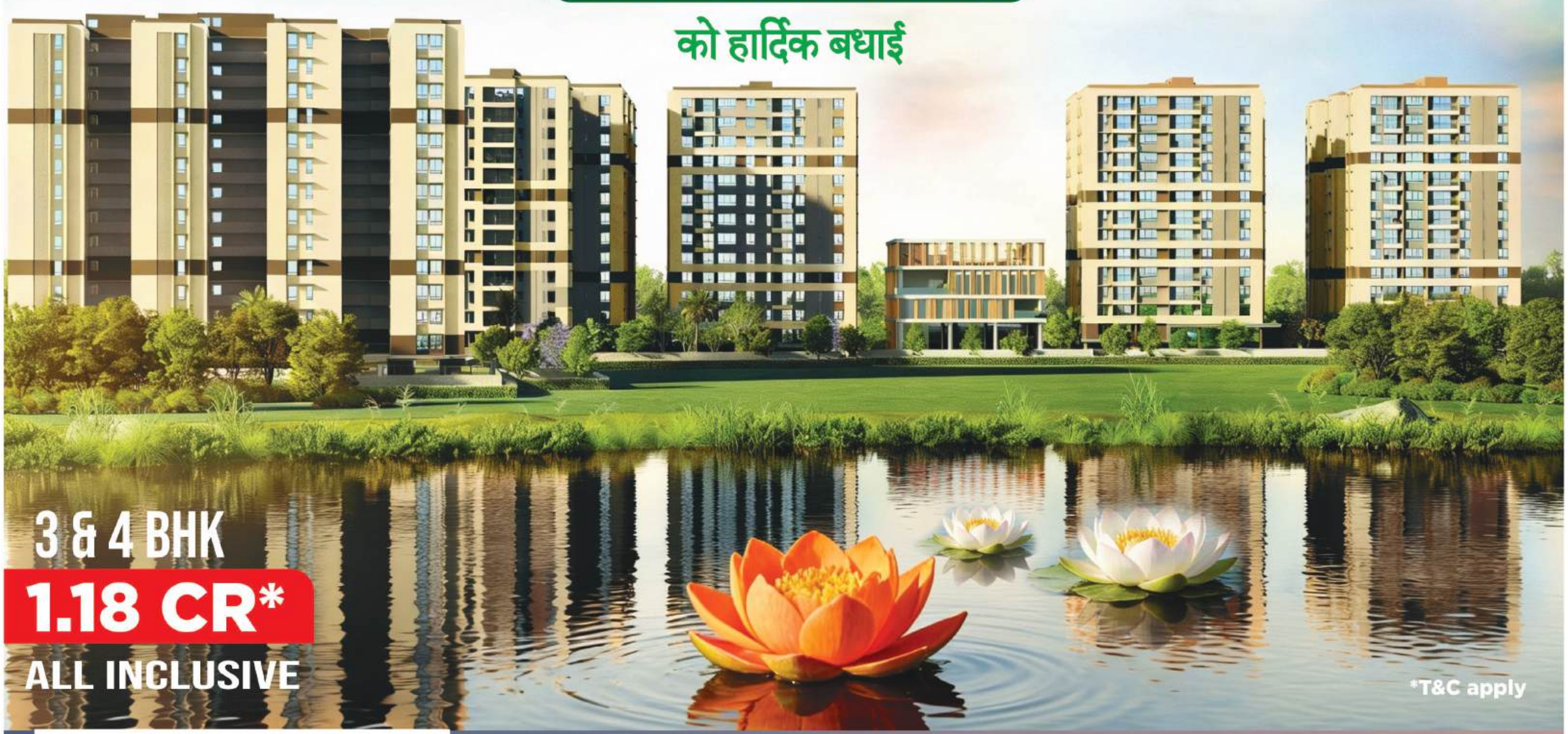

3 & 4 BHK
1.18 CR*
ALL INCLUSIVE

*T&C apply

soham
INDUSTRIAL HUB
BARASAT

2 BLOCKS SOLD OUT

LAST BLOCK FAST FILLING

Sizes From
7200 Sqft
2.17 CR*
ONWARDS

*T&C apply

Soham Pravya
ON 6 LANE RAJARHAT
Mouza, J.L. No: 2, P.S, Narayanpur,
Gopalpur I, Kolkata, West Bengal 700 136

Industrial Hub
Kazipara, Barasat,
Bamangachi, West Bengal 743 248

70444 40123
www.sohamestates.com

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस एवं लॉरी की टक्कर

सिलीगुड़ी :फांसीदेवा क्षेत्र में एक भयावह सड़क हादसा शुक्रवार को सामने आया है. घोषपुकुर स्थित 27 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरकारी यात्री बस और एक मालवाहक लॉरी के बीच जोरदार टक्कर हो गई. इस हादसे में बस चालक समेत कुल 25 यात्री घायल हो गए, वहीं लॉरी के चालक और सहचालक भी जख्मी हुए हैं.मिली जानकारी के अनुसार, बस इस्लामपुर से सिलीगुड़ी की ओर आ रही थी, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लॉरी के चढ़ने के दौरान यह दुर्घटना हुई .सभी घायलों को तुरंत फांसीदेवा ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया.दुर्घटना के दौरान लॉरी का चालक वाहन में फंस गया था, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया.

तृणमूल की करारी हार के लिए कल्याण तिवारी ने अभिषेक बनर्जी को ठहराया जिम्मेदार

पश्चिम मेदिनीपुर : विधानसभा चुनाव 2026 में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है. इसी कड़ी में पश्चिम मेदिनीपुर जिलान्तर्गत रामजीवनपुर नगरपालिका के चेयरमैन कल्याण तिवारी ने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए है. चेयरमैन ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी की इस दुर्दशा के लिए मुख्य रूप से अभिषेक बनर्जी जिम्मेदार है.उन्होंने 'भतीजा संस्कृति' को भी हार का बड़ा कारण बताया.

उनका दावा है कि 2021 चुनाव के बाद से ही इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आईपैक) के दबाव में पार्टी के जनप्रतिनिधियों पर मानसिक दबाव बनाया जाता था. देर रात फोन कर काम का दबाव डालना और पद से हटाने की धमकी

देना आम बात थी.तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ना आसान नहीं था, क्योंकि पुलिस के जरिए डराने की कोशिश की जाती थी.उन्होंने एक और चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि अभिषेक बनर्जी से मिलने के लिए एक विधायक को अपने पेन और बेल्ट बाहर रखकर अंदर जाना पड़ता था.

उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों के लिए चेयरमैनों को पैसे भेजने के निर्देश दिए जाते थे, लेकिन पैसों के स्रोत को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती थी.कल्याण तिवारी ने अपने बयान में शुभेंदु अधिकारी की तारीफ भी की और अभिषेक बनर्जी को सड़क पर उतरकर राजनीति करने की चुनौती दी. इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आ रहे है.

ईस्टर्न रेलवे विमेंस वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन की पहल

श्रम दिवस पर रेलवे के बेहतरीन कर्मचारी सम्मानित

कोलकाता : 8 मई. इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर, ईस्टर्न रेलवे विमेंस वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने आज ईस्टर्न रेलवे ऑफिसर्स क्लब, बेल्वेडियर पार्क, अलीपुर, कोलकाता में एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया. इसका मकसद ईस्टर्न रेलवे में सुरक्षित और कुशल ट्रेन ऑपरेशन सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की सच्ची सेवा, समर्पण और शानदार योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना था.1 मई को हर साल इंटरनेशनल लेबर डे या मई दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि देश बनाने और ऑर्गनाइज़ेशनल ग्रोथ में कर्मचारियों के अमूल्य योगदान को पहचाना जा सके. ईस्टर्न रेलवे के अलग-अलग डिवीज़न और वर्कशॉप के रोज़ाना के काम में लगे ईमानदार, समर्पित और मेहनती कर्मचारियों की भूमिका को याद करने के लिए, ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और कमिटमेंट को पहचानने के लिए यह खास कार्यक्रम आयोजित किया.ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की प्रेसिडेंट श्रीमती सीमा देउस्कर, के दूसरे सदस्यों के साथ प्रोग्राम में शामिल हुईं और ईस्टर्न रेलवे के 92 चुने हुए कर्मचारियों को दिल से बधाई दी. कर्मचारियों को पैसेंजर सेफ्टी और ट्रेनों को आसानी से चलाने के लिए अपनी ड्यूटी निभाने में उनकी शानदार लगन, ईमानदारी और हिम्मत के लिए सर्टिफिकेट और टोकन गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया.लोगों को संबोधित करते हुए, ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की प्रेसिडेंट श्रीमती सीमा देउस्कर ने रेलवे के काम में लगन, अनुशासन और टीमवर्क के महत्व पर ज़ोर देते हुए एक मोटिवेशनल स्पीच दी. ईस्टर्न रेलवे के कल्चरल स्टाफ द्वारा पेश किए गए एक रंगारंग कल्चरल प्रोग्राम ने इस मौके को और भी मज़ेदार बना दिया और सम्मान समारोह को और भी बेहतर बना दिया.

पुरुलिया में बस हादसा, एक बच्चे की मौत, कई यात्री घायल

कोलकाता : पुरुलिया से जमशेदपुर जाने के रास्ते में 18 नंबर नेशनल हाईवे पर सड़क हादसा हो गया. मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कांटाडी मोड़ के पास शुक्रवार को यात्रियों से भरी एक बस का एक ट्रेलर से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. इस हादसे में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई. कई यात्री गंभीर रूप से जख्मी बताए जा रहे हैं.

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पुरुलिया से यात्रियों को लेकर जा रही बस अचानक विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर से जा टकराई.स्थानीय लोगों की माने तो टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का आगे का हिस्सा बुरी तरह मुड़-तुड़ गया. हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई. घटना की खबर पाकर स्थानीय लोग और पुलिस फौरन बचाव कार्य में जुट गये. घायलों को पुरुलिया देवबन महतो सदर अस्पताल पहुंचाया गया. घायलों में कई बच्चे शामिल हैं. अस्पताल की ओर से दी गयी सूचना के अनुसार कुछ घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है.पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है.

गोघाट में तृणमूल की बढ़ी मुश्किलें, वरिष्ठ नेता के बयान से सियासी हलचल

हुगली : गोघाट में तृणमूल कांग्रेस के भीतर असहजता का माहौल बन गया है. वरिष्ठ नेता मनोरंजन पाल के हालिया बयान के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है.हाल ही में सोशल मीडिया पर उनका एक बयान वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने पार्टी की वर्तमान स्थिति पर नाराजगी जताई है.शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्होंने युवावस्था से लेकर अब तक पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के लिए काम किया, लेकिन आज कुछ स्वार्थी और पदलोभी लोगों की वजह से पार्टी की स्थिति खराब हो गई है.तृणमूल के वरिष्ठ नेता मनोरंजन पाल लंबे समय

तक गोघाट तृणमूल के अध्यक्ष और गोघाट नंबर पंचायत समिति के प्रमुख रह चुके है. उन्हें इलाके में पार्टी के संस्थापक नेताओं में से एक माना जाता है.उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी में वरिष्ठ नेताओं को उचित सम्मान नहीं मिल रहा है. उनके मुताबिक, आजकल के सोशल मीडिया वाले नेता (यूट्यूब-फेसबुक) अनुभवी नेताओं का सम्मान नहीं करते, जिसकी वजह से यह स्थिति बनी है. इस बयान के सामने आते ही गोघाट के राजनीतिक माहौल में हलचल मच गई है.विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर तृणमूल पर निशाना साध रहे हैं, जबकि स्थानीय तृणमूल नेतृत्व की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बयान के बाद गोघाट में तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी हालात को लेकर नए सवाल खड़े हो गए है.

झाड़ग्राम से ब्रिगेड के लिए भाजपा समर्थक रवाना

झाड़ग्राम : पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जंगलमहल क्षेत्र में उत्साह का माहौल है. शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए झाड़ग्राम जिले से हजारों समर्थक कोलकाता रवाना होने की तैयारी कर रहे हैं.

दलीय सूत्रों के अनुसार झाड़ग्राम, बिनपुर, गोपीबल्लभपुर और नयाग्राम- इन चारों विधानसभा क्षेत्रों से लगभग 150 बसों की व्यवस्था की गई है. इसके अलावा समर्थकों को कोलकाता पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ियों की व्यवस्था किए जाने का भी दावा किया गया है.

हालांकि इस संबंध में रेल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.दलीय सूत्रों का यह भी कहना है कि रेल से यात्रा करने वाले समर्थकों से किराया नहीं लिया

जाएगा. इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों से भी कोलकाता के लिए रवाना होंगे. विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद जंगलमहल क्षेत्र में भाजपा की मजबूत स्थिति को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज है. जिले की चारों विधानसभा सीटों पर भाजपा की जीत के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी भी बढ़ गई है.जिला भाजपा के उपाध्यक्ष देवाशीष कुंडू ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह को लेकर लोगों में भारी उत्साह है. उन्होंने बताया कि समर्थकों के लिए बस और वाहनों की व्यवस्था की गई है, ताकि सभी लोग आसानी से ब्रिगेड मैदान पहुंच सकें.

फालाकाटा में तृणमूल कार्यालय में तोड़फोड़, भाजपा ने हटाया अपना झंडा

अलीपुरद्वार : वोट परिणाम घोषित होने के बाद फालाकाटा के पांच माइल इलाके में तृणमूल कांग्रेस के ग्रामीण ब्लॉक कार्यालय में तोड़फोड़ को लेकर राजनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है.तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि मतगणना के दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थकों ने उनके कार्यालय पर हमला कर तोड़फोड़ की और पार्टी के झंडे-फ्लेक्स हटाकर वहां भाजपा का झंडा लगा दिया.हालांकि, भाजपा ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है. शुक्रवार को पार्टी के स्थानीय नेता मौके पर पहुंचे और अपने ही झंडे को वहां से हटा लिया.भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि उनके किसी कार्यकर्ता का इस घटना से कोई संबंध नहीं है और न ही उन्होंने वहां झंडा लगाया था.जहां कथित तौर पर सलिशी सभा के नाम पर निर्दोष लोगों को दोषी ठहराया जाता था.

हुगली के नौ छात्र-छात्राएं माध्यमिक परीक्षा की मेधा सूची में शामिल

हुगली : पश्चिम बंगाल माध्यमिक परीक्षा की मेधा सूची में हुगली जिले के कुल नौ छात्र-छात्राओं ने जगह बनाकर जिले का नाम रौशन किया है.छठे स्थान पर पाराम्बुआ जगद्धात्री हाई स्कूल की छात्रा सोहिनी कोले ने 692 अंक हासिल किए हैं. सातवें स्थान पर 691 अंक के साथ आरामबाग हाई स्कूल के अर्कप्रभ पाल और कैलाशचंद्र साधुखां हाई स्कूल की तानिशा फकीर संयुक्त रूप से रहे. आठवें स्थान पर 690 अंक के साथ कामारपुकुर रामकृष्ण मिशन मल्टीपरपस स्कूल के सौमाल्य घोष ने जगह बनाई.वहीं, नौवें स्थान पर 689 अंक के साथ कई छात्र-छात्राएं शामिल है, जिनमें माहेश श्रीरामकृष्ण आश्रम विवेकानंद विद्यालय के उपायण पाल, आरामबाग गर्ल्स हाई स्कूल की तोमाहा कुंडू, कामारपुकुर रामकृष्ण मिशन मल्टीपरपस स्कूल के श्यामब्रत बेताल, सेकेंदरपुर आरकेपी पाल बहादुर हाई स्कूल के प्रत्यय सामंत और बारुईपाड़ा राखाल विद्यामंदिर के उजान घोष शामिल है. इन सभी छात्रों की इस शानदार सफलता से जिले में खुशी और गर्व का माहौल है.

मुख्यमंत्री घोषणा के बाद शुभेंदु के पैतृक गांव कुरकुली में जश्न

पूर्व मेदिनीपुर :भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का अगला मुख्यमंत्री घोषित किए जाने की खबर मिलते ही पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी के गांव कुरकुली में उत्सव का माहौल बन गया. गांव के लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटी, पटाखे फोड़े और बैंड-बाजे के साथ खुशी मनाई.जैसे ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा उनके नाम की घोषणा की खबर टीवी पर आई, पूरे इलाके में उत्साह फैल गया. स्थानीय लोग घरों से बाहर निकल आए और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई देने लगे. भाजपा कार्यकर्ता बैंड पार्टी के साथ नाचते-गाते दिखाई दिए.स्थानीय भाजपा नेता और पार्षद सुशील दास ने कहा कि आज हमारे दादा शुभेंदु अधिकारी के लिए छोटे-छोटे बच्चे भी सड़कों पर निकल आए हैं. वह हमेशा इलाके के लोगों के साथ घुलमिल कर रहते हैं और सबकी खबर लेते हैं, इसलिए गांव के लोगों में इतनी खुशी है.शुभेंदु अधिकारी के पैतृक घर 'शांतिकुंज' के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है. परिवार के सदस्य फिलहाल कोलकाता में मौजूद हैं.बताया जा रहा है कि शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. इसी को लेकर भाजपा समर्थकों में उत्साह और भी बढ़ गया है.

डिवाइडर से टकराई यात्री बस, तीन घायल

मालदा : शहर के व्यस्त रथबाड़ी इलाके में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे जिसमें चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस के अनुसार, घायलों की पहचान तरजिना बीबी, वासुदेव कर्मकार और सिकंदर अली के रूप में हुई है. दुर्घटना के समय बस में करीब 50 यात्री सवार थे, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, शहर की ओर आ रही बस रथबाड़ी इलाके में प्रवेश करने से पहले ही नियंत्रण खो बैठी और जेब्रा क्रॉसिंग के पास डिवाइडर पर लगे लाइट पोस्ट से जोरदार टक्कर मार दी.घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को निकालकर मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल पहुंचाया. जहां मामूली रूप से घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया,

न्यूज़ कॉर्नर

गड़वेता में झाड़ियों के पीछे से ताजा बम बरामद, इलाके में सनसनी

पश्चिम मेदिनीपुर: जिले के गड़वेता थाना क्षेत्र के बड़मुरा अंतर्गत बलरामपुर इलाके में शुक्रवार को भारी मात्रा में ताजा बम बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई.सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पूरे इलाके में पुलिस ने अभियान चलाकर झाड़ियों के पीछे छिपाकर रखे गए कई ताजा बम बरामद किए. बम मिलने की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया. पुलिस ने तत्काल बम निष्क्रियकरण दस्ते को मौके पर बुलाया, जिसने सुरक्षा के बीच बमों को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की.प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बमों को किसने और किस उद्देश्य से वहां छिपाकर रखा था, इसका पता लगाने की कोशिश की जा रही है. खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी.स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में लंबे समय से असामाजिक तत्वों की गतिविधियां देखी जा रही थीं. उनका अंदेशा है कि किसी बड़ी आपराधिक साजिश या हिंसक घटना को अंजाम देने के लिए बमों का भंडारण किया गया था. पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में निगरानी और बढ़ा दी है तथा आरोपितों की तलाश में छापेमारी जारी है.

कुल्टी के बहुचर्चित गोपाल महतो हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपित को पांच दिनों की पुलिस हिरासत

दुर्गापुर : आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की कुल्टी थाना पुलिस को गोपाल महतो हत्याकांड मामले में बड़ी सफलता मिली है. मामले के मुख्य आरोपित कृष्णा नुनिया को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जेल से गिरफ्तार कर शुक्रवार को आसनसोल अदालत में पेश किया गया. अदालत ने आरोपित की जमानत खारिज करते हुए उसे पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, चिनाकुड़ी निवासी गोपाल महतो की हत्या 19 अगस्त 2025 को हुई थी. घटना के बाद से ही कृष्णा नुनिया फरार चल रहा था. लंबे समय तक जांच और तकनीकी निगरानी के बाद नियामतपुर चौकी की पुलिस को उसके उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी मिली. इसी दौरान मोबाइल चोरी के एक मामले में कृष्णा नुनिया प्रयागराज में गिरफ्तार होकर जेल में बंद था. जानकारी मिलते ही नियामतपुर चौकी की पुलिस उत्तर प्रदेश पहुंची और ट्रांजिट रिमांड पर उसे आसनसोल लाया गया. शुक्रवार सुबह आरोपित को आसनसोल अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत की मांग की. अदालत ने पांच दिनों की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली.पुलिस अधिकारियों का मानना है कि कृष्णा नुनिया से पूछताछ में हत्या की साजिश और अन्य आरोपितों की भूमिका को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है.उल्लेखनीय है कि गोपाल महतो को चिनाकुड़ी स्थित उनके घर से बुलाकर कुछ बदमाशों ने दूर एक मैदान में बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी.

पश्चिम बंगाल में नहीं थम रही हिंसा

तृणमूल कार्यकर्ता और भाजपा नेता का शव मिला

कोलकाता/कालना: तृणमूल कार्यकर्ता का लटका हुआ शव क्लब रूम में मिला है. मृतक का नाम असित देबनाथ है. वह लंबे समय से इलाके में तृणमूल के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे. इस घटना को लेकर पूर्वस्थली प्रथम ब्लॉक के नादनघाट पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले डोलगोबिंदपुर क्षेत्र में काफी तनाव है. राजनीतिक गलियारों में भी खूब शोर मच रहा है. आरोप स्वाभाविक रूप से भाजपा की ओर उठ रहे हैं. हालांकि स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने सभी आरोपों का खंडन किया है. असित देबनाथ के परिवार का आरोप है कि हाल ही में भाजपा में शामिल हुए लोगों ने यह अपराध किया है.इस घटना से स्वाभाविक रूप से असित के परिवार पर शोक की छाया छा गई है. पूरे इलाके में मातम का माहौल है. असित

देबनाथ के परिवार का आरोप है कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उनके घर पर हमला हुआ. असित को कई बार धमकियां भी दी गईं. असित देबनाथ के भाई का दावा है कि गुरुवार दोपहर को भी उन्हें धमकी दी गई थी. उनका यह भी कहना है कि भाजपा की जीत के बाद कुछ स्थानीय लोग पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल होकर उन पर दबाव बना रहे थे. परिवार की ओर से इस घटना के संबंध में पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई जाएगी.भाजपा जिला समिति सदस्य सुभाष पाल ने इस आरोप का खंडन किया है.

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा- अभी तक किसी को भी हमारी पार्टी में शामिल नहीं किया गया है. भाजपा इस घटना में शामिल नहीं है. दूसरी ओर, बरहनगर में भाजपा नेता की कथित तौर पर हत्या के प्रयास को लेकर काफी हंगामा मचा हुआ है. भाजपा का आरोप है कि घर पर कब्जे के विरोध में प्रदर्शन करने पर भाजपा ने उनकी कुल्हाड़ी से हत्या कर दी. उनके परिवार के सदस्यों पर भी हमले की खबरें हैं. सिर्फ ये दो घटनाएं ही नहीं, बल्कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से बंगाल के विभिन्न हिस्सों में लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं. पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है.

पूर्व रेलवे ने 2026 की शुरुआत में कचरा फैलाने के 20,090 मामले पकड़े

कोलकाता : पूर्व रेलवे प्रतिदिन लाखों लोगों को उनके सपनों और आकांक्षाओं से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा के रूप में कार्य करती है. लाखों यात्री जब अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए ट्रेनों में यात्रा करते हैं, तो उनकी यात्रा की शुरुआत रेलवे परिसर से ही होती है और पूर्व रेलवे का मानना है कि यह शुरुआत प्रेरणादायक और सुखद होनी चाहिए. कल्पना कीजिए कि आप सुबह की यात्रा शुरू करें और स्टेशन पर चारों ओर कूड़ा-कचरा बिखरा हुआ मिले ; ऐसा दृश्य तुरंत आपके उत्साह को कम कर सकता है और पूरे दिन के मनोभाव को प्रभावित कर सकता है. यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और समग्र अनुभव को ध्यान में रखते हुए, पूर्व रेलवे ने निरंतर एंटी-लिटरिंग अभियानों के माध्यम से स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के अपने प्रयासों को और तेज कर दिया है.पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर जो स्वच्छ मिशन के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं, के दूरदर्शी नेतृत्व में, जोन ने कूड़ा-करकट फैलाने के विरुद्ध सक्रिय कदम उठाया है. इन प्रयासों की कड़ी निगरानी आईजी-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा द्वारा की जा रही है, ताकि रेलवे स्टेशन सभी यात्रियों के लिए स्वच्छ और स्वागतयोग्य बने रहें. हमारे आंकड़े स्वच्छता के प्रति इस कठोर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं. 1 जनवरी 2026 से 6 मई 2026 के बीच, आसनसोल, सियालदह, मालदा और हावड़ा मंडलों में कुल 20,090 व्यक्तियों को गंदगी फैलाते हुए पकड़ा गया, जिनसे कुल 40,31,600 का जुर्माना वसूला गया. यदि व्यापक अवधि पर नजर डालें, तो 1 जुलाई 2024 से 6 मई 2026 तक पूर्व रेलवे ने गंदगी फैलाने के 1,18,152 मामलों पर कार्रवाई की और कुल 1,98,16,810 रुपये का जुर्माना वसूला. इस अवधि में सियालदह मंडल में सर्वाधिक 35,187 मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद हावड़ा और आसनसोल का स्थान रहा. ये आंकड़े अस्वच्छ व्यवहार को हतोत्साहित करने तथा यात्रियों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं.पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी के अनुसार, हमारा मुख्य उद्देश्य केवल जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि यात्रियों के भीतर रेलवे संपत्ति के प्रति गर्व और स्वामित्व की भावना विकसित करना है. उन्होंने कहा कि रेलवे कर्मचारी परिसर को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं, लेकिन हमारे स्टेशनों को वास्तव में विश्वस्तरीय बनाने के लिए जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि पूर्व रेलवे अपनी सख्त निगरानी और जागरूकता अभियानों को जारी रखेगी, ताकि प्रत्येक यात्री को स्वच्छ और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त हो सके.

न्यूज कॉर्नर

जादू के खेल ने बच्चों को किया मंत्रमुग्ध, खुशी से झूमे छात्र छात्राएं

हिरणपुर: सरस्वती शिशु मंदिर, हिरणपुर में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की ओर से एक विशेष मैजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जादूगर ने बच्चों के सामने रंग-बिरंगे और रोचक जादू के करतब दिखाकर पूरे परिसर को उल्लास से भर दिया. जादूगर के एक-एक जादू पर बच्चे तालियों और हंसी से गूंज उठे. कभी कुछ गायब हो जाना, कभी अचानक प्रकट हो जाना, तो कभी रंगीन वस्तुओं का खेल-हर करतब पर बच्चों के चेहरे पर आश्चर्य और खुशी साफ झलक रही थी. कार्यक्रम के दौरान पूरा माहौल उत्साह और आनंद से सराबोर रहा. इस अवसर पर शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य वापीन आचार्य के साथ समस्त शिक्षकगण भी उपस्थित रहे. उन्होंने बैंक के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मनोरंजक कार्यक्रम बच्चों के मानसिक विकास और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं.

11 बजे तक अल्ट्रासाउंड में डॉक्टर नदारद

साहिबगंज : सदर अस्पताल के अल्ट्रासाउंड में एक बार फिर डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी समय का पालन नही कर रहे है. इसके चलते अल्ट्रासाउंड जांच के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं को भूखे पेट रहना पड़ता है. शुक्रवार को 11 बजे अल्ट्रासाउंड कक्ष में डॉक्टर नही थे. कुर्सी खाली रहा. हालांकि इस दौरान एक कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे. वही मरीजो ने बताया कि एक एएनएम आई थी उनलोगों का नम्बर एएनएम के द्वारा लगाया गया है. मरीजो का आरोप है कि करीब दो घण्टा से बैठे हुए रहे. लेकिन डॉक्टर साहब नही है. इसमे आधा से ज्यादा मरीज गर्भवती महिलाएं है. लेकिन डॉक्टर नदारद रहने के चलते गर्भवती महिलाओं को भूखा रहना पड़ा. इसके चलते दूर दराज एवं ग्रमीण क्षेत्रो से मरीज व उसके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

कुत्ते की बेल्ट से पत्नी की हत्या, पांच साल बाद पति को उम्रकैद

कोलकाता : पश्चिम बर्दवान जिले के कांकसा थाना अंतर्गत आड़ा इलाके में पत्नी की हत्या के सनसनीखेज मामले में दुर्गापुर अदालत ने आरोपी पति को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है.घटना 5 सितंबर 2021 की है. जानकारी के अनुसार, सरकारी बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत बिप्लब परिडा अपनी पत्नी इप्सा प्रियदर्शिनी के साथ आड़ा इलाके के एक किराए के मकान में रहता था. दोनों की शादी वर्ष 2019 में हुई थी, लेकिन शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था.घटना वाली रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी. आरोप है कि गुस्से में आकर बिप्लब परिडा ने पालतू कुत्ते की बेल्ट से पत्नी का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.हत्या के बाद आरोपी खुद बाइक से कांकसा थाने पहुंचा और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर अपना अपराध स्वीकार कर लिया.पुलिस ने घटनास्थल से महिला का शव बरामद कर मामला दर्ज किया था. लंबी जांच, गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई. सरकारी पक्ष की ओर से बताया गया कि मामले की सुनवाई सितंबर 2021 से चल रही थी.

ओंठ कटे एवं तालू कटे बच्चों के उपचार एवं सर्जरी हेतु एक दिवसीय मेगा कैंप आयोजित

पाकुड़: शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ओंठ कटे एवं तालू कटे बच्चों के इलाज हेतु एक दिवसीय मेगा कैंप का सफल आयोजन किया गया. कैंप का उद्घाटन जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा एवं देवनिका अस्पताल, रांची के प्रतिनिधि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया.इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई. जांच के उपरांत सर्जरी योग्य चिन्हित बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन देवनिका अस्पताल, रांची में कराया जाएगा. साथ ही अस्पताल द्वारा आने-जाने, इलाज एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी.मेगा जांच शिविर में डॉ. शेखावत हुसैन एवं डॉ सुपर्णा सहा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया. शिविर में कुल 25 बच्चों की जांच की गई, जिनमें चिन्हित बच्चों का आगे सर्जिकल उपचार कराया जाएगा.जिला आरसीएच पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के शिविर का उद्देश्य जन्मजात विकृतियों से पीड़ित बच्चों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराकर उन्हें सामान्य जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभिभावकों से अपील की गई कि वे ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ें, ताकि बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके.

अस्पतालों, बीमा कंपनियों एवं टीपीए के कुचक्र से मरीजों को राहत दिलाना जरूरी : सुरेश

जमशेदपुर : झारखंड सहित देशभर में लाखों मरीज, जिन्होंने अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए मेडिकल इंश्योरेंस लिया हुआ है, आज उसी व्यवस्था के कारण भारी मानसिक, शारीरिक और आर्थिक पीड़ा झेलने को मजबूर हैं. इस अत्यंत गंभीर और जनहित से जुड़े विषय पर कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेश सोंथालिया ने अस्पतालों से डिस्चार्ज के समय टीपीए (थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर), बीमा कंपनियों एवं अस्पतालों के बीच होने वाली अनावश्यक देरी को समाप्त करने हेतु तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. इस संबंध में दिल्ली चाँदनी चौक के सांसद और कैट के राष्ट्रीय महामंत्री श्री खंडेलवाल ने स्वस्थ मंत्री जय प्रकाश नड्डा को पत्र लिख कर कहा कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, महंगे बीमा प्रीमियम और कैशलेस इलाज की व्यवस्था के बावजूद यदि मरीज को अस्पताल से छुट्टी पाने के लिए घंटों या पूरा दिन प्रतीक्षा करनी पड़े, तो यह पूरी व्यवस्था की संवेदनहीनता को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि इलाज पूरा होने और डॉक्टर द्वारा फिट घोषित किए जाने के बाद भी मरीजों को केवल फाइलों, ई-मेल, दस्तावेजों और औपचारिक अनुमोदनों के नाम पर अस्पतालों में रोके रखना किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता. श्री खंडेलवाल ने इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन को भी अलग से पत्र भेजकर बीमा कंपनियों और टीपीए के लिए सख्त एवं समयबद्ध दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि लोग स्वास्थ्य बीमा इसलिए लेते हैं ताकि बीमारी के समय उन्हें आर्थिक सुरक्षा और मानसिक राहत मिल सके, लेकिन आज स्थिति इसके ठीक विपरीत हो गई है. बीमा सुविधा अब राहत का माध्यम बनने के बजाय अनेक मामलों में प्रशासनिक प्रताड़ना का कारण बनती जा रही है. जारी प्रेस विज्ञाप्ति में सोंथालिया ने कहा कि देशभर में लाखों बीमाधारक मरीजों को उपचार पूरा होने और डॉक्टर द्वारा छुट्टी दिए जाने के बावजूद घंटों तक अस्पतालों में केवल इसलिए रोके रखा जाता है क्योंकि टीपीए, बीमा कंपनियां और अस्पताल आपस में औपचारिकताओं, दस्तावेजों और स्वीकृतियों के नाम पर फाइलें घुमाते रहते हैं.

मंत्री संजय कुमार सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया पदभार ग्रहण

युवाशक्ति न्यूज

पटना: लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार के माननीय मंत्री श्री संजय कुमार सिंह ने विश्वेश्वरैया भवन स्थित विभागीय मुख्यालय में वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण के उपरांत लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय मंत्री संजय कुमार सिंह का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं. इसी क्रम में विभाग के अभियंता प्रमुख सह विशेष सचिव (मुख्यालय), अपर सचिव तथा अन्य पदाधिकारियों ने माननीय मंत्री का आत्मीय स्वागत किया एवं विभाग की ओर से उन्हें बधाई दी. पदभार ग्रहण

के उपरांत मंत्री संजय कुमार सिंह ने विभाग के वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की. बैठक के दौरान उन्होंने राज्य में संचालित जलापूर्ति योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. मंत्री ने विशेष रूप से गर्मी के मौसम को देखते हुए राज्य के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न नहीं होने देने पर जोर दिया.

उन्होंने निर्देश दिया कि जिन जिलों में जल की समस्या हो रही है तथा जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े.

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए तथा लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी.

भू-अर्जन कार्यों की समीक्षात्मक बैठक

पाकुड़: उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व एवं भू-अर्जन विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई. बैठक में लंबित म्यूटेशन, भूमि सीमांकन, परिशोधन, भू-अर्जन एवं आपदा से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने 90 दिनों से अधिक लंबित म्यूटेशन मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए. साथ ही गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने, जीएम लैंड डिमार्केशन में तेजी लाने तथा सक्सेशन म्यूटेशन मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा. बैठक में एनएच-333-धरमपुर मोड़-पाकुड़ परियोजना सहित विभिन्न विकास योजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण कार्यों की भी समीक्षा की गई.

ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए भारत की अंडर 18 पुरुष हॉकी टीम में नवल टाटा हॉकी अकादमी के तीन कैडेट शामिल

जमशेदपुर : नवल टाटा हॉकी अकादमी के तीन कैडेट - प्रेमचंद सोय, जैसन कंडुलना और आशीष तानी पूर्ति - का चयन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी चार मैचों की सीरीज़ के लिए भारतीय अंडर 18 पुरुष हॉकी टीम में हुआ है.यह सीरीज़ 15 मई से 20 मई, 2026 तक एसएआई सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी और इस महीने के अंत में जापान में आयोजित होने वाले पुरुष अंडर 18 एशिया कप से पहले टीम के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी अभियान मानी जा रही है.इन तीनों खिलाड़ियों ने एक सप्ताह तक चले राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम के अंतिम 24 सदस्यीय दल में जगह बनाई. इस शिविर में 42 संभावित खिलाड़ियों का तकनीकी कौशल, मैच फिटनेस और रणनीतिक तैयारी के आधार पर मूल्यांकन किया गया.राष्ट्रीय टीम में अलग अलग महत्वपूर्ण पदों का प्रतिनिधित्व करने वाले चयनित कैडेटों में शामिल हैं:आशीष तानी पूर्ति

- डिफेंडरप्रेमचंद सोय - मिडफील्डरजैसन कंडुलना - फॉरवर्डऑस्ट्रेलिया सीरीज़ खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव और उच्च स्तरीय मुकाबलों का अवसर प्रदान करेगी. यह सीरीज़ 29 मई से 6 जून, 2026 तक काकामिगाहारा में आयोजित होने वाले पुरुष अंडर 18 एशिया कप की तैयारियों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है.खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए एनटीएचए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गुरमीत सिंह राव ने कहा, प्रेमचंद, जैसन और आशीष का चयन उनकी मेहनत, समर्पण और उस प्रतिस्पर्धी माहौल का परिणाम है, जिसे अकादमी युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए तैयार करने का प्रयास करती है. इस तरह के अवसर उनके विकास की यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव होते हैं और हमें विश्वास है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिले इस अनुभव का पूरा लाभ उठाएंगे.एनटीएचए संरचित प्रशिक्षण, पेशेवर कोचिंग और खिलाड़ियों के समग्र विकास के माध्यम से उभरती हॉकी प्रतिभाओं की मजबूत श्रृंखला तैयार करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है. अकादमी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है.

बरहेट थाना क्षेत्र के छोटा उदाली गांव में अधेड़ को गोली मारकर की हत्या, आरोपी फरार

बरहेट : बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा उदाली गांव में गुरुवार देर रात एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई. गांव के 45 वर्षीय सीताराम हेंब्रम की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है.जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार रात करीब 9 बजे की है. ग्रामीणों ने गोली चलने की आवाज सुनने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही बरहेट थाना पुलिस देर रात घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज भेज दिया.मृतक की पत्नी मीरू मरांडी ने गांव के ही जेठा हेंब्रम पर हत्या का आरोप लगाया है. उन्होंने बताया कि करीब तीन महीने पहले आरोपी ने पति-पत्नी को जान से मारने की धमकी दी थी. आरोप है कि गुरुवार रात आरोपी उनके घर पहुंचा और शराब मांगने लगा. जब घर में शराब नहीं होने की बात कही गई तो वह गुस्से में आ गया और सीताराम हेंब्रम के कान के पास गोली मार दी. गोली लगते ही सीताराम जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई.घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. हत्या की खबर फैलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए. ग्रामीणों ने घटना पर आक्रोश जताते हुए जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है. खबर लिखें जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी.

भाजपा का मंडल स्तरीय संयुक्त प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पाकुड़: भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित इलामी एवं गंधाईपुर मंडल का दो दिवसीय संयुक्त मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर इलामी गांव में संपन्न हो गया. पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के तहत आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता इलामी मंडल अध्यक्ष बापोन सरकार एवं गंधाईपुर मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन दास ने संयुक्त रूप से की.शिविर में पूर्व जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोरंजन सरकार ने विभिन्न सत्रों को संबोधित किया.

बरहेट थाना क्षेत्र में मेला से लौट रही युवतियों पर हमला, एक गंभीर रूप से घायल

बरहेट : थाना क्षेत्र के छोटा दलदली गांव में आदिम जनजाति की तीन लड़कियों के साथ मारपीट और एक नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है.ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को बंदर कोला पहाड़ में काड़ा पूजा मेला का आयोजन किया गया था. माकमाजोका पहाड़ की तीन लड़कियां मेला देखने पहुंची थीं. बताया जा रहा है कि वहां उनकी मुलाकात छोटा उदाली पहाड़ के तीन युवकों से हुई. मेला समाप्त होने के बाद युवक

लड़कियों को अपने साथ छोटा उदाली गांव ले जाने लगे और सभी वहां से साथ निकल पड़े.आरोप है कि रास्ते में युवकों ने लड़कियों के साथ मारपीट शुरू कर दी. घटना में 30 वर्षीय देवी पहाड़ीन गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया.घटना के बाद से एक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की लापता बताई जा रही है. नाबालिग के पिता सूरजा पहाड़िया ने बेटी के गायब होने की जानकारी पुलिस को दी है. परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे हुए हैं.मामले की गंभीरता को देखते हुए बरहेट थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जीवन टुडू, निवासी उदाली, और मद्दे मुर्मू, निवासी रांगा, को हिरासत में लिया है. पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है तथा लापता नाबालिग की खोजबीन जारी है.

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंडरो का किया निरीक्षण

साहिबगंज : शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मंडरो का निरीक्षण किया गया.

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं एवं संचालित कार्यक्रमों का विस्तृत जायजा लिया गया.निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन के द्वारा वहां उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया गया कि अस्पताल में ओपीडी सेवा 24÷7 एवं प्रयोगशाला सेवा 24÷7 प्रभावी रूप से संचालित की जाए, ताकि आम जनता को हर समय बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके.

उन्होंने सभी कर्मियों को जनहित में कार्य करते हुए ईमानदारी एवं समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने तथा अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन द्वारा ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट मंडरो का भी निरीक्षण किया गया, जिसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत भवन हस्तांतरित किया जा चुका है. उन्होंने भवन परिसर के समक्ष मिट्टी को समतल कर सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन एवं स्वास्थ्य कर्मियों के आवागमन में सुविधा हो तथा परिसर को बेहतर तरीके से उपयोग में लाया जा सके.सिविल सर्जन द्वारा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, सेवा व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया तथा सभी कर्मियों को नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया.

जनता दरबार में सुनी गई शिकायतें, जांचोपरांत शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

पाकुड़: आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया. इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक- एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा.

इसके अलावा जनता दरबार में पीडीएस दुकान, सड़क निर्माण, फुटबॉल मैदान से ट्रांसफार्मर हटाने,

आवास, जमीन विवाद सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं. उपायुक्त ने सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की भौतिक जांच कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें.

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके.

जदयू नेताओं ने बिहार कैबिनेट की नई टीम पर जताया विश्वास

जमशेदपुर : जनता दल यूनाइटेड पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव एवं जिला प्रवक्ता आकाश शाह ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी कर बिहार सरकार के नए कैबिनेट विस्तार का स्वागत करते हुए सभी नव नियुक्त मंत्रियों एवं उपमुख्यमंत्रियों को शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने वरिष्ठ नेताओं श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, जमा खान, मदन सहनी सहित अन्य सभी मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई टीम बिहार के विकास को नई दिशा एवं गति देने का कार्य करेगी. संयुक्त बयान में पहली बार कैबिनेट मंत्री बने युवा नेता निशांत कुमार को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा गया

बाल आश्रय गृह एवं कस्तूरबा विद्यालय में चला 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान

पाकुड़: जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा दिवाकर पांडेय के निर्देश एवं डालसा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में चल रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान के तहत बाल आश्रय गृह पाकुड़, पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हिरणपुर सहित दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. बाल आश्रय गृह में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक गंगाराम टुडू एवं पीसीआई यूनिसेफ के चाइल्ड कोऑर्डिनेटर मो. अनीस ने संयुक्त रूप से बच्चों को शिक्षा, कौशल विकास और कानूनी

अधिकारों की जानकारी दी. कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ संवाद कर उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने, अनुशासन का महत्व समझाने तथा लक्ष्य निर्धारित कर उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया गया.वहीं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों सहित विभिन्न कानूनों की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने नालसा की योजनाओं के तहत मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 15100 की भी जानकारी दी.कार्यक्रम में समाज में फैली कुरीतियों एवं अपराधों जैसे डायन-बिसाही, बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा एवं बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया गया तथा इनके कानूनी प्रावधानों और सजा के बारे में बताया गया. इस अवसर पर मेडिएटर सुमित्रा रानी सिंह, कोऑर्डिनेटर तालामय किस्कू, पैरा लीगल वॉलंटियर्स मैनुल शेख, पिंकी मंडल, मोलिता कुमारी, विजय कुमार राजवंशी, नीरज कुमार राउत सहित संबंधित विद्यालय की प्रधानाध्यापिका, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं बाल आश्रय गृह के कर्मी उपस्थित थे.

सदर अस्पताल के डेंटल विभाग में 11:39 बजे नही थे डॉक्टर, मरीज परेशान

साहिबगंज : सदर अस्पताल के डेंटल विभाग में शुक्रवार को 11:39 बजे डेंटिस्ट के इंतज़ार में मरीज बैठे रहे. हालांकि डॉक्टर नदारद थे. इसके चलते मरीजो को काफी परेशानी हुई. इस दौरान सिर्फ एक डेंटक हाईजेनिक के भरोसे डेंटल विभाग चलता रहा. जबकि डॉक्टर नही थे. इलाज के लिए शहर के बाटा रोड स्थित तालाब स्कूल के पास की रहने वाली महिला कंचन देवी इलाज के लिए पहुची. लेकिन डेंटिस्ट नही रहने पर उन्हें काफी देर इंतज़ार करना पड़ा. महिला का आरोप है कि वे दांत का इलाज कराने के लिए आई है. लेकिन यहां एक भी डॉक्टर नही है. सिर्फ एक डेंटल हाईजेनिक है. जानकारी के मुताबिक डेंटल विभाग में तीन डेंटिस्ट है. इसमें डॉ. भारती कुमारी व डॉ. सागरिका छुट्टी पर गई है. जबकि डॉ. देवजीत राम का ड्यूटी था. लेकिन वो भी नदारद रहे. दरअसल सीएस सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा को सुधारने के लिए काफी मशक्कत कर रहे है. इसके बावजूद कुछ डॉक्टर सीएस के निर्देश का कोई पालन नही कर रहे है. इसके चलते मरीजो को इसका खामियाजा भूगतना पड़ रहा है.सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुआ कि 12 बजे डेंटिस्ट डॉ. देवजीत के आने के बाद मरीजो का इलाज शुरू हुआ. इससे मरीजो ने राहत की सांस ली है. इधर अस्पताल मैनेजर अमन पांडे ने बताया कि इस मामला में जानकारी इकट्ठा कर मामले की जांच की जाएगी.

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर विशेष

"डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल में भाजपा (पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ) की जमीन वैचारिक दृढ़ता, राष्ट्रवादी विमर्श और पश्चिम बंगाल की सुरक्षा सुनिश्चित करके तैयार की। उनके द्वारा स्थापित जनसंघ के वैचारिक एजेंडे पर ही भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ।डॉ. मुखर्जी द्वारा बंगाल में भाजपा की नींव रखने के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

जिन्होंने तैयार की भाजपा के लिए जमीन

भारतीय जनसंघ का गठन

कांग्रेस के साथ वैचारिक मतभेदों, विशेष रूप से नेहरू-लियाकत समझौते के विरोध में कैबिनेट से इस्तीफा देने के बाद, डॉ. मुखर्जी ने 21 अक्टूबर 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भाजपा की वैचारिक पूर्ववर्ती है। 1947 में, उन्होंने बंगाल के विभाजन का समर्थन करके यह सुनिश्चित किया कि हिंदू बहुसंख्यक पश्चिमी बंगाल का हिस्सा भारत में रहे, जिससे वे बंगाल में एक राष्ट्रवादी नेता के रूप में उभरे। उन्होंने बंगाल की संस्कृति और अस्मिता को भारतीय मूल्यों से जोड़ा। उन्होंने शिक्षा और राजनीति में भारतीय मूल्यों को बढ़ावा दिया, जिससे कम्युनिस्टों और अन्य वामपंथी विचारधाराओं के सामने एक मजबूत दक्षिणपंथी विकल्प तैयार हुआ।कश्मीर और एकात्मता की लड़ाई: उन्होंने अनुच्छेद 370 का कड़ा विरोध किया और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया। कश्मीर में प्रवेश करते समय उनकी गिरफ्तारी और 1953 में हुई उनकी मृत्यु ने उन्हें जनसंघ और आने वाली भाजपा के लिए एक वैचारिक शहीद बना दिया।शरणार्थियों और हिंदू हितों की रक्षा: पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आ रहे हिंदू शरणार्थियों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर उन्होंने बंगाल के बंगाली हिंदुओं में एक मजबूत पैठ बनाई। नेहरू-लियाकत समझौते के विरोध में इस्तीफा देना उनके अडिग रुख को दर्शाता था। ... जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में हजारों उत्साहित कार्यकर्ताओं के बीच खड़े होकर कहा, "गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिल उठा है," वे महज एक चुनावी जीत का उत्सव नहीं मना रहे थे. वे एक ऐसे सम्मानजनक चक्र को पूर्ण होते हुए देख रहे थे जो 75 साल पहले कलकत्ता के एक बैठकखाने में तब आरम्भ हुआ था, जब एक बंगाली श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने यह ठान लिया था कि भारत को हिंदू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए एक संगठित राजनीतिक आधार चाहिए। पश्चिम बंगाल में 293 में से 207 सीटों की ऐतिहासिक विजय, लगभग 93 फीसदी मतदान की अभूतपूर्व पृष्ठभूमि में, कोई साधारण चुनाव परिणाम नहीं है। यह एक घर-वापसी है।

दिया था एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा

भारतीय राजनीति का इतिहास बहुत कम बार इस प्रकार की काव्यात्मक गति दिखाता है, लेकिन बंगाल का इतिहास इसका अपवाद है। 1951 में मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की नींव रखी थी, वही जनसंघ जो बीजेपी का सीधा वैचारिक और संगठनात्मक पूर्वज है। वे स्वयं एक बंगाली मेधावी थे, कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य। उनके व्यक्तित्व ने इस परियोजना को एक बौद्धिक गरिमा और एक विशिष्ट भौगोलिक प्रतीकात्मकता दी। बीजेपी के लिए बंगाल इसीलिए कभी महज एक और चुनावी रणभूमि नहीं रहा, यह पार्टी की आत्मा का जन्मस्थान है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना

फिर भी सात दशकों तक वह आत्मा बंगाल में भटकती रही। जनसंघ और बाद में बीजेपी अपनी ही जन्मभूमि में एक पूर्ण अनाथ की तरह रही, 2016 में महज तीन विधानसभा सीटें जीतने वाली पार्टी. यह विरोधाभास तीखा था, जो दल बंगाल की मिट्टी से अपनी प्रेरणा लेता है, वही दल बंगाल को कभी नहीं जीत पाता. यही अधूरा काम जिसे मोदी-शाह की जोड़ी ने, सुनियोजित धैर्य, रणनीतिक आक्रामकता और अंततः इस असाधारण जनादेश के द्वारा पूरा किया.मोदी का अपने विजय भाषण में मुखर्जी का स्मरण करना केवल भावुकता नहीं थी. यह एक सुनिश्चित वैचारिक समापन था, एक संदेश कि बीजेपी ने अंततः अपने संस्थापक का बंगाल से वह अधूरा वायदा पूरा कर दिया।

वे 4 महिलाएं, जिन्होंने संघर्ष की पेश की मिसाल

रेखा पात्रा, रत्ना देबनाथ, कालिता मांझी और चंदना बाउरी इन चारों चेहरों को गौर से देखिए, इन चारों ने बंगाल में इतिहास रचा है। बंगाल चुनाव की कलेजा चीर देने वाली कहानी, रत्ना देबनाथ, रेखा पात्रा-कालिता मांझी और चंदना बाउरी के आंसुओं ने ममता को मिट्टी में मिलाया और बीजेपी का ब्रह्मास्त्र बनीं! इनकी कहानी केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि उन अनसुनी चीखों की है जिन्होंने सत्ता के अहंकार को मिट्टी में मिला दिया। जब इंसाफ के सारे दरवाजे बंद कर दिए जाएं, तो दीवारें गिराना ही आखिरी रास्ता बचता है। रत्ना देबनाथ की ये जीत महज एक राजनीतिक नतीजा नहीं, बल्कि एक माँ के अटूट विश्वास की जीत है! तीनों महिलाओं की जीत ने साबित कर दिया कि लोकतंत्र में जनता ही 'जनार्दन' है। इन तीनों महिलाओं ने अपनी निजी त्रासदी और संघर्ष को हथियार बनाकर ममता बनर्जी के 15 साल के अभेद्य किले को ध्वस्त कर दिया और बीजेपी की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। मई 2026 के इन चुनावी नतीजों ने ये साफ कर दिया है कि जनता की अदालत से बड़ा कोई दरबार नहीं होता। पानीहाटी की सीट से रत्ना देबनाथ की जीत इस बात का प्रमाण है कि बंगाल अपनी 'बेटी' के लिए न्याय की पुकार को भूला नहीं है। एक माँ, जिसने अपनी सबसे बड़ी पूंजी यानी अपनी बेटी को खोया, उसने हार मानकर घर बैठने के बजाय उस व्यवस्था का हिस्सा बनने का फैसला किया जिसने उसे निराश किया था। अगर सिस्टम आपका साथ नहीं दे रहा, तो खुद सिस्टम बन जाओ। रत्ना जी ने इस जुमले को हकीकत में बदल दिया है, अब उनकी आवाज़ सिर्फ सड़कों और रैलियों में नहीं, बल्कि उस विधानसभा के सदन में गूँजेगी जहाँ कानून बनते हैं। यह जीत उन सभी के लिए एक उम्मीद है जो सत्ता के सामने खुद को बेबस महसूस करते हैं। पानीहाटी के लोगों ने आज अपनी इस बहादुर माँ का हाथ थामकर यह बता दिया है कि न्याय की मशाल अब और तेज़ जलेगी। पश्चिम बंगाल की सालतोरा विधानसभा सीट एक बार फिर चंदना बाउरी की ऐतिहासिक राजनीतिक यात्रा की गवाह बनी है. कभी प्रवासी मजदूर और गृहिणी के रूप में संघर्षप... पश्चिम बंगाल की सालतोरा विधानसभा सीट एक बार फिर चंदना बाउरी की ऐतिहासिक राजनीतिक यात्रा की गवाह बनी है. केलाई गांव, सालतोरा ब्लॉक की रहने वाली चंदना बाउरी की कहानी सामान्य राजनीतिक पृष्ठभूमि से बिल्कुल अलग है. राजनीति में आने से पहले वह आर्थिक तंगी के चलते प्रवासी मजदूर के रूप में काम करती थीं और घर की जिम्मेदारियों को संभालने के लिए छोटे-मोटे कामों पर निर्भर थीं लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव ने उनकी जिंदगी को एक नई दिशा दी, जब भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें सालतोरा सीट से उम्मीदवार बनाया और उन्होंने पहली बार विधायक बनकर सबको चौंका दिया. 2026 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें दोबारा टिकट दिया. इस बार भी जनता ने उनके काम और छवि पर मुहर लगाई और चंदना बाउरी ने एक बार फिर जीत दर्ज की. उन्होंने कुल 1,15,180 वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार उत्तम बाउरी को 32,135 वोटों के बड़े अंतर से हराया.

> जब इंसाफ के सारे दरवाज़े बंद कर दिए जाएं, तो दीवारें गिराना ही आखिरी रास्ता बचता है। रत्ना देबनाथ की ये जीत महज़ एक राजनीतिक नतीजा नहीं, बल्कि एक माँ के अटूट विश्वास की जीत है!

बर्तन धोकर 4500 रुपये मासिक कमाती है कालिता

कालिता मांझी, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच ये नाम काफी सुर्खियों में है. ऐसा इसलिए है क्योंकि कालिता चुनाव में जीतकर विधायक बन गई है, अब आप सोच रहे होंगे कि इसमें क्या खास बात है. कई लोगों ने जीत दर्ज की है और वो विधायक बने हैं फिर कलिता में ऐसी क्या खास बात है. तो चलिए आपको बताते हैं. कालिता दूसरों के घरों में बर्तन मांजने और साफ-सफाई का काम करती थीं, लेकिन अब विधायक चुन ली गई हैं. जिनके हौसले बुलंद होते हैं, उनकी जीत निश्चित होती है. आउसग्राम सीट से कालिता मांझी, जो महज 2,500 महीना कमाने वाली घरेलू कामगार थीं, अब विधायक बन गई हैं. गुस्कारा नगर पालिका की रहने वाली मांझी चार घरों में काम करती थीं, लेकिन उनकी जमीनी पकड़ और जनता से जुड़ाव ने उन्हें राजनीति में खास पहचान दिलाई. कालिता मांझी की जीत बीजेपी के लिए एक व्यापक जनादेश के साथ आई है, जिसने राज्य में सत्ता हासिल की है. मांझी ने 1,07,692 वोट हासिल कर अपने प्रतिद्वंदी श्यामा प्रसन्ना लोहार को 12,535 वोटों के अंतर से हराया. उन्होंने आगे कहा कि वह अपने पति और बेटे को कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह में ले जाने की योजना बना रही हैं, लेकिन उनके पास इस अवसर के लिए उपयुक्त कोई सुंदर साड़ी नहीं है. उन्होंने कहा 'मैं अपनी आर्थिक स्थिति और अपने परिवार की आय और सामाजिक स्थिति से भली भांति परिचित हूं'.मांझी की इस सादगी को देखते हुए उनके मालिक कृष्णा पात्रा ने उन्हें साड़ी उपहार में देने का फैसला किया है. कृष्णा पात्रा, जिनके घर माझी पिछले 20 सालों से काम कर रही हैं, उनकी जीत से बेहद खुश हैं. उन्होंने कहा कि माझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनकी सफलता पर उन्हें गर्व है. मांझी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में भी किस्मत आजमाई थी, लेकिन तब उन्हें तृणमूल कांग्रेस के अभेदानंद से 11,815 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था. हालांकि, पार्टी ने उन पर भरोसा बनाए रखा और इस बार उनकी मेहनत रंग लाई. सोमवार देर रात जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद जब वह घर लौटीं, तो उनका स्वागत किसी भव्य जश्न या दावत के साथ से नहीं हुआ. उन्होंने बताया 'मुझे रात 10:30 बजे के बाद अपना जीत का प्रमाण पत्र मिला. मैंने मुश्किल से कुछ खाया था और दिनभर के तनाव के बाद मुझे बहुत भूख लगी थी. मैंने अपनी सास के हाथ का बना आलू-पोटोलर झोल खाया।

बंगाल में महिलाओं का मुद्दा

बीजेपी ने इस क्षण को अद्भुत सटीकता से पहचाना. आरजी कर की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ को पानिहाटी से प्रत्याशी बनाना एक ऐसा राजनीतिक प्रतीक था जो हर शोर को चीर गया. साल 2024 की शुरुआत में संदेशखाली का संकट जहां महिलाओं ने तृणमूल नेता शेख शाहजहां के नेटवर्क पर बलात्कार और जमीन-कब्जे के आरोप लगाए, उस आख्यान की भूमिका पहले ही तैयार कर चुका था कि बनर्जी के बंगाल में महिलाएं संरचनात्मक रूप से असुरक्षित हैं. अमित शाह का यह वचन कि बीजेपी सरकार में किशोरी बेटियां भी रात को निर्भय चल सकेंगी, ममता के उस दावे का सीधा खंडन था जिसमें वे बंगाल को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य कहती रहीं.

हिंदुत्व और महिला-सुरक्षा से परे, बीजेपी की 'मोदी की गारंटी' उस आकांक्षी बंगाल से भी बात कर रही थी जिसे 15 साल में आर्थिक रूप से पिछड़ा छोड़ दिया गया था. बंगाल का युवा गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक की ओर रोज़गार के लिए पलायन कर रहा है. मोदी के पूर्वोदय विज़न में उसे वह भविष्य दिखा जो मासिक नकद हस्तांतरण में नहीं मिलता. पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत को बंगाल तक पहुंचाने का वादा उस सबसे बड़ी विडंबना का उत्तर था, जिसमें ममता ने विशुद्ध राजनीतिक कारणों से अपने ही मतदाताओं को केंद्र की स्वास्थ्य योजना से वंचित रखा था.

'अंग, बंग, कलिंग' में कमल

सुकेश सिंह

2026 में भाजपा की कामयाबी को केवल चुनावी जीत की दृष्टि से देखना न्यायसंगत नहीं होगा.पश्चिम बंगाल भारत का पूर्वी प्रहरी है.बांग्लादेश से लगी सीमा, नेपाल और भूटान से साझा मोर्चा और पूर्वोत्तर के सात राज्यों का प्रवेशद्वार. कोलकाता में बीजेपी सरकार का अर्थ है कि बिहार,ओडिशा और बंगाल से होते हुए पूरा पूर्वी गलियारा एनडीए की शासन-दृष्टि के साथ एकरेखीय हो गया है. गृहमंत्री अमित शाह ने इसे जो 'अंग, बंग, कलिंग' का संगम कहा था, वह भूगोल के स्तर पर अब एक सत्य बन चुका है. और मोदी का 'पूर्वोदय' पूर्वी भारत के उत्थान का स्वप्न, अब एक नारे से बढ़कर एक संरचनात्मक राजनीतिक यथार्थ में रूपांतरित हो गया है.

लेकिन इस जीत का ईमानदार विश्लेषण तब तक अधूरा रहेगा जब तक हम ममता बनर्जी के कद को उसकी पूरी ऊंचाई में नहीं देखते. वे आधुनिक भारत की सबसे असाधारण राजनेताओं में से एक कही जाती रहीं, वह महिला जिसने अपने अकेले दम पर 34 साल की वाम मोर्चे की सत्ता ध्वस्त की, जो तीन बार मुख्यमंत्री बनीं और जिसका बंगाल के गरीबों से संपर्क लगातार रहा. साल 2021 में उन्होंने उस बीजेपी को पटखनी दी जिसकी तरफ से प्रधानमंत्री मोदी ने 17 रैलियां की थीं. इसलिए 2026 की हार को समझने के लिए केवल बीजेपी के उभार की नहीं, बल्कि ममता के अपने राजनीतिक प्रकल्प की आंतरिक विकृतियों की भी पड़ताल ज़रूरी है.उनका शासन-मॉडल मूलतः एक ऐसी संरचना पर टिका था जिसे सामाजिक न्याय का नाम दिया गया, लेकिन जो 15 सालों में एक संगठित संरक्षण-तंत्र से अलग नहीं रहा. लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, स्वास्थ्य साथी ये योजनाएं वास्तविक थीं, लेकिन उनकी डिलीवरी एक ऐसे दलाली-ढांचे के भीतर कैद थी, जो राशन घोटाले, स्कूल-नियुक्ति घोटाले, कोयला और मवेशी तस्करी के नेटवर्क और पंचायत स्तर तक फैले सिंडिकेट राज की शक्ल में सामने आया. यह कोई अपवाद नहीं था, यह तृणमूल की शासन-प्रणाली का ही संचालन-तंत्र था. राशन घोटाले के आरोपी पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की 31,000 से अधिक मतों के अंतर से पराजय केवल एक व्यक्ति का नहीं, एक पूरी व्यवस्था का पतन है. यदि भ्रष्टाचार धीमा ज़हर था, तो अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक जूनियर चिकित्सक के साथ हुए बलात्कार और हत्या ने उस ज़हर को अचानक आग में बदल दिया. यह मामला बनर्जी सरकार के लिए इसलिए विनाशकारी साबित हुआ, क्योंकि उसने एक संस्थागत प्रतिक्रिया को उजागर किया, कुछ ही घंटों में स्थानांतरित किया गया प्रधानाचार्य, पुलिस आयुक्त का न्यायिक सहयोग से इनकार और एक मुख्यमंत्री जो न्याय दिलाने से पहले राजनीतिक क्षति-नियंत्रण में लग गई. इसके बाद जो हुआ वह अभूतपूर्व था 'रिक्लेम द नाइट' (रात को वापस लो) रैलियों में प्रतिद्वंद्वी फुटबॉल क्लबों के समर्थक एक साथ चले, साल्टलेक की आईटी कॉलोनी में मोमबत्तियां जलीं, चिकित्सकों और डिलीवरी कर्मियों ने एक ही मंच साझा किया.यह विपक्षी राजनीति नहीं थी, यह एक सभ्यता का बेचैन होना था.

जम्मू के ज्वेलर और बीजेपी नेता का सौजन्य

पीएम मोदी को भेंट किया

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने प्रचंड जीत दर्ज की है. बीजेपी ने बंगाल में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी को उखाड़ फेंका है. बीजेपी की जीत से गदगद जम्मू के एक ज्वेलर और बीजेपी के प्रवक्ता रिंकू चौहान की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अनोखा तोहफा तैयार किया गया है. जिसे उन्होंने खुद दो महीनों की कड़ी मेहनत के बाद तैयार किया है. उन्होंने दिन रात काम करके तीन किलो शुद्ध चांदी का कमल का फूल बनाया. जो कि बीजेपी का चुनाव चिन्ह है. उस पर पीएम मोदी के नाम को लिखा गया है. उनकी पत्नी अंजली चौहान भी बीजेपी महिला मोर्चा की नार्थ जम्मू जिला अध्यक्ष है.

बंगाल की जीत पर जताई खुशी

रिंकू चौहान ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल में जीत को लेकर काफी खुश है. इसलिए वह खुद पीएम मोदी को अनोखा तोहफा देना चाहते थे. उनका कहना था कि उन्हें पहले से ही पता था कि बीजेपी बंगाल में जीत हासिल करेगी. इसलिए उन्होंने दो माह पहले से ही तोहफे को तैयार करना शुरू कर दिया था. उन्होंने बताया कि पीएम मोदी समेत बीजेपी के नेताओं ने बंगाल में जीत हासिल करने के लिए काफी मेहनत की थी. इसलिए उन्हें पता था कि वह जीत हासिल करेंगे. रिंकू चौहान ने बात करते हुए बताया कि पीएम मोदी ने जम्मू कश्मीर में काफी विकास के काम किए है. विशेषतौर पर धारा 370 हटाकर नई राह प्रदान की है. उन्होंने कहा कि कश्मीर में अब पथराव नहीं होता है. अब कश्मीर में पर्यटकों की गिनती बढ़ती है. इसके पीछे का कारण पीएम मोदी ही है. राम मंदिर का निर्माण करवाया गया. जिससे की पूरा देश पीएम का शुक्रिया करता है. उनका कहना था कि वह पीएम मोदी की तरफ से करवाए जा रहे कामों को लेकर काफी प्रभावित है. इसलिए वह कोई विशेष तोहफा देना चाहते थे. इसके लिए उन्होंने दिन रात मेहनत की और कमल को तैयार किया है. अब उनकी दिल से इच्छा है कि वह खुद मोदी को तोहफा प्रदान करें. पेशे से ज्वेलर रिंकू चौहान ने बताया कि यह उनका खानदानी काम है. उनके दादा फिर पिता और अब वह सुनार का काम करते है. उनका कहना था कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत का इंतजार सालों से पार्टी का हर कार्यकर्ता कर रहा था. अब बंगाल में जब भगवा लहरा गया है तो कार्यकर्ताओं की खुशी का ठिकाना नहीं है. पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करने के लिए चांदी का कमल बनाया है.

अब बदल जाएगा सत्ता का केंद्र, लौटेगी लालबाड़ी की गरिमा

बंगाल में भाजपा की नई सरकार ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग को फिर से सत्ता के केंद्र में लाने की तैयारी में है. 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद इसे वामपंथी दौर का प्रतीक मानते हुए प्रशासनिक पावर से अलग कर दिया गया और नया सचिवालय 'नबन्ना' में स्थानांतरित कर दिया गया. प्रत्यक्ष तौर पर इसे मरम्मत का बहाना बनाकर किया गया.अब जब सत्ता बदली है तो भाजपा सरकार नबन्ना की जगह फिर से राइटर्स बिल्डिंग में जा सकती है. यह इमारत तीन शताब्दियों से बंगाल की सत्ता, संघर्ष और राजनीतिक विरासत का जीवंत प्रतीक रही है.

लाल रंग की इस इमारत का डिजाइन 1777 में थॉमस लियोन ने तैयार किया था. लंबे समय तक ईस्ट इंडिया कंपनी का यह मुख्यालय आजादी के बाद बंगाल सरकार के सचिवालय के रूप में तब्दील हो गया.सूत्रों के अनुसार, अब भाजपा इस ऐतिहासिक भवन को पुनर्जीवित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है. चुनाव परिणाम के बाद इसकी साफ-सफाई और प्रारंभिक निरीक्षण शुरू हो चुका है. लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने भवन की स्थिति का आकलन किया है.शुरुआत में सीएम कार्यालय समेत कुछ प्रमुख विभागों को यहां स्थानांतरित करने पर विचार हो रहा है. यदि भाजपा इस पर आगे बढ़ती है तो न केवल ऐतिहासिक इमारत का पुनरुद्धार होगा, बल्कि बंगाल की राजनीति में इतिहास के सहारे भविष्य गढ़ने की रणनीति का उदाहरण भी बन सकता है.इस कदम को राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है. भाजपा बंगाल में अपनी जड़ों को मजबूत करने के लिए इतिहास और सांस्कृतिक प्रतीकों के सहारे नया नैरेटिव गढ़ना चाहती है. राइटर्स बिल्डिंग के जरिए संदेश देने की कोशिश होगी कि सत्ता परिवर्तन केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रशासनिक परंपराओं और प्रतीकों की भी सम्मानजनक वापसी है. प्रशासनिक शक्ति का केंद्र रही राइटर्स बिल्डिंग राइटर्स बिल्डिंग को ईस्ट इंडिया कंपनी के उन कर्मचारियों के लिए बनाया गया था, जिन्हें 'राइटर्स' कहा जाता था. बाद में यह प्रशासनिक शक्ति का केंद्र बन गया. 150 मीटर लंबी और 55 हजार वर्गफुट क्षेत्र में फैली यह इमारत टेराकोटा ईंटों से बनी है और अपने विशिष्ट स्थापत्य के लिए जानी जाती है. यह भवन कई ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी भी रहा है. स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बिनय बसु, बादल गुप्ता और दिनेश गुप्ता ने यहीं ब्रिटिश अधिकारी सिम्पसन की हत्या कर औपनिवेशिक शासन को चुनौती दी थी. बाद में इन्हीं तीनों के नाम पर डलहौजी स्क्वायर का नाम बदलकर बीबीडी बाग रखा गया.

मात्र 16 करोड़ की लागत से लौट सकता है गौरव

सरकार ने स्टडी का काम जाधवपुर विश्वविद्यालय को सौंपा था, जिसके माध्यम से कोटेक्स कंपनी ने किया. रिपोर्ट में बताया गया कि थोड़ी मरम्मत, वाटरप्रूफिंग और संरचनात्मक मजबूती के बाद भवन में सचिवालय का काम संचालित किया जा सकता है. इसपर मात्र 16 करोड़ की लागत आएगी. लेकिन वामदलों से बदला की भावना के तहत सरकार ने रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया. रिपोर्ट में कहा गया है कि भवन उपयोग के लायक है. सारे हिस्से सामान्य भार वहन करने में सक्षम हैं. हालांकि कुछ समस्याएं हैं. जैसे कॉरिडोर में पत्थर की स्लैब को आरसीसी स्लैब से बदलने के कारण दरारें आई हैं. सीपेज, नमी, प्लास्टर क्षति और पुराने एवं नए निर्माण के असंगत मेल से संरचना पर दबाव है. भूकंपीय दृष्टि से बड़े हाल की छतों को हल्का संवेदनशील बताया गया है, जिसे मरम्मत कर ठीक किया जा सकता है.

बंगाल की 121 सालों की राजनीतिक यात्रा के पड़ाव

> पश्चिम बंगाल में साल 2016 के बाद नया मुकाबला देखने को मिला। भाजपा का उदय मुख्य रूप 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद तेजी से हुआ है। 2016 में मात्र 3 सीटें (3% वोट) जीतने वाली भाजपा ने 2021 विधानसभा चुनावों में 77 सीटें (38% से अधिक वोट) जीतकर खुद को मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित किया। इसी चुनाव में मुख्यमंत्री ममता खुद अपनी विधानसभा सीट भवानीपुर हार गई थी। बाद में नंदीग्राम उपचुनाव जीतकर ममता ने अपना मुख्यमंत्री पद बनाए रखा था।

उर्मिला अग्रवाल

पश्चिम बंगाल की राजनीति भारत की बदलती राजनीतिक दिशा का जीता-जागता उदाहरण है। ब्रिटिश काल में बंगाल विभाजन के विरोध और स्वदेशी आंदोलन से शुरू हुई यह यात्रा राष्ट्रवादी चेतना का प्रमुख केंद्र बनी। आजादी के बाद कांग्रेस ने विकास की नींव रखी, फिर लेफ्ट फ्रंट के लंबे शासन ने स्थिरता और लेफ्ट विचारधारा को मजबूत किया। साल 2011 में ममता बनर्जी के 'परिवर्तन' आंदोलन ने नई राजनीतिक दिशा दी। हाल के वर्षों में भाजपा के उभार ने राजनीति को और प्रतिस्पर्धी बना दिया है। वर्त्तमान समय की बात करें तो प्रमुख मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है। बंगाल आज भी विचारधारा, जनआंदोलनों और राजनीतिक जागृति का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। आइये नजर डालते हैं बंगाल के पूरे राजनीतिक सफर पर और जानते हैं कैसे एक राज्य भारत की राजनीति का केंद्र बन गया?

आजादी से पहले का बंगाल

ब्रिटिश शासन के दौरान साल 1905 में वायसराय लॉर्ड कर्जन ने बंगाल का विभाजन किया गया। बंगाल विभाजन के पीछे भारतीयों की हिन्दू-मुस्लिम एकता को तोड़ने की साजिश थी। अंग्रेजों ने मुस्लिम-बहुल पूर्वी हिस्से को असम के साथ मिलाकर अलग प्रांत बना दिया। वहीं दूसरी तरफ हिंदू-बहुल पश्चिमी हिस्से को बिहार और उड़ीसा के साथ मिलाकर पश्चिम बंगाल नाम का अलग प्रान्त बना दिया। इसके पीछे अंग्रेजों का मकसद यह था कि दोनों प्रांतों में दो अलग-अलग धर्मों के बहुसंख्यक हों। इस विभाजन के खिलाफ देशभर में आंदोलन हुए। उस दौरान सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और सुभास चन्द्र बोस जैसे नेताओं ने बंगाल को राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनाया। स्वदेशी आंदोलन ने आजादी की लड़ाई में नई ऊर्जा डाल दी। हालांकि, मात्र छह साल बाद इसे फिर से पहले की तरह एक कर दिया गया। 1911 में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा बंगाल को दोबारा एक किया गया। आजादी के बाद पश्चिम बंगाल की सत्ता कांग्रेस के हाथ में रही। साल 1947 से 1977 तक कांग्रेस ने सत्ता संभाली। राज्य के पहले मुख्यमंत्री प्रफुल्ल चंद्र घोष थे। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 से 14 अगस्त 1948 तक इस पद को संभाला था। हालांकि, 1950 में संविधान लागू होने के बाद डॉ. बिधान चंद्र रॉय को राज्य का पहला औपचारिक मुख्यमंत्री चुना गया। बिधान चंद्र ने ही कोलकाता और राज्य के आधुनिक विकास की नींव रखी। इन्ही की जयंती पर देशभर में 1 जुलाई को 'डॉक्टर्स डे' भी मनाया जाता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में फिर लेफ्ट फ्रंट का दौर आया। साल 1977 से 2011 तक ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने से पहले तक वाम सरकार ने 34 साल तक पश्चिम बंगाल की सत्ता संभाली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड भी लेफ्ट फ्रंट के नेता ज्योति बसु के नाम दर्ज है। उन्होंने 1977 से 2000 तक लगभग 23 साल तक सत्ता संभाली। राजनीति में इतने लंबे समय तक टिके रहना कोई आसान काम नहीं है।

साल 1977 में मुख्यमंत्री बनने के समय राज्य की राजनीति नए दौर में प्रवेश कर रही थी। वामपंथी विचारधारा के साथ उन्होंने सरकार चलाई और धीरे-धीरे अपनी पकड़ इतनी मजबूत कर ली कि विपक्ष उनके सामने टिक नहीं पाया। उनकी राजनीति में दिखावा कम, काम और फैसलों का असर ज्यादा था। इसी वजह से जनता ने उन्हें बार-बार विश्वास दिया।

ममता बनर्जी और परिवर्तन की राजनीति

साल 2011 में ममता के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने 34 साल पुराने लेफ्ट फ्रंट को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। इसी के साथ बंगाल में ममता युग की शुरुआत हुई। ममता बनर्जी को बंगाल की सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री के रूप में गिना जाता है। बंगाल की राजनीति में ममता के दौर को परिवर्तन का दौर कहा जाता है।

बंगाल में भाजपा का उदय

पश्चिम बंगाल में साल 2016 के बाद नया मुकाबला देखने को मिला। भाजपा का उदय मुख्य रूप 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद तेजी से हुआ है। 2016 में मात्र 3 सीटों (3% वोट) जीतने वाली भाजपा ने 2021 विधानसभा चुनावों में 77 सीटें (38% से अधिक वोट) जीतकर खुद को मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित किया। इसी चुनाव में मुख्यमंत्री ममता खुद अपनी विधानसभा सीट भवानीपुर हार गई थी। बाद में नंदीग्राम उपचुनाव जीतकर ममता ने अपना मुख्यमंत्री पद बनाए रखा था।

पश्चिम बंगाल में साल 2016 के बाद नया मुकाबला देखने को मिला। भाजपा का उदय मुख्य रूप 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद तेजी से हुआ है। 2016 में मात्र 3 सीटों (3% वोट) जीतने वाली भाजपा ने 2021 विधानसभा चुनावों में 77 सीटें (38% से अधिक वोट) जीतकर खुद को मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित किया। इसी चुनाव में मुख्यमंत्री ममता खुद अपनी विधानसभा सीट भवानीपुर हार गई थी। बाद में नंदीग्राम उपचुनाव जीतकर ममता ने अपना मुख्यमंत्री पद बनाए रखा था।

आरएसएस ने लिखी भाजपा की बंगाल विजय की मूल पटकथा, जमीन पर जमकर हुआ काम

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम में भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत मिला है। केंद्र में सत्ता में बैठी पार्टी ने पहली बार अपने राजनीतिक पूर्वज श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती पर जीत हासिल की है। संघ ने भी इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दशकों तक लेफ्ट और फिर पिछले 15 वर्ष से टीएमसी के कब्जे में रहे इस राज्य को हासिल करने के लिए भाजपा और उसके सहयोगियों ने एक दशक तक मेहनत की है। पिछले कई दशकों से बंगाल की राजनीतिक बिसात पूरी तरह से पार्टी कैडर के आधार पर बिछी हुई थी। धार्मिक आधार पर लोगों के बीच में ज्यादा एकजुटता बहुत कम थी। ऐसे में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को इस राज्य को तैयार करने के लिए एक दशक से ज्यादा का समय लग गया। संघ ने भाजपा की जीत को पुख्ता करने के लिए जमीनी स्तर पर जमकर काम किया। बंगाल की राजनीति को देखें तो यहां पर पहले कांग्रेस का वर्चस्व रहा। उसके बाद सत्ता की चाबी लेफ्ट पार्टियों के हाथों में आ गई। लगभग चार दशकों की सत्ता के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने लेफ्ट का किला गिरा दिया और फिर 15 साल तक सत्ता संभाली। कल भाजपा ने ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल कर दिया। इस बदलाव के पीछे एक नहीं कई कारण है। बंगाल में जो कुछ हुआ वह केवल एक चुनावी मुकाबना नहीं था बल्कि एक गहरी सामाजिक परियोजना का परिणाम था। संघ ने लगातार बंगाल में काम करके राज्य में मौजूद हिंदू समुदाय को एकजुट करने का काम किया। संघ की संगोष्ठी और बैठकों ने बंगाली हिंदुओं के मन में मौजूद जातिगत, क्षेत्रीय, वर्ग के विभाजन को कम करने का प्रयास किया। इस चुनाव के नतीजे साफ तौर पर दिखाते हैं कि बंगाली हिंदुओं ने इस बार एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में वोट किया है।

संघ ने लगातार बंगाल में काम करके राज्य में मौजूद हिंदू समुदाय को एकजुट करने का काम किया। संघ की संगोष्ठी और बैठकों ने बंगाली हिंदुओं के मन में मौजूद जातिगत, क्षेत्रीय, वर्ग के विभाजन को कम करने का प्रयास किया। इस चुनाव के नतीजे साफ तौर पर दिखाते हैं कि बंगाली हिंदुओं ने इस बार एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में वोट किया है।

संघ ने लाखों मतदाताओं से किया संपर्क

2021 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पहले के मुकाबले अपने प्रदर्शन में सुधार किया। इस समय भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने जनता के बीच में अपनी पैठ बनाई थी। इस चुनाव में जो कमियां रह गईं उसकी कसर 2026 के विधानसभा चुनाव के पहले पूरी कर ली गई। संघ ने बड़े पैमाने पर सभी विधानसभा सीटों पर लोगों से संपर्क किया। शांति से अपने काम को करने के लिए पहचाने जाने वाले संघ ने पूरे राज्य में करीब 2 लाख मतदाता जागरुक सभाएं कीं। इन सभाओं में छात्रों, आदिवासियों, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों से संपर्क साधा गया। भाजपा का कैडर जहां शोर के साथ राज्य में अपना प्रचार कर रहा था। उसके दूसरी तरफ संघ के स्वयं सेवक शांति के साथ अपना काम कर रहे थे। संघ की इन सभाओं में न तो बड़े-बड़े भाषण हुए और न ही बड़ी रैलियां। इन सब के बजाय एक सुनियोजित और लोकमत को परिवर्तित करने वाली सभाओं का आयोजन किया गया।

बांग्लादेश की घटनाओं ने भी निभाई भूमिका

संघ ने पश्चिम बंगाल के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 700 से ज्यादा सभाएं की। इन सभाओं ने प्रदेश की जनता को एक नया विकल्प दिखाया। इन सभाओं ने बंगाल चुनाव को एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बदलकर बंगाली हिंदुओं के अस्तित्व की लड़ाई बना दिया। बंगाल में शांत रहकर सभाओं के जरिए लोगों को समझाई गई इन बातों ने उनके मन पर बेहतर प्रभाव डाला। इससे आम बंगाली के मन में यह साफ हो गया कि हिंदु एकीकरण का यह विचार उनके ऊपर थोपा नहीं गया, बल्कि यह उनकी जरूरत है। दूसरी तरफ बांग्लादेश में हुई घटनाओं और बांग्लादेशी चुनाव में सीमाई क्षेत्रों में जमात के बढ़ते प्रभाव ने हिंदुओं को और भी ज्यादा एकजुट कर दिया।इस पूरे घटनाक्रम ने हिंदुओं को जातिगत सीमाओं से परे होकर एकीकरण की तरफ बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह पहली बार था कि बंगाली हिंदुओं ने एकजुट होकर मतदान किया हो।

पश्चिम बंगाल संघ का पुराना सपना

भाजपा के पुराने रूप भारतीय जनसंघ की स्थापना पश्चिम बंगाल से आए श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ही की थी। कश्मीर के मुद्दे पर भाजपा का नारा, 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है।' ने घर-घर में पहचान बनाकर रखी थी। लेकिन भाजपा और संघ के मन में यह कसक हमेशा से थी कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती पर आजादी के बाद से लेकर अभी तक वह सत्ता हासिल नहीं कर पाए हैं। इसलिए, संघ और भाजपा ने और भी ज्यादा मेहनत के साथ इस पर काम किया। सोमवार को जब नतीजे सामने आए, तो दिल्ली के भाजपा कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगाई गईं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विजयी भाषण के दौरान कहा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्म को अंततः शांति मिल गई है।आजाद भारत के इतिहास में पश्चिम बंगाल की राजनीति एक वंश की तरह आगे बढ़ती है। एक बार जो सत्ता में बैठ जाता है। उसे हटाना आसान नहीं होता पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और उसके बाद टीएमसी ने लगातार सत्ता का सुख भोगा है। अब भाजपा ने बंगाली नागरिकों के बीच में सामाजिक चेतना का विकास करके अपनी जमीन को और भी ज्यादा मजबूत कर लिया है। अब इस राज्य में भाजपा को हराने के लिए राजनीतिक विरोधियों को केवल एक राजनीतिक सत्ता नहीं बल्कि एक पुनर्गठित सामाजिक संरचना का सामना करना होगा। बंगाल में 2014 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का प्रभावशाली प्रदर्शन राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जाता है-भगवा लहर और कम्युनिस्ट पार्टी की वापसी। भाजपा के उदय को समझने और उसकी व्याख्या करने के प्रयास में, यह लेख पश्चिम बंगाल में हिंदुत्व की राजनीति का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण करता है, जिसमें हिंदू महासभा, भारतीय जनसंघ और संघ परिवार की वैचारिक और संगठनात्मक विरासत पर प्रकाश डाला गया है। हिंदुत्व की राजनीतिक महत्वाकांक्षा हमेशा अधूरी ही रही, क्योंकि एक शत्रुतापूर्ण कम्युनिस्ट गढ़ में वैचारिक और राजनीतिक वातावरण कभी भी उसकी राजनीति के अनुकूल नहीं रहा। फिर भी, भाजपा ने अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष जारी रखा, स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर व्यावहारिक राजनीतिक रणनीतियाँ अपनाईं, एक महत्वपूर्ण समय पर तृणमूल कांग्रेस के साथ चतुर राजनीतिक गठबंधन किया, वामपंथियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक नियंत्रण कमजोर होने पर अपने आधार का तेजी से विस्तार करने का अवसर लपक लिया और अंततः, जब ममता बनर्जी अपने समर्थन आधार को खोने लगीं, तब भाजपा ने अपने आधार का तेजी से विस्तार किया। 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के उदय से उत्साहित होकर, हिंदुत्ववादी ताकतों ने 2016 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस से पश्चिम बंगाल को छीनने के लिए एक महत्वाकांक्षी और आक्रामक अभियान शुरू कर दिया

न्यूज कॉर्नर

रैपिड के आखिरी दौर में कारूआना को हराकर चौथे स्थान पर रहे गुकेश

वारसॉ (पोलैंड): विश्व चैंपियन डी गुकेश ने सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को हराकर संयुक्त चौथा स्थान हासिल किया. पिछले कुछ महीनों से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले गुकेश ने इस तरह से फॉर्म में वापसी की. रैपिड वर्ग के बाद अब ब्लिट्ज वर्ग में 18 दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं. रैपिड के अंतिम दिन 19 वर्षीय गुकेश ने फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ हार के साथ शुरुआत की और फिर आठवें दौर में स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ ड्रॉ खेला. अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन ने 13 अंकों के साथ इस वर्ग का विजेता बनकर इतिहास रचा. नीमन ने अपने हमवतन वेस्ली सो को पूरे एक अंक से पीछे छोड़ा. फेडोसेव 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे. गुकेश ने कहा, ''रैपिड वर्ग में मेरा प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा. मैंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन मैं कुछ मौके चूक गया. कुछ मैच ऐसे भी थे जिसमें मैं मुश्किल में था और किसी तरह खुद को बचा पाया. मेरा प्रदर्शन और बेहतर हो सकता था.'' गुकेश, कारुआना और पोलैंड के डुडा जान-क्रजिस्ज्टॉफ नौ-नौ अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे.

आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में पहले दिन भारतीयों खिलाड़ियों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

अल्माटी (कजाकिस्तान): आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन प्रतियोगिता में भारत के शपथ भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष ट्रैप स्पर्धा के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. असानोव शूटिंग क्लब में आयोजित प्रतियोगिता में शपथ ने 75 में से 71 निशाने साधे. शपथ भारद्वाज ने दिन की शुरुआत लगातार दो परफेक्ट 25-25 की सीरीज के साथ की. हालांकि, तीसरी सीरीज में वह 21 अंक ही बना सके, जिसके कारण उनकी रैंकिंग थोड़ी नीचे खिसक गई. इसके बावजूद वह भारतीय खिलाड़ियों में सबसे आगे रहे. भारत के विवान कपूर ने भी दूसरी सीरीज में परफेक्ट 25 का स्कोर किया. उन्होंने पहली सीरीज में 22 और तीसरी में 23 अंक हासिल कर दिन का समापन 70 अंकों के साथ किया. अहवर रिज़वी ने 23, 22 और 23 के स्कोर के साथ कुल 68 अंक जुटाए. रैंकिंग अंक के लिए खेल रहे उदेवीर सिंह जैजी ने 71 और अली अमान इलाही ने 66 अंक बनाए. महिला ट्रैप स्पर्धा में मनीषा कीर भारत की सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज रहीं. उन्होंने शुरुआती दो सीरीज में लगातार 24-24 अंक हासिल किए, लेकिन तीसरी सीरीज में 21 निशाने ही साध सकीं. कुल 69 अंकों के साथ वह फिलहाल 17वें स्थान पर हैं. राष्ट्रीय चैंपियन नीरू ढांडा ने 23, 23 और 22 अंक हासिल कर कुल 68 स्कोर बनाया और 21वें स्थान पर रहीं. प्रगति दुबे ने 18, 23 और 24 के स्कोर के साथ कुल 65 अंक बनाए, जिससे वह 35वें स्थान पर हैं. रैंकिंग अंक के लिए खेल रहीं वर्षा वर्मन ने 61 और विधि सिंह ने 62 अंक अर्जित किए. पुरुष और महिला दोनों ट्रैप स्पर्धाओं के बाकी 50 निशाने और फाइनल मुकाबले शनिवार को खेले जाएंगे.

क्रिकेट भारत का नंबर एक खेल, लेकिन बास्केटबॉल के लिए भी अपार संभावनाएं: डिवैक

नयी दिल्ली: एनबीए के महान खिलाड़ी व्लाडे डिवैक इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि भारत में क्रिकेट नंबर एक खेल है लेकिन इसके बावजूद उन्हें उम्मीद है कि बास्केटबॉल भी देश में अपनी जगह बना लेगा. सैक्रामेंटो किंग्स के सात फीट एक इंच लंबे इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को यहां अमेरिकन सेंटर में राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न स्कूलों और अकादमियों के 100 से अधिक बच्चों के साथ बास्केटबॉल खेली. डिवैक ने कहा, ''मैं वास्तव में हैरान हूं. बच्चे काफी प्रतिभाशाली हैं.'' दो ओलंपिक रजत पदक (1988 और 1996) और दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक (1990 और 2002) के विजेता डिवैक ने युवा खिलाड़ियों के साथ काफी समय बिताया. उन्होंने कहा, ''मैं लड़कियों के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हूं. भारत बड़ा देश है और यहां बहुत सारे बच्चे हैं. भारत अगर सही राह पर चले तो वह इस खेल में मजबूत शक्ति बन सकता है. एनबीए एक वैश्विक ब्रांड है और भविष्य में हमारे पास भारत से कुछ एनबीए खिलाड़ी हो सकते हैं.'' भारत की एनबीए में पहले भी उपस्थिति रही है, जब कनाडा में जन्मे सिम भुल्लर 2015 में लीग के साथ अनुबंध करने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने थे. संयोग से वह सैक्रामेंटो किंग्स ही था जिसने उन्हें टीम में शामिल किया था और उस समय डिवैक टीम के बास्केटबॉल संचालन के उपाध्यक्ष थे. सतनाम सिंह एनबीए में खेलने वाले पहले भारतीय बने थे. उन्होंने 2015 में डलास मावेरिक्स से अनुबंध किया था. डिवैक ने कहा, ''भारत एक विशाल देश है जिसके लोग बेहद खूबसूरत हैं. हम बास्केटबॉल के लिए बच्चों को तैयार करने में उनकी मदद करना चाहेंगे. मुझे पता है कि उन्हें कई खेल पसंद हैं, जिनमें सबसे ऊपर क्रिकेट है और उन्हें हमेशा इस खेल से लगाव बनाए रखना चाहिए क्योंकि यह 'राष्ट्रीय खेल' है.'' भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता को देखते हुए डिवैक ने इसे राष्ट्रीय खेल का दर्जा दे दिया जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है.

कोहली का विकेट लेने से अच्छा लगा, लेकिन मैच जीतना महत्वपूर्ण: प्रिंस यादव

लखनऊ: लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने यहां आईपीएल मैच के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को एक बेहतरीन गेंद से आउट किया, लेकिन वह इसे ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहते और उन्होंने कहा कि टीम का जीत हासिल करना अधिक महत्वपूर्ण है. आरसीबी की टीम बारिश से प्रभावित इस मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 213 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी लेकिन उसकी टीम निर्धारित 19 ओवर में छह विकेट पर 203 रन ही बना पाई. मिचेल मार्श के 111 रन की बदौलत एलएसजी ने तीन विकेट पर 209 रन बनाए थे. प्रिंस ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए. प्रिंस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''कोहली का विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा लगा, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि हमने मैच जीत लिया. अगर मैंने विकेट लिया होता और हम हार जाते, तो इतना अच्छा नहीं लगता.'' उन्होंने कहा, ''कोई भी गेंदबाज जब किसी भी तरीके से विकेट लेता है तो अच्छा लगता है. अगर परिस्थिति ऐसी होती है कि हम विकेट लेकर ही मैच जीत सकते हैं तो वही हुआ और मुझे अच्छा लग रहा है.'' प्रिंस ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 विकेट लिए हैं, जो शीर्ष पर चल रहे गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार (17) और अंशुल कंबोज (17) से केवल एक विकेट कम है. इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से नई गेंद से गेंदबाजी करने के बारे में बहुत कुछ सीखा है. उन्होंने कहा, ''मैंने उनसे (शमी से) नई गेंद से गेंदबाजी करने के बारे में बहुत कुछ सीखा. उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी कोई गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा होता है तो वह मिड-ऑन या मिड-ऑफ पर खड़े होते हैं. अगर आपका साथ देने के लिए इतना अनुभवी खिलाड़ी हो तो आत्मविश्वास का स्तर अलग ही होता है.'' आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि प्रिंस की गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया. पाटीदार ने कहा, ''हमने दिल्ली में प्रिंस के साथ कई घरेलू मैच खेले हैं. मैं उन्हें लंबे समय से देखता आ रहा हूं. उनकी गेंदबाजी में विविधता है. उनके पास गति है. उनके पास स्विंग है. वह एक कुशल तेज गेंदबाज हैं. उन्होंने आज बहुत अच्छी गेंदबाजी की. मुझे लगता है कि अपनी गेंदबाजी से उन्होंने मैच का रुख बदल दिया.'' आरसीबी अभी 10 मैचों के बाद 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और पाटीदार ने कहा कि टीम खिताब का बचाव कर सकती है. उन्होंने कहा, ''हम इस सत्र में मौजूदा चैंपियन के रूप में खेल रहे हैं और हमारे पास फिर से चैंपियन बनने का मौका है.''

राजस्थान रॉयल्स से आगे निकलने की कोशिश करेगा गुजरात टाइटंस

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा.

जयपुर: आत्मविश्वास से ओतप्रोत गुजरात टाइटन्स शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगा. राजस्थान रॉयल्स और गुजरात की टीम की स्थिति लगभग समान है. इन दोनों ने अब तक 10 मैचों में छह जीत और चार हार दर्ज की हैं. रॉयल्स बेहतर नेट रन रेट (0.510) के कारण गुजरात से आगे है. गुजरात टाइटन्स ने हालांकि लगातार तीन जीत हासिल की हैं और वह शीर्ष चार में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है. रॉयल्स को अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा है. रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में कप्तान रियान पराग के 90 रन की मदद से छह विकेट पर 225 रन बनाए थे लेकिन उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए थे. यह लगातार दूसरा मौका था जब रॉयल्स 220 से अधिक के स्कोर का बचाव नहीं कर पाया. राजस्थान रॉयल्स हालांकि वैभव सूर्यवंशी (404 रन), यशस्वी जायसवाल (312) और यहां तक कि ध्रुव जुरेल (290) जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के कारण काफी मजबूत है, लेकिन उसका मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. इन बल्लेबाजों में केवल डोनोवन फरेरा (229) ही 150 या उससे अधिक रन बना पाए हैं. जुरेल रॉयल्स की बल्लेबाजी का महत्वपूर्ण अंग है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बन पा रहे हैं. जुरेल ने अपनी पिछली तीन पारियों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 42 रन, 20 गेंदों में 16 रन और 30 गेंदों में 42 रन बनाए हैं. इन आंकड़ों को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि सुधार की गुंजाइश है क्योंकि टूर्नामेंट में यह साफ हो गया कि कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है. आईपीएल का मौजूदा सत्र गेंदबाजों के लिए अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में रॉयल्स को विशेष कर बीच के ओवरों में अपनी गेंदबाजी की समस्याओं को दूर करना होगा. गुजरात टाइटंस की टीम इस बात से खुश होगी कि उसने सही समय पर लय हासिल कर ली है. कप्तान शुभमन गिल (378 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता है और वह इसे बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे. साई सुदर्शन (385) भी अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे. उन्होंने अपनी पिछली चार पारियों में दो अर्धशतक और एक शतक लगाया है. जोस बटलर (335) के निरंतरता बनाए रखने से गुजरात टाइटन्स का शीर्ष क्रम बेहद मजबूत नजर आता है. उसके पास निचले क्रम में मुश्किल परिस्थितियों से निपटने में माहिर अच्छे फिनिशर भी हैं. गुजरात टाइटंस की गेंदबाजी भी अच्छी है. कैगिसो रबाडा (16 विकेट) तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई बखूबी कर रहे हैं. उसकी टीम रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा (12) और मोहम्मद सिराज (11) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के प्रदर्शन से काफी खुश होगी. यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में 220 से अधिक के स्कोर का दो बार सफलतापूर्वक पीछा किया जा चुका है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले फील्डिंग करना पसंद करेगी.

टीम इस प्रकार हैं: (राजस्थान रॉयल्स) : रियान पराग (कप्तान), अमन राव, शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, ब्रिजेश शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, एडम मिल्ने, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, यशराज पुंजा, युद्धवीर सिंह. **(गुजरात टाइटंस)** : शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर (विकेटकीपर), कॉनर एस्टरहुइज़न, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जेसन होल्डर, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, निशांत सिद्धू, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, अरशद खान, अशोक शर्मा, गुरनूर बराड़, कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, आर साई किशोर, ईशांत शर्मा, ल्यूक वुड, जयंत यादव.

पैसे या भव्य परेड नहीं, बस चाहता हूं कि सभी खेलों की सफलता का जश्न मने : सात्विक

नयी दिल्ली: स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि थॉमस कप में भारतीय टीम द्वारा कांस्य पदक जीतने के बाद जनता की फीकी प्रतिक्रिया पर की गई उनकी हालिया टिप्पणी का उद्देश्य 'पैसे या भव्य स्वागत' की मांग करना नहीं था, बल्कि लोगों से सभी खेलों में 'हर छोटी-बड़ी जीत का जश्न मनाने' की अपील करना था. विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग शेट्टी की जोड़ी हाल ही में डेनमार्क में आयोजित थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी. सात्विक ने हालांकि स्वदेश लौटने पर सोशल मीडिया पर उनकी उपलब्धि को अपेक्षित पहचान न मिलने को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं. डेनमार्क से वापस आने के बाद सात्विक ने लिखा था, ''अब घर वापस आ गया हूं. हमेशा की तरह, पिछले दो सप्ताहों में क्या हुआ, यह किसी को पता नहीं है और ऐसा लगता है कि किसी को वास्तव में इसकी परवाह भी नहीं है.'' इस 25 साल के खिलाड़ी ने शुक्रवार को अपने विचारों को और स्पष्ट करने के लिए एक और सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया. उन्होंने लिखा, ''पिछले कुछ दिनों में थॉमस कप कांस्य पदक को लेकर मेरी टिप्पणियों पर काफी ध्यान दिया गया. मैं लोगों के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं, लेकिन मैं अपने इरादे को स्पष्ट करना चाहता हूं क्योंकि कई लोग मूल मुद्दे से भटकते नजर आ रहे हैं.'' उन्होंने लिखा, ''मेरे शब्द व्यक्तिगत प्रसिद्धि पाने या किसी और की उपलब्धियों का श्रेय कम करने की भावना से नहीं आए थे. मैं हर उस खिलाड़ी का बेहद सम्मान करता हूं जो किसी भी खेल में भारत का नाम रोशन करता है.'' सात्विक ने कहा, ''मेरा संदेश केवल इतना था कि हमें ऐसी संस्कृति विकसित करनी चाहिए, जहां हर छोटी या बड़ी जीत का उत्साहपूर्वक से जश्न मनाया जाए.'' उन्होंने कहा कि थॉमस कप जैसे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन खिलाड़ियों के वर्षों के त्याग और कठिन मेहनत का परिणाम होता है और जब ऐसी उपलब्धियों पर 'चुप्पी छा जाती' है तो यह 'बेहद निराशाजनक' लगता है. उन्होंने लिखा, ''चाहे वह विश्व कप का पदक हो या थॉमस कप जैसे वैश्विक टूर्नामेंट में पोडियम फिनिश, ये पल वर्षों की मेहनत और बलिदान का प्रतिनिधित्व करते हैं.'' इस खिलाड़ी ने कहा, ''जब ऐसी उपलब्धियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो यह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि भविष्य के खिलाड़ियों के लिए भी निराशाजनक होता है, जो हमें देखकर प्रेरणा लेते हैं.'' सात्विक ने कहा, ''हमें न पैसे चाहिए, न भव्य परेड; हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि हमारा देश हमें देखे और हमारे प्रयासों को महसूस करे. चलिए हम सभी खेलों को समान उत्साह और जुनून के साथ समर्थन दें.'' उनकी भावनाओं का समर्थन उनके जोड़ीदार चिराग ने भी किया.

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026

भारत ने लेबनान को 4-0 से रौंदा, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के करीब

सूझोउ (चीन) : एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेबनान को 4-0 से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बेहद मजबूत कर लिया. शुक्रवार को खेले गए ग्रुप मुकाबले में भारतीय टीम ने दोनों हाफ में दो-दो गोल दागकर एकतरफा जीत दर्ज की. भारत की ओर से प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी सेनजाम और जोया ने एक-एक गोल दागा. इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम का गोल अंतर -1 हो गया है, जो ग्रुप सी की अन्य टीमों फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से काफी बेहतर है. अब भारत की क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें फिलीपींस और चीनी ताइपे के मुकाबले पर टिकी हैं. यदि इनमें से कोई भी टीम 12 या उससे अधिक गोल के बड़े अंतर से जीत दर्ज नहीं करती है, तो भारत पहली बार एशियन कप के अंतिम-8 में जगह बना लेगा. मैच में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया. प्रीतिका बर्मन ने सातवें मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई. इसके बाद 36वें मिनट में अल्वा देवी सेनजाम ने गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया. दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा जारी रहा. 72वें मिनट में जोया ने तीसरा गोल दागा, जबकि प्रीतिका बर्मन ने 85वें मिनट में अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी. यदि भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है तो उसका सामना 11 मई को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से होगा.

नजमुल हुसैन शांतो के शतक से बांग्लादेश मजबूत, पहले टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान पर बनाया दबाव

मीरपुर: बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन शुक्रवार को शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए चार विकेट पर 301 रन बनाकर मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली. कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के बेहतरीन शतक और मोमिनुल हक के 91 रन की बदौलत मेज़बान टीम ने पाकिस्तान के गेंदबाज़ों को पूरे दिन संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया. शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया. मीरपुर की पिच पर सामान्य से अधिक घास होने के कारण दोनों टीमों ने तीन-तीन तेज गेंदबाज़ों को मौका दिया. पाकिस्तान को शुरुआती सफलता भी मिली. शाहीन शाह अफरीदी ने महमूदुल हसन जॉय को आउट किया, जबकि हसन अली ने शादमान इस्लाम को पवेलियन भेज दिया. बांग्लादेश ने महज 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे और टीम दबाव में दिखाई दे रही थी. इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने पारी को संभाला. दोनों बल्लेबाज़ों ने धैर्य के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाज़ों की धार कुंद कर दी. दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 170 रन की अहम साझेदारी हुई. मोमिनुल हक को पारी के दौरान जीवनदान भी मिला, जब स्लिप में सलमान आगा और पदार्पण कर रहे अब्दुल्ला फ़ज़ल के बीच से उनका कैच निकल गया. जैसे-जैसे पिच बल्लेबाज़ी के लिए आसान होती गई, दोनों खिलाड़ियों ने रन गति बढ़ाई. शांतो ने आक्रामक अंदाज़ अपनाते हुए शानदार कवर ड्राइव लगाए और सलमान आगा की गेंद पर दिन का पहला छक्का भी जड़ा. बांग्लादेश ने लंच से पहले 100 रन पूरे कर लिए थे. दोपहर के सत्र में शांतो पूरी तरह छाए रहे. उन्होंने नोमान अली के खिलाफ खुलकर बल्लेबाज़ी की और लगातार आकर्षक शॉट खेले. दूसरी ओर मोमिनुल ने संयमित बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को मजबूती दी. शांतो ने अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया, लेकिन शतक के तुरंत बाद मोहम्मद अब्बास की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए. शुरुआत में अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था, लेकिन पाकिस्तान ने समीक्षा ली और फैसला पलट गया.

शांतो ने 101 रन की शानदार पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए. इसके बाद मुशफिकुर रहीम ने मोमिनुल के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया. पाकिस्तान की गेंदबाज़ी और फील्डिंग दोनों ही कमजोर दिखाई दीं. टीम ने कुल 32 अतिरिक्त रन दिए, जिनमें 16 बाय भी शामिल रहे. नोमान अली ने आखिरकार मोमिनुल हक को 91 रन पर आउट कर बड़ी साझेदारी तोड़ी और उन्हें शतक से वंचित कर दिया. दिन का खेल समाप्त होने तक मुशफिकुर रहीम 48 रन और लिटन दास 8 रन बनाकर नाबाद लौटे.

केएससीए ने अतिरिक्त 10,057 मुफ्त आईपीएल टिकटों की मांग की : बीसीसीआई सूत्र

बेंगलुरु: कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा अतिरिक्त 10,057 मानार्थ टिकटों की मांग किए जाने के कारण यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल और प्लेऑफ मैचों को स्थानांतरित किया गया. बीसीसीआई के एक सूत्र ने यह जानकारी दी. परंपरा के अनुसार, मौजूदा चैंपियन होने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को फाइनल की मेजबानी करनी थी. आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने हालांकि 'पीटीआई' से कहा कि अपेक्षाकृत कम क्षमता वाले इस स्टेडियम में मानार्थ टिकटों की अत्यधिक मांग के कारण यहां फाइनल आयोजित करना 'असंभव' हो गया था. एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता लगभग 35,000 दर्शकों की है. इस सत्र के प्लेऑफ मुकाबले धर्मशाला (26 मई) और न्यू चंडीगढ़ (27 और 29 मई) में खेले जाएंगे, जबकि खिताबी मुकाबला 31 मई को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होगा. सूत्र ने बताया, ''केएससीए स्टेडियम क्षमता के 15 प्रतिशत तक मानार्थ टिकट पाने का हकदार है. हालांकि, केएससीए ने अतिरिक्त 10,057 टिकटों की मांग की थी.'' इनमें से लगभग 900 पास केवल राज्य विधानसभा के सदस्यों की मांग पूरी करने के लिए आवश्यक थे. उन्होंने कहा, ''केएससीए ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को तीन-तीन मानार्थ पास देने पर सहमति जताई थी, जो कुल मिलाकर लगभग 900 पास होते हैं.'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, विशेषज्ञ समिति और कर्नाटक सरकार के साथ अतिरिक्त प्रतिबद्धताओं के लिए मानक 15 प्रतिशत के अलावा 750 अतिरिक्त मानार्थ टिकटों की आवश्यकता थी.''

ग्लोबल शतरंज लीग का चौथा सत्र भारत में होगा

नयी दिल्ली: टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल ग्लोबल शतरंज लीग का चौथा सत्र भारत में आयोजित किया जाएगा. टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य देश में लोकप्रिय हो रही शतरंज संस्कृति का लाभ उठाना है. जीसीएल ने कहा कि मेजबान शहर की घोषणा जल्द की जाएगी. इस आयोजन का तीसरा सत्र पिछले दिसंबर में मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसमें एल्पाइन एसजी पाइपर्स टीम चैंपियन बनी थी. लीग ने खेल के प्रारूप में बदलाव किया है. रैपिड प्रारूप के मुकाबलों, मिश्रित टीमों और कड़े प्रतिस्पर्धी मैचों के जरिए इसे दर्शकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने की कोशिश की जा रही है. ग्लोबल शतरंज लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा, ''खेल के प्रति भारत का जुनून और इसका तेजी से बढ़ता शतरंज पारिस्थितिकी तंत्र इसे लीग के लिए एक स्वाभाविक गंतव्य बनाता है. हम एक और रोमांचक सत्र का इंतजार कर रहे हैं, जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और वैश्विक प्रशंसक वर्ग को एक साथ लाएगा.''

तीरंदाजी विश्व कप में सिमरनजीत और साहिल ने भारत को पदक की दौड़ में बनाए रखा

शंघाई: रिकर्व तीरंदाज सिमरनजीत कौर और कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने शुक्रवार को यहां उतार-चढ़ाव भरे अभियान में भारत के लिए अप्रत्याशित रूप से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले तीरंदाजी विश्व कप में पदक की उम्मीदें बरकरार रखी हैं. एशियाई खेलों की टीम कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत ने विश्व कप के दूसरे चरण में सेमीफाइनल में पहुंचकर व्यक्तिगत रूप से मिले अवसर का भरपूर फायदा उठाया. वह इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में दीपिका कुमारी से तीन अंक पीछे रहने के कारण भारतीय महिला टीम में जगह बनाने से चूक गई थीं. हरियाणा की 27 वर्षीय खिलाड़ी ताइवान की किशोरी फोंग यू झू को सीधे सेटों में 6-0 (27-24, 28-26, 29-26) से हराकर विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है. इससे पहले फोंग ने दूसरे दौर में भारत की शीर्ष क्रम की तीरंदाज अंकिता भकत को चौंका दिया था. सिमरनजीत ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की 19 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ नौ तीरों में से सिर्फ छह अंक गंवाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा. उनके सामने अब सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी कांग चेयॉन्ग की चुनौती होगी. यह उनके करियर की सबसे कठिन चुनौती है. इस मुकाबले में हारने पर भी उनके पास प्लेऑफ के जरिए कांस्य पदक जीतने का मौका रहेगा. भारत की अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी और किशोरी कुमकुम मोहद प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन मजबूत प्रतिद्वंदियों से हार गईं. दीपिका को दक्षिण कोरिया की चेयॉन्ग से हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक टीम स्वर्ण पदक विजेता हैं. वहीं कुमकुम को मैक्सिको की अनुभवी खिलाड़ी एलेजांद्रा वालेंसिया से हार मिली, जो दो बार की ओलंपिक टीम कांस्य पदक विजेता हैं. धीरज बोम्मादेवरा पुरुषों के रिकर्व वर्ग में भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रहे. उनका अभियान भी प्री-क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी जीन-चार्ल्स वलाडोंट से 0-6 से हारकर समाप्त हुआ. अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अनुभवी तरुंदीप राय तीसरे दौर में कोरिया के सियो मिंगी से हार गए जबकि यशदीप भोगे दूसरे दौर में तुर्की के पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेते गाजोज से सीधे सेटों में हार गए. गाजोज ने बाद में पांच बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता किम वूजिन को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया. भारतीय पुरुषों में पूर्व नंबर एक अतनु दास का प्रदर्शन सबसे खराब रहा और वह बांग्लादेश के मोहम्मद मिशाद प्रधान के हाथों पहले ही दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए. पारंपरिक रूप से भारत की ताकत मानी जाने वाली कंपाउंड स्पर्धाओं में पहले बड़ी निराशा हाथ लगी थी क्योंकि कोई भी भारतीय टीम पदक राउंड तक नहीं पहुंच सकी. पुरुष, महिला और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भारत पोडियम पर जगह बनाने में नाकाम रहा जिससे चार महीने से भी कम समय में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चिंताएं बढ़ गईं. टीम स्पर्धाओं में मिली हार के बाद सारी उम्मीदें व्यक्तिगत स्पर्धाओं पर टिकी थीं, जहां साहिल पदक की दौड़ में बचे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी के रूप में उभरे. पिछले महीने ही विश्व कप में पदार्पण करने वाले इस 25 वर्षीय तीरंदाज ने रोमांचक शूट-ऑफ में ऑस्ट्रिया के निको वीनर को हराकर पुरुष कंपाउंड स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. मैच शुरू से अंत तक कांटे की टक्कर का रहा. दोनों तीरंदाजों ने 15 तीरों में सिर्फ तीन अंक गंवाए. पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के एक जैसे शानदार प्रदर्शन के बाद साहिल ने दूसरे सेट में भी बिना कोई गलती किए एक अंक की बढ़त बना ली. साहिल के दो अंक गंवाने के बाद तीसरे सेट में वीनर ने स्कोर 88-88 से बराबर कर दिया. चौथे सेट में दोनों ने 29 अंक बनाए और अंतिम सेट में 30 अंक बनाकर मैच को शूट-ऑफ तक पहुंचा दिया. साहिल ने शानदार संयम बनाए रखते हुए एक और सटीक निशाने से 10-9 से जीत हासिल की. विश्व कप पदक से एक जीत दूर साहिल सेमीफाइनल में फ्रांस के निकोलस गिरार्ड का सामना करेंगे. क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद सीधे तीसरे राउंड में पहुंचे साहिल ने अंतिम 32 चरण में अपने अनुभवी साथी खिलाड़ी अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराया और फिर प्री-क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के स्वेन फ्लस को 149-146 से मात दी. कुशल दलाल ने भी क्वार्टर फाइनल में निराशाजनक हार से पहले शानदार प्रदर्शन किया. उन्हें डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो ने 147-147 से मुकाबला बराबर रहने के बाद शूट-ऑफ में हराया. शूट-ऑफ में भी दोनों तीरंदाजों ने 10 अंक वाले निशाने साधे थे, लेकिन डैम्सबो का तीर केंद्र के अधिक करीब था. क्वालीफाइंग दौर में सातवें स्थान के साथ भारत के शीर्ष कंपाउंड तीरंदाज रहे पूर्व विश्व चैंपियन ओजस देवताले एस्टोनिया के रॉबिन जाटमा से 146-150 से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गए. महिला कंपाउंड वर्ग में पूर्व विश्व चैंपियन अदिति स्वामी को भी क्वार्टर फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा के हाथों 147-147 से करीबी शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा. अदिति को भी कुशल की तरह ही शूट-ऑफ में 10 अंक वाला निशाना साधने के बावजूद निराशा का सामना करना पड़ा. इससे पहले लिसेल ने विश्व कप में कई बार पदक जीत चुकीं ज्योति सुरेखा वेन्नम को मात दी थी. मधुरा धामनगांवकर और प्रगति तीसरे दौर में बाहर हो गईं.

भारत ने नई हथियार प्रणाली का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया

नई दिल्ली: भारत ने ओडिशा तट के पास स्वदेशी रूप से विकसित 'ग्लाइड' हथियार प्रणाली का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है. रक्षा मंत्रालय के अनुसार, साधारण युद्धक हथियारों को सटीक निर्देशित हथियारों में बदलने के लिए विकसित सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टीएआरए) प्रणाली का बृहस्पतिवार को परीक्षण किया गया. मंत्रालय ने कहा, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने ओडिशा तट के पास टीएआरए हथियार प्रणाली का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया. उसने बताया कि टीएआरए भारत की पहली

स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है, जो बिना निर्देशित युद्धक हथियारों को सटीक निर्देशित हथियारों में परिवर्तित करती है. बयान में कहा गया कि इस हथियार प्रणाली को रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई), हैदराबाद ने डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर डिजाइन और विकसित किया है, ताकि कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता बढ़ाकर जमीनी लक्ष्यों को नष्ट किया जा सके. मंत्रालय ने कहा कि यह अत्याधुनिक कम लागत वाली प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला ग्लाइड हथियार है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस हथियार प्रणाली के पहले उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना और परियोजना से जुड़े उद्योग साझेदारों को बधाई दी. उन्होंने इसे भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया.

चीन के पटाखा कारखाने में विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हुई

बीजिंग: चीन के हुनान प्रांत में पटाखा कारखाने में विस्फोट में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 37 हो गई, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है. यह विस्फोट सोमवार दोपहर को प्रांतीय राजधानी चांग्शा के शहर लियुयांग में हुआशेंग आतिशबाजी निर्माण और प्रदर्शन कंपनी द्वारा संचालित संयंत्र में हुआ. सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने शुक्रवार को बताया कि इस दुर्घटना में अब तक 37 लोगों की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति लापता है और 51 अन्य लोग घायल हैं, जिनका अस्पतालों में इलाज जारी है. रिपोर्ट में कहा गया है कि घायलों में से पांच की हालत गंभीर लेकिन स्थिर है. घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान काफी हद तक पूरा हो चुका है. दुर्घटना के बाद, चांग्शा के अधिकारियों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया दी, एक कार्य दल का गठन किया और बचाव एवं चिकित्सा उपचार कार्यों के लिए 1,500 से अधिक कर्मियों को भेजा.

आईएसआई से जुड़े मॉड्यूल ने दिल्ली के मंदिर, ढाबे और सैन्य शिविर पर हमले की साजिश रची : जांच

नई दिल्ली: पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कथित तौर पर शहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े गुर्गों के माध्यम से दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत राजमार्ग पर एक लोकप्रिय ढाबे और हरियाणा में एक सैन्य शिविर पर हमले कराने की साजिश रची थी. सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सूत्रों के अनुसार, इन बातों का खुलासा दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत कई राज्यों से गिरफ्तार किए गए मॉड्यूल के नौ कथित गुर्गों से पूछताछ के दौरान हुआ. सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने पाया कि एक आरोपी ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की टोह ली थी और सोशल मीडिया के माध्यम से परिसर की तस्वीरें पाकिस्तान स्थित आकाओं को भेजी थीं. उन्होंने कहा

कि मॉड्यूल ने मंदिर में तैनात पुलिस कर्मियों और अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाने और दहशत फैलाने व व्यवधान पैदा करने के लिए कथित तौर पर गोलीबारी करने की साज़िश रची थी. सूत्रों ने यह भी बताया कि बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने के इरादे से दिल्ली-सोनीपत राजमार्ग पर एक लोकप्रिय 'ढाबे' पर ग्रेनेड हमला करने का काम भी आरोपियों को सौंपा गया था. इस ढाबे पर रोजाना हजारों लोग आते हैं. सूत्र ने कहा, हिसार में एक सैन्य शिविर की भी कथित तौर पर रेकी की गई थी और क्षेत्र के वीडियो सीमा पार आकाओं के साथ साझा किए गए थे. उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस थाने भी हिट लिस्ट में शामिल थे.

गुजरात के वडोदरा की शिक्षिका ने हाथ से लिखी 2000 पन्नों की हिंदी में रामायण

वडोदरा: गुजरात के वडोदरा की शिक्षिका रेखाबेन ठक्कर ने भक्ति और आध्यात्मिकता का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है. रेखाबेन ने करीब 20 महीनों की मेहनत और अटूट श्रद्धा से हिंदी भाषा में 2000 पन्नों की हस्तलिखित रामायण तैयार की है. संगीत विषय में स्नातकोत्तर और अंग्रेजी शिक्षिका रेखाबेन ठक्कर कोरोना काल के दौरान टीवी पर प्रसारित रामायण से प्रेरित हुईं और अपनी बचपन की यादों को ताजा होने के साथ उनके मन में कुछ विशेष और आध्यात्मिक करने का विचार आया. इसके बाद उन्होंने पूरी रामायण अपने हाथों से लिखने का संकल्प लिया. वडोदरा के हरणी-वारसिया रिंग रोड क्षेत्र में रहने वाली रेखाबेन ने इस कार्य के लिए वडोदरा सेंट्रल लाइब्रेरी से रामायण के विभिन्न संस्करणों का अध्ययन किया. इसके बाद लगातार 20 महीनों तक नियमित लेखन कर उन्होंने यह विशाल ग्रंथ तैयार कर अपने संकल्प को पूरा किया. रेखाबेन ने बताया कि हिंदी में रामायाण ग्रंथ के पूथा होने के बाद अब वह इस रामायण का गुजराती भाषा में अनुवाद भी कर रही हैं, ताकि राज्य के लोग भी अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें.

भाजपा ने बंगाल चुनाव पर ट्रंप संबंधी 'पोस्ट' के लिए संजय राउत को 'भारतीय राजनीति का जोकर' बताया

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित 'पोस्ट' साझा करने के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत को शुक्रवार को ''भारतीय राजनीति का जोकर'' करार दिया और विपक्ष पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि ''धूमिल'' करने का आरोप लगाया. राउत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर ट्रंप को संबोधित एक पोस्ट में उन खबरों पर सवाल उठाया जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है. राउत ने कहा कि चुनाव ''भारत के संघीय लोकतंत्र का आंतरिक मामला'' हैं और किसी भी बाहरी समर्थन को अनुचित और अपरिपक्व माना जाएगा. राज्यसभा सदस्य राउत ने दावा किया कि चुनावों के संचालन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि डराने, धमकाने और व्यवस्थागत दबाव की शिकायतें मिली हैं. भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राउत पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि वह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मोदी के विरोध में ऐसे बयान देते हैं. पूनावाला ने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, संजय राउत भारतीय राजनीति के जोकर हैं. उन्होंने और राहुल गांधी ने घरेलू राजनीतिक तुच्छ लड़ाइयों के लिए भारत की छवि

धूमिल करने की 'सुपारी' ले रखी है और मोदी के विरोध में वे देश का विरोध करते हैं. भाजपा नेता ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है लेकिन विपक्षी नेता चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा, भारतीय लोकतंत्र की दुनिया भर में सराहना हो रही है और यह व्यक्ति भारत के बारे में उन तथ्यों को लेकर शिकायत कर रहा है, जो हैं ही नहीं. पूनावाला ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भर के लोग परिणाम पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार ट्रंप ने भी भाजपा को बधाई दी है. उन्होंने कहा, खबर है कि ट्रंप ने भी इस जीत के लिए भाजपा को बधाई दी है. इससे संजय राउत इतने परेशान हो जाते हैं कि वह 'एक्स' पर लंबी पोस्ट लिखकर डोनाल्ड ट्रंप को समझाने लगते हैं कि चुनाव में कैसे धांधली हुई है और किस प्रकार सब कुछ अनुचित है. पूनावाला ने आरोप लगाया कि जब भी चुनाव परिणाम विपक्षी दल के पक्ष में नहीं आते, वे संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने लगते हैं. इससे पहले, राउत ने अपनी पोस्ट में यह भी आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष तरीके से काम नहीं किया तथा उसकी कार्यप्रणाली भाजपा के पक्ष में दिखाई दी, जिससे संस्थागत निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते हैं. उन्होंने चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इससे भरोसे के बजाय दबाव का माहौल बना. राउत ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा उठाई गई चिंताओं का हवाला देते हुए कहा कि प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर लगाए गए आरोप एक व्यापक बेचैनी को दर्शाते हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. राउत ने अपनी पोस्ट में कहा, लोकतंत्र केवल चुनावों के बारे में नहीं है. स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव कराने के बारे में भी है. जब गंभीर आरोप सामने आते हैं, तो उनकी जांच होनी चाहिए, जश्न नहीं मनाया जाना चाहिए. उन्होंने ट्रंप से अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का अनुरोध किया.

जनता की भावना अन्नाद्रमुक के फिर से सत्ता में आने के पक्ष में है : सांसद थंबीदुरई

चेन्नई : अन्नाद्रमुक सांसद एम. थंबीदुरई ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में जनता की भावना अन्नाद्रमुक के फिर से सत्ता में आने के पक्ष में है और उन्होंने उम्मीद जतायी कि ''ईश्वर की कृपा'' से उनकी पार्टी फिर से सरकार बनाएगी. चिर प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ चुनाव बाद गठबंधन की अटकलों पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि वह इतना जरूर कह सकते हैं कि जनता की भावना अन्नाद्रमुक के सत्ता में लौटने के पक्ष में है. थंबीदुरई ने यहां पत्रकारों से कहा, यही भावना है जनता चाहती है कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए. जब भी मेरे नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी लोगों से मिलने गए, जनता ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं ईश्वर की कृपा से समय आने पर ऐसा हो सकता है. वरिष्ठ नेता ने संकेत दिया कि समय के साथ स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और उन्हें उम्मीद है कि अच्छी चीजें होंगी. उन्होंने कहा, मेरी पार्टी, मेरे नेता फिर से सत्ता में आएंगे. राज्य में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर रही अन्ना द्रमुक को 234 सदस्यीय विधानसभा में केवल 47 सीटें मिलीं, जबकि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेता विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतीं. द्रमुक को 59 सीटें मिलीं. कोई भी राजनीतिक दल अपने दम पर सरकार बनाने के लिए आवश्यक साधारण बहुमत हासिल नहीं कर सका. त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति के बीच गठबंधन की अटकलों को और हवा देते हुए तथा अपने नवनिर्वाचित विधायकों को एकजुट रखने के उद्देश्य से अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने उन्हें पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के एक रिसॉर्ट में ठहराया है.

अमेरिकी संघीय अदालत ने ट्रंप के 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को 'अवैध' करार दिया

वाशिंगटन: अमेरिका की एक संघीय अदालत ने देश के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' को एक और झटका देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को ''अवैध'' और कानून द्वारा अनधिकृत करार देते हुए खारिज कर दिया है. ट्रंप द्वारा पहले लगाए गए व्यापक शुल्कों को खारिज करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी को भारत सहित सभी देशों पर 150 दिनों के लिए ये नए शुल्क लगाए गए थे. उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) शुल्क लगाने की अनुमति नहीं देता. अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने गुरुवार को सुनाए फैसले में कहा कि ट्रंप ने 10 प्रतिशत शुल्क

लगाने के लिए 1974 के व्यापार अधिनियम के जिन प्रावधानों का इस्तेमाल किया, वे केवल भुगतान संतुलन संकट की स्थिति में ही प्रभावी हो सकते हैं. अदालत ने एक के मुकाबले दो के बहुमत से कहा कि ट्रंप ने उस शुल्क अधिकार का अतिक्रमण किया जो संसद ने राष्ट्रपति को कानून के तहत दिया है. बहुमत ने अपने फैसले में कहा कि ये शुल्क अमान्य और ''कानून द्वारा अनधिकृत'' हैं. न्यायाधीश मार्क ए बार्नेट और क्लेयर आर केली ने अपने फैसले में कहा कि यदि राष्ट्रपति को भुगतान संतुलन घाटे की पहचान करने के लिए उप-खातों में से चयन करने की शक्ति मिल जाती है, तो जब तक प्रत्येक उप-खाता संतुलित नहीं होता, राष्ट्रपति हमेशा भुगतान संतुलन घाटा दिखा सकेंगे. दोनों न्यायाधीशों ने कहा कि कानून की ''इस तरह की व्यापक व्याख्या'' ट्रंप को शुल्क लगाने की वह असीमित शक्ति दे देगी, जो संसद के पास है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा की गई कानून की इस व्याख्या को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए. न्यायाधीश टिमोथी सी स्टांस्यू ने अपने दोनों साथी न्यायाधीशों से असहमति जताई. इस फैसले के खिलाफ अमेरिकी प्रशासन के अपील करने की संभावना है. अदालत का फैसला सीधे तौर पर केवल तीन याचिकाकर्ताओं- वाशिंगटन राज्य और दो कंपनियों - मसाला कंपनी बर्लैप एंड बैरल तथा खिलौना कंपनी बेसिक फन पर लागू हुआ. भारत और अमेरिका ने फरवरी में एक अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा की घोषणा की थी, जिस पर अब उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद फिर से बातचीत की जा रही है.

मणिपुर में हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद

इंफाल: मणिपुर के सेनापति और चूड़ाचांदपुर जिलों में हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा जब्त किया गया है. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि सेनापति जिले के मारनमेई पहाड़ी क्षेत्र में गुरुवार को चलाए गए संयुक्त अभियान में असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों ने बड़ी मात्रा में गोला-बारूद के साथ 15 हथियार बरामद किए. उन्होंने बताया कि जब्त हथियारों में मैगजीन के साथ एक एके-47 राइफल, मैगजीन के साथ एक एमपी-5 राइफल, एक .303 राइफल, दो .22 राइफल, स्थानीय स्तर पर बनाई गई चार बोल्ट-एक्शन राइफल, तीन .32 पिस्तौल, दो .22 पिस्तौल और स्थानीय स्तर पर बनी एक शॉटगन शामिल हैं. विभिन्न कैलिबर के 70 से अधिक कारतूस भी बरामद किए गए.

घर में घुसकर पूर्व आईपीएस अफसर की पत्नी का मर्डर

हैदराबाद: हैदराबाद के सबसे पॉश इलाकों में शुमार जुबली हिल्स में शुक्रवार को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई. यहां एक पूर्व आईपीएस अधिकारी की पत्नी की उनके ही घर में हत्या कर दी गई. पुलिस को इस वारदात के पीछे घर की नई नौकरानी और उसके साथियों का हाथ होने का शक है. घटना के बाद से ही नेपाल की रहने वाली यह नौकरानी फरार है. पुलिस के मुताबिक, रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी विनय रंजन रे की 55 वर्षीय पत्नी सुनंदा का शव प्रशासन नगर स्थित उनके तीन मंजिला घर की पहली मंजिल पर पाया गया. शुरुआती जांच में पुलिस का मानना है कि हाल ही में काम पर रखी गई नेपाली नौकरानी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया है. पुलिस के अनुसार, 55 वर्षीय सुनंदा पूर्व आईपीएस अधिकारी विनय रंजन रे की पत्नी थीं. शुरुआती जानकारी से पता चला है कि आरोपियों ने हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद घर से सोने के गहने और नकदी भी लूट ली है. हालांकि,

नेपाल की नौकरानी गायब, तलाश में पुलिस

पुलिस अभी सिर्फ लूट के एंगल पर ही नहीं रुकी है, बल्कि अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है. फिलहाल जांच एकदम शुरुआती दौर में है. बताया जा रहा है कि जिस वक्त यह खौफनाक वारदात हुई, पूर्व आईपीएस अफसर विनय रंजन रे शहर से बाहर गए हुए थे. वारदात की सूचना मिलने के बाद खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र भी घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने आशंका जताई है कि इस घटना में नेपाली समुदाय के कुछ लोग शामिल हो सकते हैं. : विधायक ने साफ कहा है कि इस वारदात को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और पुलिस उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी. हत्या की सूचना मिलते ही हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया. फॉरेंसिक टीम ने भी क्राइम सीन का बारीकी से निरीक्षण किया है और वहां से जरूरी सबूत इकट्ठा किए हैं. जुबली हिल्स पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है. पुलिस ने फरार नौकरानी और उसके सहयोगियों का पता लगाने व उन्हें गिरफ्तार करने के लिए स्पेशल टीमों का गठन कर दिया है और उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है.

ईडी ने पीएमएलए मामले में गेम्सक्राफ्ट के तीन संस्थापकों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के तीन संस्थापकों को कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार किया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि दीपक सिंह, पृथ्वी राज सिंह और विकास तनेजा को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है. दीपक सिंह और पृथ्वी राज सिंह को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया और उन्हें बेंगलुरु की अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड प्राप्त की गई. अधिकारियों ने बताया कि तनेजा को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया गया है. ये गिरफ्तारी तब हुई जब केंद्रीय एजेंसी ने कथित धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित कई प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए 'गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड' और अन्य संबंधित संस्थाओं के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया. उन्होंने बताया कि ईडी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-एनसीआर और कर्नाटक में 17 स्थानों पर छापेमारी भी की, और कुछ दस्तावेज जब्त किए. ईडी अधिकारियों के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म 'रमीकल्चर', रमीटाइम ऐप आदि जैसे कई ऑनलाइन 'रियल-मनी गेम्स' का संचालन और स्वामित्व रखता है.

पंजाब के मंत्री अमन अरोरा ने ईडी पर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया

चंडीगढ़: पंजाब सरकार में मंत्री अमन अरोड़ा ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर राज्य और चंडीगढ़ में बृहस्पतिवार को छापेमारी के संबंध में एजेंसी के बयान में उनका नाम शामिल कर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया. आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अरोड़ा ने केंद्रीय एजेंसी से कहा कि अगर कोई संदेह है तो उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाए. उन्होंने कहा कि वह सहयोग करने के लिए तैयार हैं. ईडी ने गुरुवार को दो रियल एस्टेट समूहों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत छापेमारी की थी. इन समूहों पर भूमि उपयोग में धोखाधड़ी से परिवर्तन करने और निवेशकों को ठगने का आरोप है. एजेंसी ने मोहाली (एसएएस नगर) और चंडीगढ़ में सनटेक सिटी परियोजना (आईसीएचबीएस या इंडियन कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी द्वारा विकसित), इसके प्रवर्तक अजय सहगल, एबीएस टाउनशिप्स, अल्टस स्पेस बिल्डर्स,

धीर कंस्ट्रक्शंस और इनसे जुड़े लगभग एक दर्जन ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की. एजेंसी ने दावा किया कि धीर कंस्ट्रक्शंस के मालिक गौरव धीर नाम के एक व्यवसायी ने अपने 'सनसिटी प्रोजेक्ट्स' के माध्यम से अल्टस परियोजना को 130 करोड़ रुपये में 'कम आंककर' खरीदा था. ईडी ने दावा किया कि धीर वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा के 'करीबी सहयोगी' हैं. अरोड़ा ने यहां मीडिया से कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि उनका नाम ईडी की छापेमारी से जोड़ा जा रहा है. उन्होंने कहा कि अपने पहले बयान में ईडी ने न तो उनका नाम लिया और न ही गौरव धीर का. 'आप' नेता ने कहा लेकिन आधे घंटे बाद ईडी ने एक और बयान जारी किया, जिसमें बाकी सब कुछ वैसा ही रहा, लेकिन उसमें यह उल्लेख किया गया कि 'गौरव धीर, आम आदमी पार्टी के एक उच्च पदस्थ नेता अमन अरोड़ा के करीबी सहयोगी हैं'. उन्होंने दावा किया, मुझे बदनाम करने के लिए ही मेरा नाम (बयान में) जोड़ा गया है. अरोड़ा ने मामले की जांच की मांग की.

भारत को हंटा वायरस से तत्काल कोई सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा नहीं : एनआईवी प्रमुख

नई दिल्ली: एक क्रूज जहाज पर दो भारतीय नागरिकों के कथित तौर पर हंटा वायरस से संक्रमित होने की चिंताओं के बीच, आईसीएमआर के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने शुक्रवार को कहा कि ये मामले अलग-थलग प्रतीत होते हैं और भारत के लिए तत्काल कोई सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा नहीं है. कुमार ने कहा कि फिलहाल सामुदायिक प्रसार का कोई सबूत नहीं है. उन्होंने बताया कि हंटा वायरस मुख्य रूप से संक्रमित कृन्तकों (चूहों, गिलहरी आदि) या उनके लार, मूत्र और मल के संपर्क के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है. उन्होंने कहा कि लोग आमतौर पर गोदामों, जहाजों, खलिहानों और भंडारण क्षेत्रों जैसे बंद या खराब हवादार स्थानों में कृन्तकों के मूत्र, मल या लार से निकलने वाले विषाणु कणों को सांस के जरिए अंदर लेने से संक्रमित हो जाते हैं. उन्होंने कहा, हंटा वायरस के जो मामले सामने आए हैं, वे छिटपुट प्रतीत होते हैं और भारत में तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं है. उनकी यह टिप्पणी उन खबरों के बाद आई है जिनमें कहा गया है कि एक क्रूज जहाज पर सवार दो भारतीय नागरिक हंटा वायरस से संक्रमित पाये गए हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दो भारतीय यात्री उस जहाज पर पहचाने गए संदिग्ध संक्रमितों के एक छोटे समूह में शामिल थे, स्वास्थ्य अधिकारी संपर्क में आए लोगों की निगरानी कर रहे हैं और एहतियाती उपाय किये जा रहे हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अधिकारियों ने बताया कि हंटा वायरस संक्रमण दुर्लभ हैं और आमतौर पर कृन्तकों के संपर्क में आने से होते हैं, न कि मनुष्यों में लगातार फैलने से. कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कोविड-19 के विपरीत, हंटा वायरस मनुष्यों में आसानी से नहीं

फैलता है. उन्होंने बताया, मानव से मानव में संक्रमण अत्यंत दुर्लभ है. आम तौर पर हंटा वायरस, विशेषकर एशिया और यूरोप में पाए जाने वाले, मनुष्यों के बीच नहीं फैलते. सीमित मानव-से-मानव संक्रमण केवल कुछ दक्षिण अमेरिकी उपभेदों जैसे कि एंडीज विषाणु के साथ ही दर्ज किया गया है. डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने विषाणु के बारे में मीडिया बताया, हालांकि यह एक गंभीर घटना है, डब्ल्यूएचओ सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को कम मानता है. उन्होंने कहा कि ऊष्मायन (इंक्यूबेशन) अवधि को देखते हुए, संभव है कि और भी मामले सामने आएं. ऊष्मायन अवधि वह समय है जो किसी रोगजनक (जीवाणु, विषाणु या परजीवी) के संपर्क में आने और लक्षणों के पहली बार प्रकट होने के बीच व्यतीत होता है. उन्होंने कहा कि ऊष्मायन अवधि को देखते हुए, यह संभव है कि और भी मामले सामने आ सकते हैं. जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हंटा वायरस संक्रमण के शुरुआती लक्षण इन्फ्लूएंजा, डेंगू या गंभीर श्वसन संबंधी बीमारी जैसे हो सकते हैं, जिससे प्रारंभिक निदान चुनौतीपूर्ण हो जाता है. भारत की तैयारियों के बारे में कुमार ने कहा कि संदिग्ध मामलों की पहचान करने के लिए देश में पर्याप्त प्रयोगशाला निगरानी क्षमता मौजूद है. उन्होंने कहा, भारत में आईसीएमआर-राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और 165 प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी वायरल अनुसंधान और निदान प्रयोगशाला नेटवर्क के माध्यम से हंटा वायरस संक्रमण के निदान की क्षमता मौजूद है, जहां संदिग्ध मामलों की पुष्टि के लिए आरटी-पीसीआर सुविधाएं उपलब्ध हैं. कुमार के अनुसार, लक्षण आमतौर पर संक्रमण के संपर्क में आने के एक से पांच सप्ताह बाद दिखाई देते हैं और शुरू में फ्लू जैसी बीमारी से मिलते जुलते हैं. उन्होंने कहा, सामान्य चेतावनी के लक्षणों में अचानक बुखार, शरीर में तेज दर्द, सिरदर्द, थकान, ठंड लगना, मतली, उल्टी, पेट दर्द और सूखी खांसी शामिल हैं.

बिहार: मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मंत्रियों ने संभाला अपना कार्यभार, गिनाईं सरकार की प्राथमिकताएं

युवाशक्ति न्यूज

पटना: बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद शुक्रवार को नवनियुक्त मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभाला और सरकार की प्राथमिकताओं को लोगों के सामने सामने रखा. मंत्रियों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सहकारिता, समाज कल्याण और जन वितरण प्रणाली समेत विभिन्न क्षेत्रों में सुधार एवं पारदर्शिता लाने की बात कही. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से स्वास्थ्य मंत्री का कार्यभार संभाला.

पदभार ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सरकारी अस्पतालों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है. उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह बनने और सरकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाने के निर्देश दिए.राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद कहा कि विभाग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता तक त्वरित सेवा पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी.

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उसे रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ा जाएगा.खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि विभाग की कोशिश होगी कि राशन कार्डधारी बुजुर्ग लाभार्थियों तक उनके घर पर राशन पहुंचाया जाए. उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र परिवार राशन कार्ड से वंचित नहीं रहेगा.

सूचना एवं जनसंपर्क तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित भ्रामक खबरों की तथ्यात्मक जांच कर आधिकारिक माध्यमों से उनका त्वरित खंडन सुनिश्चित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि विभाग का मुख्य फोकस सही, सटीक और समयबद्ध सूचना जनता तक पहुंचाना रहेगा.विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला मंडल ने कहा कि आज तरक्की का मार्ग विज्ञान से ही प्रशस्त होता है.एआई के माध्यम से आज सबकुछ आसान होता जा रहा है.उन्होंने अपने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर तकनीकी शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए जन जागरण की आवश्यकता पर बल दिया साथ ही साथ आवश्यक दिशा-निर्देश दिया.

समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने अपने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित, असहाय, गरीब, दिव्यांग और पिछड़े वर्गों के लोगों का उत्थान करना है.

पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत पंचायतों में ऐसी लाइटों के रखरखाव और शिकायतों के त्वरित निपटारे को सुनिश्चित किया जाएगा.परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने कहा कि गांवों से शहरों तक सड़क संपर्क को और अधिक सुगम एवं मजबूत बनाया जाएगा.सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सहकारिता का सर्वांगीण विकास करना है. उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं और युवाओं को सहकारिता से जोड़ने पर विशेष बल दिया जाएगा.

कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि राज्य में अश्लील और फूहड़ गीतों पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि लोककलाओं, सांस्कृतिक धरोहरों, संग्रहालयों, रंगमंच और युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा.

पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि पर्यटन रोजगार, व्यापार और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है तथा इसे बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे.

मद्य निषेध एवं निबंधन विभाग के मंत्री मदन सहनी ने स्वीकार किया कि राज्य में शराबबंदी के बावजूद अवैध बिक्री की खबरें मिल रही हैं. उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में और कड़े कदम उठाने जा रही है तथा माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

पटना में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही

गाड़ियों पर गिरे बड़े-बड़े पेड़, जनजीवन अस्त-व्यस्त

पटना : बिहार की राजधानी पटना में आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है. जगह-जगह पेड़ उखड़कर गिरने से नुकसान की खबर है. अच्छी बात ये है कि अभी तक कोई जनहानि की खबर नहीं है. विकास भवन स्थित सचिवालय में 55 साल पुराना पेड़ गिरा, 4 चारपहिया वाहन बुरी तरीके से हुए क्षतिग्रस्त. यहां भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है. मौसम विभाग लगातार आंधी-तूफान को लेकर चेतावनी दे रहा था. लेकिन जिस तरह से तूफान आया लोगों को अंदेशा भी नहीं था कि उसकी तीव्रता इतनी भीषण होगी. छज्जू बाग में आम के पेड़ उखड़ के गिर गए हैं. ऐसे में तमाम राहगीर गाड़ी रोककर आम लूटने में लगे हुए हैं, क्या महिला क्या पुरुष सभी आम लूटने में व्यस्त हो गए. पटना हाई कोर्ट के बाहर कई पेड़ टूटकर सड़क पर जा गिरे, सड़क किनारे खड़ी-कई गाड़ियां पेड़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई हैं. जगह-जगह यातायात भी बाधित हुआ है. लोगों को रास्ता बदलकर जाना पड़ रहा है. होटल अशोका के निर्माणाधीन स्ट्रक्चर धड़ाम हो गया. इनकम टैक्स के पास ट्रैफिक को वन वे कर दिया गया है. वीरचंद पटेल पथ पर भी आंधी-तूफान से हालात खराब हैं. पटना में तेज आंधी तूफान के बीच शेखपुरा मोड़ के पास जल भवन के पास एक विशालकाय पेड़ गिर गया. जिसमें 2 फोर व्हीलर और दो दुकान उसकी चपेट में आ गए, गाड़ी पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई है. हालांकि किसी के हताहत होने की बात सामने नहीं आई है. मौके पर पुलिस बल, 112 की गाड़ी मौजूद है और यातायात सुगम करने के प्रयास किया जा रहा है. हालांकि पूरी तरीके से अभी रोड बंद है और बीच रोड पर ही पेड़ गिरा हुआ है. प्रशासन तूफान से हुए नुकसान के आकलन में जुट गया है.

यूपी में स्वास्थ्य विभाग पर बड़ी कार्रवाई

पांच डॉक्टर बर्खास्त, कई अधिकारियों पर गिरी गाज

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही, अनियमितताओं और कर्तव्य पालन में कोताही के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए पांच डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है तथा कई स्वास्थ्य अधिकारियों और डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं. उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, लंबे समय तक बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और चिकित्सा कार्य से दूर रहने के आरोप में पांच चिकित्सा अधिकारियों को सेवा से हटाया गया है. बर्खास्त किए गए डॉक्टरों में गोरखपुर जिला अस्पताल की डॉ. अलकनंदा, कुशीनगर सीएमओ कार्यालय में तैनात डॉ. रामजी भारद्वाज, बलरामपुर के डॉ. सौरभ सिंह, अमेठी के सीएचसी जगदीशपुर के डॉ. विकलेश कुमार शर्मा और औरैया के सीएचसी दिबियापुर की डॉ. मोनिका वर्मा शामिल हैं.

बयान के अनुसार, सरकार ने अंबेडकर नगर में निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण में कथित अनियमितताओं के मामले में सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल और डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय वर्मा समेत 16 चिकित्सा अधिकारियों के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए हैं. प्रारंभिक जांच में इन अधिकारियों पर सरकारी मानकों के उल्लंघन, पद के दुरुपयोग और निजी हितों के लिए फाइलों को मंजूरी देने के आरोप सही पाए गए. जांच एक अपर जिलाधिकारी समेत तीन सदस्यीय समिति ने की थी.

हरदोई में अवैध निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई न करने और जिम्मेदारियों की अनदेखी के आरोप में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार सिंह के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं. वहीं, जिले में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद एक जूनियर डॉक्टर को वरिष्ठ जिम्मेदारी सौंपने पर सीएमओ से स्पष्टीकरण मांगा गया है. बयान में कहा गया है कि इलाज में लापरवाही, प्रशासनिक चूक, अनुचित मेडिको-लीगल जांच और सहकर्मियों से दुर्व्यवहार जैसे मामलों में भी कई डॉक्टरों पर कार्रवाई शुरू की गई है. इनमें प्रयागराज के डॉ. शमीम अख्तर, सुल्तानपुर के सीएचसी लंभुआ में तैनात एक डॉक्टर और फार्मासिस्ट, तथा मथुरा जिला अस्पताल के दो डॉक्टर शामिल हैं.

चिकित्सा कर्तव्यों में कथित लापरवाही के लिए बलरामपुर, वाराणसी, बदायूं, लखीमपुर खीरी और संभल समेत कई जिलों में तैनात डॉक्टरों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं. बदायूं के सरकारी मेडिकल कॉलेज में आर्थोपेडिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितुज अग्रवाल पर महिला डॉक्टर और अन्य सहकर्मी के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है.

बीपीएससी 'टीआरई-4' परीक्षा में देरी के विरोध में प्रदर्शनरत विद्यार्थियों पर पुलिस का बल प्रयोग

पटनाः बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 की अधिसूचना जारी करने में हो रही देरी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों को तितर-बितर करने के लिए पटना पुलिस ने शुक्रवार को बल प्रयोग किया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. पटना के पुलिस अधीक्षक (एसपी-मध्य) दीक्षा ने कहा, प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया. हालांकि, विद्यार्थियों का आरोप है कि पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज भी किया. बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 के अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में पटना महाविद्यालय से विरोध मार्च निकाला था और वे डाकबंगला चौराहा की ओर बढ़ रहे थे, इसी दौरान गांधी मैदान के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया. बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 परीक्षा के माध्यम से 46 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति की उम्मीद है, लेकिन परीक्षा की अधिसूचना अप्रैल 2026 की तय समयसीमा के बाद भी जारी नहीं की गयी है.शुक्रवार को पदभार ग्रहण करने वाले शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बीपीएससी टीआरई-4 समेत सभी लंबित भर्तियां जल्द पूरी की जाएंगी. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अब कोई भी भर्ती लंबित नहीं रहेगी. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मैं यह सुनिश्चित करने का प्रयास करूंगा कि शिक्षा क्षेत्र बिहार के समग्र विकास की मजबूत नींव बने. तिवारी ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित की थी तथा नई सरकार इसे और आगे बढ़ाएगी. प्रदर्शन मार्च का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता दिलीप कुमार ने पूर्व शिक्षा मंत्री सुनील कुमार पर अभ्यर्थियों को झूठा आश्वासन देने का आरोप लगाया. उन्होंने उम्मीद जताई कि तिवारी इस मुद्दे का शीघ्र समाधान करेंगे.

इधर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने शिक्षक अभ्यर्थियों पर बल प्रयोग किए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर शुक्रवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की मांगों को सुनने के बजाय उन पर लाठियां बरसा रही है. बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने 'एक्स' पर लिखा, अपने-अपने बच्चे को मंत्री बना लो, युवाओं पर लाठी चला दो. उन्होंने आरोप लगाया कि राजग नेताओं ने अपने बच्चों को बिना किसी चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी के मंत्री बना दिया, जबकि राज्य के लाखों युवाओं से चुनाव से पहले शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 की 'वैकेंसी' जारी करने का जो वादा किया गया था, वह पूरा नहीं किया गया.

युवा शक्ति
युवा अंदाज में राष्ट्र की आवाज
कोलकाता से प्रकाशित राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित युवाशक्ति से जुड़कर आप सामाजिक सशक्तिकरण की जीवंत आवाज बनें।
अखबार हो या डिजिटल प्लेटफॉर्म
युवाशक्ति हमेशा अग्रसर रहेगा
पेशेवर पत्रकारों की निष्ठा और समर्पण से सजा है युवाशक्ति
आइए, वार्षिक और लाइफ सदस्यता ग्रहण करके युवाशक्ति को निरंतर समाजोपयोगी, चिंतनपरक पत्रकारिता की मसाल थामे आगे बढ़ने का हौसला दें।
Contact : sshekharyuvashakti@gmail.com
9831494084, 9831174666
Website:https://www.yuvashaktinews.com/
Epaper:https://epaper.yuvashaktinews.com/
Facebook:https://www.facebook.com/yuvashaktinewsIN
YouTube:https://www.youtube.com/@YUVASHAKTILIVE/videos
Twitter:https://twitter.com/YUVASHAKTILIVE
Instagram: https://www.instagram.com/yuvashaktidigital